जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, गुरुवार 8 सितम्बर, 2022

SINCE ओसवाल 1956 OSWAL SOAP GROUP

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

66 वर्षों का विश्वास

ओसवाल ही है
धुलाई के मैदान का
असली चैम्पियन

ज़्यादा सफ़ाई

कपड़ों की देखभाल

कम पानी में धुलाई

त्वचा का पूरा ख़्याल

अखाद्य तेल से बना

बरसों का विश्वास

नकली माल से सावधान

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद

OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और **ओसवाल एप** डाउनलोड करें

GET IT ON Google Play

विपणन :
उत्तम चंद देसराज

ओसवाल सोप ग्रुप I OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए +91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

MercuryDesign.in

ओसवाल सोप ग्रुप

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

6 करोड़ परिवारों का विश्वास | जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल | क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला

ओसवाल सोप	1kg डिशवॉश टब	1kg व्हाइट सोप	1kg वॉशिंग पाउडर	1kg डिटर्जेंट पाउडर	100g नहाने का साबुन
100g ग्लिसरिन बाथ सोप	250ml लिक्विड हैंड वॉश	500ml लिक्विड डिशवॉश	1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड	1Ltr. टॉयलेट क्लीनर	500ml ग्लास क्लीनर
550ml फ्लोर क्लीनर	1kg चाय पत्ती	250g डस्ट चाय	1kg देसी खांड	1kg बासमती चावल	800g पोहा
500g हल्दी पाउडर	1kg मिर्च पाउडर	500g धनिया पाउडर	1kg जीरा	1kg सैंधा नमक	1kg काला नमक
1Ltr. 5Ltr. कच्ची घानी तेल	1Ltr. 5Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल	1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच	5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल	50g अगरबत्ती	घास की झाड़ू
1kg चना दाल	1kg मूंग दाल	1kg हरी मूंग दाल	1kg काबुली चना	1kg तूअर दाल	1kg उड़द धुली दाल

नियम व शर्तें लागू, ऑफर स्टॉक रहने तक मान्य, सभी ऑफर्स को सूचना दिये बिना बदला जा सकता है।

ओसवाल रिटेल शॉप्स की जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

Follow us on :

OswalSoap.com

अधिक जानकारी के लिए

+91 9116171956, 9680201956 पर कॉल करें

Marketed by Uttam Chand Desraj

नकली माल से सावधान

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद

स्कैन करें और ओसवाल के उत्पाद खरीदें।

GET IT ON Google Play

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 38 प्रभात जयपुर, गुरुवार 8 सितम्बर , 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Baby is Coming!!

Modern parents find many of the old methods of care unsatisfactory; a certain amount of disagreement between the two generations exists.

Posture Matters In How You Take Pills

Indulge In Culinary Delights | There is a lot on offer for the foodies of Pink City.

नॉर्थ कैरोलाइना के शहर राले में इन दिनों एक असाधारण मेहमान नज़र आ रहा है, जिसे देखने बड़ी तादाद में लोग आ रहे हैं। यहां के डिक्स पार्क में रंग बिरंगी पेंटेड बंटिंग चिड़ियाँ दिखाई पड़ रही हैं। यह बेहद दुर्लभ नज़ारा है क्योंकि ऐसे पक्षी तटवर्ती भागों में ही मिलते हैं। एन.सी. स्टेट युनिवर्सिटी में वाइल्डलाइफ और संरक्षण में पी.एच.डी. कर रही मरे बर्गेस ने कहा कि, हाल ही में जब उन्होंने एक पेंटेड बंटिंग को देखा तो उन्हें अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ, ''वह डिक्स पार्क में यहां- वहां उड़ रही थी और गा रही थी।'' बर्गेस को शत प्रतिशत तो यह नहीं पता कि यह साँग बर्ड यहां क्यों आई है पर उन्हें लगता है कि शायद ग्लोबल वॉर्मिंग इसका कारण हो सकता है। हर वर्ष लाखों साँग बर्ड उत्तरी अमेरिका से दक्षिण के उष्ण कटिबंधीय वनों में जाती हैं, सर्दियां गुजारने, पर इस दौरान वे प्रजनन नहीं करतीं। इस विशेषता को फॉल माइग्रेशन कहते हैं। हालांकि, माइग्रेशन का सीज़न गर्मी के मध्य या लेट समर से शुरु होता है लेकिन, प्रारंभिक प्रवासी पक्षी लो कंट्री (साउथ कैरोलाइना का तटवर्ती भाग) से गुजरने लगते हैं, इनमें शोर बड्र्स व कुछ साँग बड्र्स प्रमुख हैं। नॉर्थ कैरोलाइना में प्रजनन क्षेत्रों की स्थिति खराब होने की वजह से पेंटेड बंटिंग को ''स्पीशीज़ ऑफ कन्सर्न'' माना जाता है। ब्रीडिंग बर्ड सर्वे के अनुसार 1965 के बाद से पेंटेड बंटिंग की आबादी घटी है। पेंटेड बंटिंग कार्डिनल परिवार से हैं और मूलतः उत्तरी अमेरिका में मिलती हैं। इस प्रजाति में केवल नर के ही चमकीले और बहुरंगी पर होते हैं। जन्म से लेकर एक साल तक नर मादा एक जैसे लगते हैं पर जब नर अपने जीवन के दूसरे वर्ष में प्रवेश करते हैं तब उनके पर खूबसूरत और रंग -बिरंगे होने लगते हैं, उसके बाद ही नर व मादा अलग-अलग दिखाई देते हैं। नर पेंटेड बंटिंग को उत्तरी अमेरिका का सर्वाधिक खूबसूरत पक्षी माना जाता है, इसलिए इनको ''लाजवाब'' भी कहा जाता है। हालांकि अपने रंगबिरंगे पंखों से ये पक्षी आसानी से पहचान में आ जाते हैं पर शर्मीले स्वभाव के कारण घने पेड़ों में छुपे रहते हैं और आमतौर पर नजर नहीं आते। प्रजननकाल में अवश्य गाते हुए दिख जाते हैं क्योंकि तब ये गाना गाकर अपने क्षेत्र को चिन्हित करते हैं। प्रजननकाल में नर बहुत सक्रिय हो जाते हैं और मादा को रिझाने के लिए तितली की तरह उड़ते हैं, कभी -कभी तो शरीर को फुला लेते हैं। यही नहीं, प्रजननकाल में कई बार नरों का संघर्ष इतना हिंसक हो जाता है कि एक दूसरे को मार भी डालते हैं।

आयकर विभाग ने गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों पर देश भर में ''रेड'' की

इन्कम टैक्स विभाग इन पार्टियों से आय व खर्च के स्रोतों के बारे में जानकारी मांग रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। आयकर विभाग ने, टैक्स की चोरी के अखिल भारतीय स्तर के जाँच पड़ताल-अभियान के अन्तर्गत, बुधवार को कम से कम 7 राज्यों में छापे मारे। ये छापे ऐसे राजनैतिक दलों पर मारे गये, जो पंजीकृत तो हैं किन्तु मान्यता प्राप्त नहीं है। इस छापे मारी का उद्देश्य उनके संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का पता लगाना हैं।

जिन राज्यों में छापे मारे गये हैं, उनके नाम हैं-महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ , हरियाणा तथा दिल्ली।

सूत्रों ने कहा है कि इन्कम टैक्स विभाग ने राजनैतिक दलों तथा उनके प्रमोटरों के खिलाफ एक समन्वित कार्यवाही शुरू की है ताकि उनके आय-व्यय स्त्रोत की जांच की जा सके। उन्होंने बताया कि अवैध साधनों के जरिए राजनीतिक फण्डिंग के कुछ अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही हैं।

- यह रेड चुनाव आयोग की प्रेरणा से की जा रही है, चुनाव आयोग ने 198 ऐसी राजनीतिक पार्टियों की लिस्ट जारी की है, जिनका उन पतों पर कोई अस्तित्व नजर नहीं आया, जो इन पार्टियों ने अपने ''लैटर हैड'' पर छापे हुए हैं।
- चुनाव आयोग ने यह भी घोषणा की, कि, वह 2100 ऐसी पार्टियों के खिलाफ कार्यवाही करने वाला है, जो पंजीकृत तो हैं, पर मान्यता प्राप्त नहीं। ये राजनीतिक पार्टियां चुनाव से संबंधित कानूनों की पूर्णतया अवहेलना कर रही हैं, जैसे न तो धन का विवरण पेश कर रही हैं कि, उन्हें कहां से कितना-कितना धन प्राप्त होता है और न ही अपने पते व पदाधिकारियों के नाम अपडेट करती हैं। कई ऐसी राजनीतिक पार्टियां गंभीर वित्तीय अनियमितता में लिप्त भी हैं।
- चुनाव आयोग ने यह भी निर्णय लिया है कि, इन राजनीतिक दलों से वे सुविधाएं वापस ली जायेंगी, जैसे कि चुनाव चिन्ह, जो उन्हें ''सिम्बल ऑर्डर'' (1968) के तहत प्राप्त हैं।
- चुनाव आयोग ने अपनी रिपोर्ट वित्त विभाग व जांच एजेंसियों को भी भेजी है, और जांच व दण्डनीय कार्यवाही करने के लिये।
- जैसा कि विदित ही है, देश में 2800 ऐसी राजनीतिक पार्टियां हैं, जो पंजीकृत तो हैं, पर मान्यता प्राप्त नहीं।

समझा जाता है कि यह औचक कार्रवाई चुनाव आयोग द्वारा हाल ही की गई सिफारिश के आधार पर की गई हैं। आयोग ने भौतिक सत्यापन के दौरान हाल ही में कम से कम 198 संस्थानों को अस्तित्वहीन पाया था। उसने इसके बाद इन संस्थाओं को अपनी सूची में से अधिकारिक रूप से हटा दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बहुप्रतिष्ठित ''थिंक टैंक'' सी.पी.आर. पर भी आयकर विभाग के छापे

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। स्वतंत्र सोच रखने वालों एवं बुद्धिजीवियों के समुदाय को एक स्पष्ट संदेश देते हुए आयकर विभाग ने आज दिल्ली स्थित सार्वजनिक नीति के स्वतंत्र थिंकटैंक सैन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सी.पी.आर.) पर छापा मारा।

सूत्रों के अनुसार जांच कार्यवाही हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात व अन्य स्थलों पर एक साथ मारे गए छापों से संबंधित है। ये छापे 20 से अधिक ऐसी पार्टियों की फण्डिंग को लेकर मारे गए हैं जो पंजीकृत किन्तु गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं।

सी.पी.आर. ने अभी अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है क्योंकि उसके संचालक मण्डल के अधिकांश सदस्यों से सम्पर्क नहीं हो पा रहा हैं।

वर्ष 1973 में संस्थापित सी.पी.आर. स्वयं को गैर पक्षपाती और स्वतंत्र संस्थान बताता है, जो ऐसे अनुसंधानों को समर्पित है जिनमें भारत के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों के बारे में अधिक ओजस्वी जन लेखन, बेहतर नीतियों और उच्च गुणवत्ता की विद्वता का समावेश होता है।

- जाने-माने विचारक व शिक्षाविद् प्रताप भानु मेहता, इस संस्था के हैड रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरण व आई.आई.एम. के प्रोफेसर रामा बीजापुरकर भी इस संस्था निदेशक मण्डल के सदस्य हैं।
- थिंक टैंक का कहना है कि, वह कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं से अनुदान प्राप्त करता है तथा उसके सारे अकाउन्ट्स व वित्तीय लेखा-जोखा, उसकी वैबसाइट पर भी उपलब्ध है।

प्रासंगिक प्रश्न करना इसके प्रमुख लक्ष्यों में से एक हैं। यह एक ऐसा नैशनल सोशल साइंस इंस्टीट्यूट है, जिसे इण्डियन काउन्सिल ऑफ सोशल साईस रिसर्च से मान्यता प्राप्त हैं। सी.पी.आर. देश के सामाजिक राजनीतिक मुद्दों पर अनुसंधान करने के बाद उन्हें प्रकाशित करता रहा हैं।

सूत्रों ने जानकारी दी कि 10 से अधिक अधिकारियों की एक टीम सी.पी.आर. ऑफिस के भीतर है और खाता बहियों की विशेष रूप से जांच कर रही है। टीम वहां दोपहर करीब पंहुची और उसकी जांच चल रही हैं। भाजपा सरकार के कट्टर आलोचक एवं शिक्षाविद् प्रताप भानु मेहता कभी इसके अध्यक्ष थे। वर्तमान में सी.पी.आर. संचालक बोर्ड की अध्यक्ष मीनाक्षी गोपीनाथ हैं। वह एक राजनीतिक विज्ञानी हैं, जो जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में शिक्षक रहने के अलावा दिल्ली के लेडी श्रीराम कॉलेज में प्रिंसिपल रही हैं। यामिनी अय्यर इसकी प्रैसिडैण्ट एवं मुख्य कार्यकारी हैं। सी.पी.आर. के संचालक मण्डल सदस्यों में पूर्व विदेश सचिव श्याम सरण और आई.आई.एम. प्रोफैसर रमा बिजापुरकर शामिल हैं।

अपनी फण्डिंग को लेकर यह थिंकटैंक अपनी वैबसाइट में कहता है कि वह भारत सरकार द्वारा नॉट-फोर प्रोफिट संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त है और उसे मिलने वाले अंशदान आयकर से मुक्त हैं।

वैबसाइट में कहा गया है कि ''सी.पी.आर. को विभिन्न घरेलू तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्त्रोतों से अनुदान मिलता है जिनमें फाउण्डेशन्स, कॉरपोरेट मानवतावादी, सरकारें और विविध एजेन्सियां शामिल हैं।'' थिंक टैंक का कहना है कि ''उसके वार्षिक वित्त एवं अनुदानों का पूरा लेखा-जोखा वैबसाइट पर उपलब्ध हैं।

स्वतंत्र थिंक टैंक पर छापे की कार्रवाई या तो एक संयोग है या उस छापे का समय ऐसे दिन चुना गया, जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत करते वक्त कहा है कि संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा है।

सी.पी.आर. मोदी सरकार के कई कदमों और नीतियों की आलोचना करता रहा है। उसकी अन्तर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता है। देश का शिक्षित समुदाय उसके प्रकाशनों और अनुसंधान लेखों को गंभीरता से लेता रहा हैं।

'मक्खन बाजी'

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। गांधी परिवार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने बिल्कुल नज़दीक, अपनी बगल में ही, रखे हुये हैं तथा ''भारत जोड़ो यात्रा'' के शुभारम्भ के अवसर पर, कन्याकुमारी में वे खासतौर से राहुल गांधी के साथ ही दिखाई दे रहे थे।

- कन्याकुमारी में भारत जोड़ो यात्रा के शुभारम्भ के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की तारीफ में सभी हदें पार कीं, पर क्या यह मक्खन बाजी उन्हें बचा पाएगी।

गहलोत को प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करने की जिम्मेदारी दे दी गई, जहाँ उन्होंने राहुल गांधी की प्रशंसा के पुल बाँधने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे बार-बार माँग किये जा रहे थे कि राहुल गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहिये तथा वे एवं गांधी परिवार मिलकर पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस/चीन व अमेरिका के तनाव व मतभेदों के मध्य भारत के लिए अपनी नाव खेना और कठिन होगा?

भारत के लिये सिरदर्द बनी शी व पुतिन के बीच वन-टू-वन मुलाकात उज़बेकिस्तान में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। भारत के सामने एक गंभीर कूटनीतिक चुनौती आ रही है क्योंकि चीन नियंत्रित संगठन शंघाई को ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एस.सी.ओ.) की वजह से चीन के राष्ट्रप्रमुख शी जिनपिंग और रुस के प्रमुख व्लादिमीर पुतिन के एक साथ आने और बातचीत करने की संभावना बढ़ रही है। एस.सी.ओ. का शिखर सम्मेलन 15 से 16 सितम्बर के बीच उज़्बेकिस्तान की राजधानी में होगा।

शी एवं पुतिन की यह मुलाकात अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम ओर दो ''लिमिटलैस'' मित्रों रुस व चीन के बढ़ते टकराव के कारण महत्वपूर्ण है। रुस की न्यूज एजेंसी तास ने दोनों नेताओं की मुलाकात की घोषणा की है।

- शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन (एस.ओ.सी.) के समारोह में प्रस्तावित इस मुलाकात से भारत चौकन्ना इसलिये है कि, चीन में आयोजित ''विन्टर ओलंपिक'' के पहले भी शी व पुतिन के बीच वन-टू-वन मुलाकात हुई थी और दोनों ने अपार ''सीमा रहित'' दोस्ती का वादा किया था एक दूसरे से।
- क्या शी व पुतिन ऐसी कोई नयी व गहरी दोस्ती का ताजा इज़हार तो नहीं करेंगे, एस.ओ.सी. सम्मेलन में।
- चीन लगातार भारत की सीमा पर तनाव बनाये हुए है तथा हिन्द महासागर में नये-नये समझौते कर, ''नेवल बेस'' बनाकर भारत को घेरने का प्रयास और तेज करता जा रहा है।

भारत के लिए परेशानी की बात यह है कि पाकिस्तान भी एस.सी.ओ. का सदस्य है।

रुस की न्यूज़ एजेंसी तास इन दिनों रुस के निरंकुश शासक पुतिन का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के दबाव में डी.एम.के. को अपना कार्टून वापस लेना पड़ा

पर, क्या भाजपा का हिन्दूवादी एजेण्डा, ''क्लिक'' करेगा तमिलनाडू में?

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। जैसा होता आया है, भाजपा सदैव ही राजनैतिक तापमान बढ़ाने के मौकों की तलाश में रहती है, खासतौर से ऐसे राज्यों में, जहाँ वह प्रवेश करना या अपना विस्तार करना चाहती है। और तमिलनाडु ऐसा ही राज्य है। लेकिन बुधवार को डी.एम.के. (द्रमुक) ने भाजपा को एक मुद्दा थमा दिया, जिसका पूरा-पूरा अनुचित लाभ लेने की कोशिश उसने शुरू कर दी है।

डी.एम.के. की आई.टी. विंग के प्रमुख टी.आर.बी. राजा, जो वरिष्ठ डी.एम.के. नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री टी.आर. बालू के पुत्र हैं, ने हिन्दुत्व-विचारक वीर सावरकर का एक व्यंग्य चित्र (कैरिकेचर) ट्विटर पर पोस्ट कर दिया, जिसके खिलाफ दक्षिणपंथी तंत्र ने तत्काल ही निन्दा-अभियान छेड़ दिया। और भी खास बात यह हुई कि राजा के खिलाफ नफरत फैलाने के आरोप लगाये जाने लगे। राज्य के भाजपा नेता अमर प्रसाद रेड्डी ने कहा कि राजा के ट्वीट में वीर सावरकर को एक कौए पर सवार दिखाया गया है, जो हिन्दू देवता, भगवान महाविष्णु का मुकाबला कर रहा है तथा इस प्रकार हिन्दू-भावनाएं आहत हुई हैं।

- इस बारे में राजनीतिक दलों व गंभीर राजनीतिक विचारकों में मतैक्यता नहीं है।
- पुराना परम्परागत सोच तो यह है कि, दक्षिण भारत में भाजपा का ब्राह्मण परस्त फॉर्मूला सदा की तरह फेल होगा, क्योंकि, वहां जनता जाति आधारित राजनीति व पार्टी की ''आइडिऑलजी'' से ही प्रेरित होती है तथा हिन्दुत्व व हिन्दूवाद का नारा सफल नहीं होगा।
- दूसरा मत यह है कि, हिन्दी विरोधी भावना कमजोर पड़ी है समय के साथ-साथ तथा एक परिवार पर आधारित डी.एम.के. का मॉडल भी पुराना हो गया, जिसका समय बीत गया है, अतः भाजपा का सोच इतना बेवकूफी पूर्ण निर्णय नहीं है।

रेड्डी ने कहा कि पुलिस ने डी.एम.के. आई.टी. प्रकोष्ठ-प्रमुख तथा विधायक राजा की इस पोस्ट को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है। इस शिकायत को दर्ज कराने वाले, तमिलनाडु भाजपा के सचिव एस.जी. सूर्या ने कहा कि इस ट्वीट से शान्ति भंग हो सकती है। राजा ने लोगों की नाराजगी के कारण बने इस ट्वीट को डिलीट भी कर दिया था।

लेकिन इस ट्वीट को डिलीट कर देने का भाजपा पर कोई असर नहीं हुआ है। भाजपा कह रही है कि राजा हिन्दू देवताओं का उपहास करने का अपराध बार-बार करते हैं। भाजपा ने डी.एम.के. पर कड़ा प्रहार करते हुये, उसे हिन्दू विरोधी बताया।

साफ बात यह है कि भाजपा ने आक्रामक मुद्रा अपना ली है तथा वह डी.एम.के. को मात देने के लिये अपनी सुविधानुसार किसी भी मुद्दे को काम में ले सकती है। उसने तमिलनाडु, जो इस हिन्दुत्व-समर्थक पार्टी का पक्षधर नहीं रहा है, में लोगों की सोच पर और ज्यादा कब्जा करने की कोशिश की है। वस्तुतः भाजपा ने प्रमुख विपक्षी दल ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्ना द्रमुक) जो पहले ही अंदरूनी लड़ाई में उलझी हुई है, के साथ मिलकर विपक्ष की भूमिका ग्रहण कर ली है।

लेकिन क्या तमिलनाडु जो एक औद्योगिक, प्रगतिशील तथा समृद्ध राज्य है, में भाजपा की आक्रामक हिन्दुत्व राजनीति कारगर रहेगी। तमिलनाडु सदैव ही दो द्रविड़ दलों में से किसी एक का विश्वास करता आया है।

राजनैतिक विश्लेषकों को इस समय राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिलेश ने मौर्य का नाम चलाया

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। बिहार में अत्यन्त तीव्र गति से हुये राजनैतिक बदलाव ने विपक्षी नेताओं को एक नई ऊर्जा प्रदान कर दी हैं। इन नेताओं में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव भी शामिल हैं, जिन्होंने योगी आदित्यनाथ के स्थान पर भाजपा नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित है कि, अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मौर्य को प्रलोभन दिया है कि, अगर वे अपने साथ 100 विधायक ले आएं तो उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। कहा जा रहा है कि, अखिलेश इस कदम से योगी-शाह के मतभेदों का लाभ उठाना चाहते हैं।

बंधुआ मजदूरों का मजाक

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट की दो जजों वाली बैंच के जस्टिस हेमन्त गुप्ता ने जम्मू तथा कश्मीर के ईंट भट्टों से मुक्त कराए गए बंधुआ मजदूरों के शोषण को लेकर दायर किए गए एक केस की बुधवार को मज़ाक किया।

- सुप्रीम कोर्ट में बंधुआ मजदूरों के एक केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि, बंधुआ मजदूर असल में बंधुआ नहीं हैं, वे पैसे ले लेते हैं और काम बीच में छोड़कर भाग जाते हैं।

याचिकाकर्ता के वकील द्वारा यह निवेदन करने के बावजूद कि कई बंधुआ मजदूर यौन उत्पीड़न तक के शिकार हुए हैं, और 10 वर्ष बाद भी उन्हें कोई पैसा नहीं दिया गया है, जस्टिस गुप्ता ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दुर्भावना को मैं मनुष्य का कलंक समझता हूँ। –महात्मा गाँधी

नई फ़िल्म पर्यटन नीति से किसका भला होगा कोई नहीं जानता

राज्य सरकार ने 'राजस्थान फ़िल्म टूरिज़्म प्रमोशन पॉलिसी 2022' घोषित की है। इस नीति के दो भाग है। पहला तो इस पॉलिसी के शीर्षक वाला भाग तथा दूसरा 'राजस्थानी भाषा में फिल्म निर्माण प्रोत्साहन एवं अनुदान नीति'का भाग। शासन में यही होता आया है कि शासकीय नीतियां लोक प्रतिनिधि नहीं सचिवालय के अधिकारी बनाते हैं। उन्हें बनाने में उन हितधारकों की कोई भूमिका नहीं होती जो इस नीतियों से प्रभावित होने वाले होते हैं। बताया जाता है कि इस फ़िल्म नीति को बनाने के पहले राजस्थान के फ़िल्मकारों को बुलाया कर यह पूछने की औपचारिकता जरूर पूरी की गई कि बताइए आपको इस नीति में क्या चाहिए। कुछ लोगों से कहा गया कि वे अपने सुझाव ई-मेल से भेज दें। कुछ ने भेजे भी। मगर अंत में विभिन्न राज्यों की पॉलिसियों को लेकर कट पेस्ट जैसा कुछ करके इस नीति का प्रारूप बना लिया गया। मगर उसके प्रारूप पर फ़िल्म व्यवसाय और फ़िल्म कला से जुड़े लोगों के साथ कभी कोई संवाद या मंथन नहीं हुआ। मौजूदा राजनीतिक कोलाहल के दौर में सरकार जिस प्रकार रस्म अदायगी कर रहीहै वही इस नीति में भी बयान होता है। इस नीति के अंतर्विरोध तो इसकी प्रचार पुस्तिका के लिए दिये गये मुख्यमंत्री के संदेश से ही सामने आने लगते हैं जिसमें मुख्यमंत्री कहते हैं कि राजस्थान अपनी विशिष्ट भौगोलिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विशेषताओं के कारण देश और दुनिया में विशेष पहचान रखता है। प्रदेश के समृद्ध स्थापत्य कला से युक्त दुर्ग, महल, मंदिर, हवेलियां, स्मारक, जलाशय झीलें बावड़ियां विश्व विख्यात हैं। यहां के नैसर्गिक सौन्दर्य से सरोबार आबू पर्वत, सुनहरी बालू के टीलों से सजा मरुस्थल, और लोक संस्कृति के विविध रूप फिल्म जगत के लिये आकर्षण का केंद्र रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में क्षेत्रीय भाषाओं के साथ हिन्दी और अनेक विदेशी भाषाओं की फ़िल्मों की शूटिंग और उनके प्रदर्शन से राजस्थान की सतरंगी संस्कृति का व्यापक प्रचार प्रसार होता रहा है। जब ऐसा शानदार काम पहले से ही है तब नई नीति की क्या जरूरत आन पड़ी? सच तो यह है कि दो भागों वाली यह नीति संकल्पना के स्तर पर ही स्पष्ट नहीं है। शासन फ़िल्मों के जरिए राजस्थान में पर्यटन को बढ़ा कर कमाने का व्यावसायिक मॉडल चाहता है, या राजस्थानी भाषा, कला और संस्कृति तथा इस भाषा की फ़िल्मों के निर्माण को बढ़ावा देना चाहता है? किसी ने तो यह टिप्पणी तक की है कि पर्यटन के पोषण के लिए कला-संस्कृति का शोषण किया जा रहा है। सरकार का अपना प्रशासनिक अंतर्विरोध भी इस नीति में आ गया है। पहले पर्यटन तथा कला और संस्कृति का एक ही विभाग होता था। फिर सरकार ने विषयों के दो अलग विभाग बना दिये। अब तो दोनों विभागों के मंत्री भी अलग-अलग हैं मगर इन दोनों ही विभागों का प्रशासनिक सचिव एक ही है। ऐसे प्रशासनिक अंतर्विरोधों को न समझ पाने वालों से विषय की गंभीरता की क्या अपेक्षा की जा सकती है!

भले ही अकादमिक दृष्टि से कहा जा सकता है कि पहली राजस्थानी फिल्म 'निज़राणों' 80 बरस पहले 1942 में बनी, परंतु व्यावहारिक दृष्टि से राजस्थानी फिल्म निर्माण की शुरुआत उसके बीस बरस बाद 1961 की 'बाबासा री लाडली' से ही मानी जाएगी। इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस सफलता तथा इसके गानों की धूम से राजस्थानी फिल्म निर्माण की राह तो बन गई मगर वह ऐसे किसी लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी जहां राजस्थानी सिनेमा की अलग पहचान स्थापित हो सकती। राजस्थानी सिनेमा का स्वरूप इस प्रदेश की संस्कृति और भाषा से ही बन सकता है। जितने भी क्षेत्रीय सिनेमा पनपे हैं वे सब अपने क्षेत्रों की भाषा और संस्कृति की मजबूत नींव पर खड़े है। राजस्थानी सिनेमा को बनाने की तो अभी नींव ही नहीं खुदी है। राजस्थानी सिनेमा की इमारत यहां की भाषा और संस्कृति की बुनियाद पर ही खडी हो सकती है। दुर्भाग्य से प्रदेश की संस्कृति शासन में बैठे लोगों की प्राथमिकता में कहीं नहींहै। कला-संस्कृति के नाम पर पर्यटन विभाग जो कुछ करता है वह बाज़ार की ताकतों के जरिए इवेंट प्रबंधन से अधिक कुछ नहीं होता। मंचों पर व प्रदर्शनियों में प्रशासनिक अधिकारियों के मरजीदानों के लटकों-झटकों को ही राजस्थानी कला और संस्कृति मान लिया जाता है। इसी का विद्रूप उदाहरण राजस्थानी भाषा में फिल्म निर्माण प्रोत्साहन एवं अनुदान की इस नीति में भी मिलता है। अनुदान देने के लिए इस नीति में एक फिल्म परीक्षण समिति की व्यवस्था है जो अनुदान के लिए फ़िल्मों का चयन करेगी। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय इस चयन समिति में सिर्फ़ दो गैर सरकारी सदस्य होंगे। नई नीति यह भी कहती है कि राजस्थानी फिल्म निर्माण के विभिन्न विभागों से जुड़े विशेषज्ञों का पैनल अलग से तैयार किया जायेगा तथा जरूरत के मुताबिक पैनल के विशेषज्ञ को फिल्म परीक्षण के लिए बुलाया जायेगा। अब कोई पूछे कि जब राज्य में फिल्म निर्माण की कोई जमीन ही नहीं है तो विशेषज्ञ कहां से आएंगे। नीति का सारा जोर गुणवत्ता वाली राजस्थानी फ़िल्मों पर है और उनकी गुणवत्ता का निर्णय प्रशासनिक अधिकारियों की बहुमत वाली समिति करेगी। सब जानते हैं कि प्रशासन में पहुंच चलती है।

जरूरत है कि ऐसी नीतियां सिनेमा को समझने वाले लोगों को सक्रिय रूप से साथ लेकर बनाई जाय। कोई ऐसी व्यवस्था हो जिसमें निर्माता, निर्देशक, कलाकार, तकनीकी लोग, वितरक और प्रदर्शक आदि फैसला करें और नौकरशाह का काम सिर्फ़ उनके निर्णयों की पालना और उनके क्रियान्वयन का हो। यह मुद्दा सभी हितधारकों के बीच गंभीर संवाद की अपेक्षा रखता है।

नीति कहती है कि सिनेमाघर में फ़िल्म चलनी चाहिये। मगर सिने व्यवसाय वाले कहते हैं कि आज हालत यह है कि राजस्थानी फ़िल्मों को प्रदर्शन के लिए सिनेमाघर नहीं मिलते। सिनेमाघर चलाने वाले कहते हैं कि उन्हें चलाने के जितने खर्चे हैं राजस्थानी फ़िल्में उतनी कमाई नहीं देती। नई नीति में इस प्रमुख समस्या का जिक्र ही नहीं है। सरकार को पिछले काफी समय से यह सुझाव दिया जाता रहा है कि राज्य के प्रत्येक सिनेमाघर को प्रतिवर्ष कुछ निश्चित शो राजस्थानी फ़िल्में प्रदर्शित करने की वैसी कानूनी बाध्यता की जाय जैसी महाराष्ट्र जैसे प्रदेशों में है। केरल में तो सरकार के अपने सिनेमाघर भी हैं जहां केवल वहां की क्षेत्रीय भाषाओं की फ़िल्मों का प्रदर्शन किया जाता है। और देखें, नीति की शर्तें कहती है कि फिल्म 2-के में या 35 एमएम फॉर्मेट में होनी चाहिये। इस नीति को बनाने वालों को कोई बताये कि 35 एमएम फॉर्मेट तो इस डिजिटल युग में कोई अस्तित्व ही नहीं है।चलचित्र अब सेल्यूलॉयड पर नहीं बनते। सारी फिल्में डिजिटल फॉर्मेट में ही बनती है। साथ में नीति शर्त लगाती है कि फिल्म 2-के में बने तभी अनुदान के योग्य होगी। तो आज की तारीख में राजस्थान में इसके सिनेमाघर ही गिने चुने हैं। बड़े मल्टीप्लेक्स के अलावा तो 2-के प्रदर्शन की क्षमता वाले सिनेमाघर है ही नहीं। एक अनोखा पैरा इस नीति में राजस्थानी भाषा की फिल्म को राज्य की जीएसटी की छूट का है। टैक्स मुक्त होने से टिकट दर कम हो जाती है जिससे अधिक दर्शकों के आने को प्रोत्साहन मिलता है। यह नीति कहती है कि यह सुविधा लेने के लिए सिनेमाघर के टिकट के खरीददार से तो जीएसटी की राशि नहीं ली जायेगी मगर फिल्म निर्माता को टैक्स की छूट का लाभ लेने के लिए उतनी राशि सरकार को पहले सरकार में जमा करानी पड़ेगी जो बाद में उसे वापस लौटा दी जायेगी। जिस निर्माता के पास अपनी फिल्म सिनेमाघर में लगाने के पैसे नहीं है वह कैसे एडवांस राशि जमा करा सकेगा यह तो नीति बनाने वाले प्रशासनिक अधिकारी ही जाने।

नीति का एक और अंतर्विरोध देखें कि फ़िल्म पर्यटन नीति में तो डॉक्युमेंट्री फिल्म का जिक्र है मगर उसी के दूसरे भाग राजस्थानी फिल्म प्रोत्साहन नीति में उसका जिक्र नहीं है। डॉक्युमेंट्री फ़िल्मों पर बड़ा खर्च नहीं आता इसलिए इस नीति के पहले भाग के अनुसार दो करोड़ रुपयों के खर्च नहीं होने से वे फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन लाभ से वंचित रह जायेगी। राजस्थानी भाषा की फ़िल्मों के अनुदान वाले दूसरे भाग में तो उनको शामिल ही नहीं किया गया है। इसी प्रकार राजस्थानी शॉर्ट फिल्मों के लिए भी इस नीति में कोई जगह नहीं है। फिल्म पर्यटन नीति कहती है कि इसका लाभ उन फ़िल्मों को मिलेगा जिनकी कुल निर्माण लागत में से दो करोड़ रुपये राजस्थान में खर्च हों। राजस्थानी फिल्में बनाने वाला तो बड़ी मुश्किल से करीब 50 लाख में फिल्म बना पाता है।

जब प्रदेश में राजस्थानी भाषा और संस्कृति का ही कोई धणी-धोरी न हो तब राजस्थानी फ़िल्मों को खाद पानी कहां से मिले। देश में जहां क्षेत्रीय फिल्में अपना ऊंचा रुतबा बनाये हुए हैं वे वो प्रदेश हैं जहां स्कूलों में उनकी भाषा पढ़ाई जाती है। हमारे यहां अंग्रेजी माध्यम की स्कूलें खोली जाती है लेकिन प्रदेश के लोगों की मातृभाषा की बात करने वाला पिछड़ा माना जाता है। शासन में कला-संस्कृति का नाम सिर्फ़ ब्रांडिंग और माल बेचने के लिए लिया जाता है। ऐसे में राजस्थानी सिनेमा दिखाने का या उसके प्रोमोशन के किसी चैनल की तो कल्पना करना ही दूर की बात है। जरूरत है कि ऐसी नीतियां सिनेमा को समझने वाले लोगों को सक्रिय रूप से साथ लेकर बनाई जाय। कोई ऐसी व्यवस्था हो जिसमें निर्माता, निर्देशक, कलाकार, तकनीकी लोग, वितरक और प्रदर्शक आदि फैसला करें और नौकरशाह का काम सिर्फ़ उनके निर्णयों की पालना और उनके क्रियान्वयन का हो। यह मुद्दा सभी हितधारकों के बीच गंभीर संवाद की अपेक्षा रखता है। यह गंभीर संवाद करवाने की शासन की जिम्मेवारी बनती है। किसी ने पूछा है कि क्या कभी कोई राजस्थानी फिल्म 'बाहुबली' या 'आरआरआर' जैसी धूम मचा सकती है? नई नीति से तो ऐसी कल्पना करना बेमानी है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राह भटकता साक्षरता कार्यक्रम

आज 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस है। इसे प्रतिवर्ष पूरे विश्व में मनाया जाता है। आज के दिन सभी लोगों को साक्षर बनाने का लक्ष्य पूरा करने का संकल्प लिया जाता है एवं इस कार्य में नि:स्वार्थ भाव से जुटे साक्षरता कर्मियों को सम्मानित किया जाता है।

गत कुछ वर्षों में साक्षरता की बात तक होना बंद हो गया है। सरकारों ने शायद यह समझ लिया है कि जनता, शत प्रतिशत साक्षर हो चुकी है। वास्तविकता यह है कि देश में अब भी करोड़ों की संख्या में लोग असाक्षर हैं। राजस्थान राज्य में ही इनकी संख्या लगभग 1.50 करोड़ है। इनके लिए यदि कोई कार्यक्रम सुनियोजित रूप से नहीं चलाया गया और इन्हें हाशिए पर ही छोड़ दिया गया, तो आने वाले समय में हम पुन: पुरानी स्थिति में पहुंच जाएंगे। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई है किन्तु राजस्थान का साक्षरता प्रतिशत जो 2001 में 61 प्रतिशत तक पहुंच गया था, वह 2022 में भी 70 प्रतिशत से कम ही है।

कल 7 सितंबर को राजेंद्र जोशी द्वारा लिखित लेख ''साक्षरता कार्यक्रम में कॉपी पेंसिल और प्रवेशिका को स्थान नहीं'' पढ़कर अत्यंत आश्चर्य हुआ और साथ ही दुख भी। विशेषकर इसलिए कि मुझे लगभग सवा 4 वर्ष, जुलाई 1996 से अक्टूबर 2000 तक, निदेशक साक्षरता एवं सतत शिक्षा तथा सचिव राज्य साक्षरता मिशन, के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। इस अवधि में मुझे राज्य के सभी जिलों के शहरों और गांवों में साक्षरता अभियान से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने, साक्षरता कर्मियों के उत्साहवर्धन करने, पंचायत, तहसील, जिला एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले साक्षरता कर्मियों को सम्मानित करने का मौका मिला। समाज के सभी वर्गों एवं सरकार के सभी विभागों के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर इस अभियान में अपनी आहुति दी। यही कारण था कि पूरे देश में राजस्थान ने साक्षरता के काम में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया। 1991 और 2001 की जनगणना में 23 प्रतिशत अंक की वृद्धि अंकित की जो देश के राज्यों में सबसे अधिक थी। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में पहली बार महिला साक्षरता की दर में पुरुषों की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि हुई। राजस्थान को महिला साक्षरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पुरस्कार वर्ष 2000 के अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के समारोह में विज्ञान भवन में राष्ट्रीय स्तर पर दिया गया, जिसे प्राप्त करने का सौभाग्य मुझे मिला। मैं यह सब केवल आत्मा प्रशंसा की दृष्टि से नहीं लिख रहा हूं अपितु पीड़ा की अभिव्यक्ति कर रहा हूं कि जिस कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हुए जोर शोर से पूरे देश में और विशेषकर राजस्थान में लाखों कार्यकर्ताओं ने लागू किया, उसे इतना महत्वहीन बना दिया गया है।

अब कहा जा रहा है कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के बाद अब कागज पर लिखने-पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। केवल कंप्युटर के माध्यम से असाक्षरों को साक्षर बनाने की बात करना हवाई किले बनाने जैसा है। किस प्रकार हम लाखों कार्यकर्ताओं को राज्य में शेष बचे लगभग डेढ़ करोड़ व्यक्तियों को साक्षर बनाने में उपयोग कर पाएंगे? दुर्भाग्य यह है कि इसके संबंधित नीतियां दिल्ली के वातानुकूलित कक्ष में बैठकर बना ली जाती हैं, बिना धरातल की वास्तविकताओं को ध्यान में रखे। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि आज

राजेन्द्र भाणावत

भा गावा म 24 घट ानबाध रूप स बिजली उपलब्ध नहीं है। क्या सबके पास लैपटॉप, कंप्यूटर या इन्टरनेट वाले स्मार्ट मोबाइल हैं? थोड़ी देर के लिए मान भी लें कि बिना अक्षर ज्ञान के भी मोबाइल काम में लिया जा सकता है, तो क्या हम यह भी मान लें कि अब व्यक्ति को कागज पर कुछ लिखा हुआ पढ़ने अथवा उसके द्वारा लिखने की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है और जो ऐसा न कर पाए, उसे भी हम साक्षर मानना प्रारंभ कर दें?

यह एक वास्तविकता है कि आज भी लाखों की संख्या में बच्चे, बाल श्रम में लगे हुए हैं एवं इसी कारण वे नियमित रूप से विद्यालय जाने में असमर्थ हैं। गत 2 वर्षों की कोरोना की महामारी में तो इस स्थिति को और भी विकट बना दिया है।

सतत शिक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें विभिन्न प्रकार की साक्षरता जैसे वित्तीय साक्षरता, कानूनी साक्षरता, डिजिटल साक्षरता आदि से जोड़ना था। दुर्भाग्य से, ये सब कार्यक्रम लगभग समाप्त कर दिए गए और इस कार्य में जुड़े प्रेरकों को वर्षों तक भुगतान नहीं हुआ, जिसके कारण उन्होंने काम करना बंद कर दिया जो स्वाभाविक था। कुल मिलाकर इसका खामियाजा तो उन्हीं को उठाना पड़ा जो या तो निरक्षर थे या नव साक्षर बने थे। 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम' 2009 लागू करने के बाद भी विद्यालय से बाहर बच्चे शिक्षा से वंचित ही रहे और बड़े होकर ये निरक्षरों की श्रेणी में सम्मिलित हो गए। यही कारण है कि आज 2001 के बाद 20 वर्ष होने के बावजूद, राजस्थान में निरक्षरों की संख्या बहुत अधिक है।

साक्षरता दिवस के अवसर पर शिक्षा से संबंधित सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं सरकारी अधिकारियों से आग्रह है कि वह पूरे कार्यक्रम की निष्पक्ष समीक्षा करें। तब वे स्वयं ही इसका उत्तर ढूंढ लेंगें कि क्या राजस्थान में बिना कॉपी, पेंसिल और प्रवेशिका के साक्षरता अभियान चलाया जा सकता है? इस पर पुनर्विचार कर आवश्यकता के अनुसार इस में आवश्यक संशोधन करें। यदि केंद्र सरकार इस बारे में कोई कार्यवाही न भी करे तो शिक्षा ,राज्य का विषय होने के नाते, इस सम्बन्ध में राज्य सरकार को पहल करके अपने राज्य के निरक्षर व्यक्तियों के हितों को आगे बढ़ाना चाहिए। इस हेतु एक प्रकार का सकारात्मक वातावरण समाज में बनाने की आवश्यकता है। ग्रामीण पुस्तकालयों को पुनर्जीवित करके, विभिन्न गांव में सतत शिक्षा की अवधारणा के आधार पर केंद्र स्थापित करके, उनके बहुआयामी विकास की व्यवस्था करना तथा साक्षरता को केवल शिक्षा विभाग का कार्य न मानते हुए इसे सरकार का एक प्रमुख दायित्व मानते हुए इसमें सभी विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है

जब बाल श्रम वास्तविकता है तो हम यदि अनौपचारिक शिक्षा न भी चलाएं तब भी यह व्यवस्था करें कि आयु के आधार पर विशेष कैंप लगाकर बच्चों को अपनी आयु के समकक्ष शैक्षिक स्तर तक लेकर आएं। इस कार्य में स्वैच्छिक संस्थाओं की विशेष भूमिका है। आइए, साक्षरता दिवस के अवसर पर हम सब मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनाने का संकल्प लें जिससे पूरे देश में, विशेषकर हमारे राजस्थान में, कोई भी वयस्क या बालक-बालिका शिक्षा के आलोक से वंचित न रहे।

राजेन्द्र भाणावत,
पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी

दो दशक से बंद पड़े हैं देवयानी सरोवर में पानी आवक के प्राकृतिक रास्ते

प्रशासन की अनदेखी के चलते देवयानी सरोवर में भरा पड़ा कचरा।

सांभरझील, (निसं)। अति प्राचीन देवयानी सरोवर में प्राकृतिक पानी के अवरुद्ध रास्त बंद होने से तीर्थ स्थल का प्राकृतिक वजूद काफी कम होता जा रहा है। इसके लिए पूर्व में भी पर्यटन मंत्री व पालिका प्रशासन से लागों ने आग्रह किया पर हालात जस के तस बने हुए हैं।

■ रखरखाव की कमी से तीर्थ स्थल की शोभा पर दाग लगा

जानकारी अनुसार महाभारत एवं अनेक धार्मिक ग्रंथों में वर्णित देवयानी सरोवर के प्राकृतिक रास्ते करीब दो दशकों से भी अधिक समय से बंद हैं। बीते वर्षों में पर्यटन और पुरातत्व विभाग की ओर से इस तीर्थ स्थल के जीर्णोद्धार व रखरखाव के लिए अब तक 50 लाख से अधिक रुपए फूंके जा चुके हैं। इसके बावजूद सरोवर पर बने अनेक मंदिरों कि आभा लौट सकी और न हीं कुंड में जल भराव का स्थाई समाधान निकल सका।

यह बताना जरूरी है कि इस सरोवर को पानी से भरने के लिए दो दफा बारिश के जल को लिफ्टिंग कर इस सरोवर को लबालब किया गया था। जिसमें अनेक भामाशाहो ने उन्मुक्त हाथों से अपना आर्थिक योगदान एवं पालिका प्रशासन की ओर से भी संसाधन उपलब्ध करवाए गए थे तो कुछ संसाधन यहां की काम करने वाली युवा टीम ने अपने स्तर पर जुटाये थे लेकिन स्थानीय प्रशासन व शासन के स्तर पर ऐसी कोई कवायद आज तक देखने को नहीं मिल रही है। इस दिशा में यहां के पुजारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मॉनिटरिंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण यहां होने वाले विकास कार्य मैं कथित रूप से जमकर भ्रष्टाचार हुआ।

इसी संदर्भ में स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र सुरेशचंद्र अग्रवाल, देवयानी स्थित बड के बालाजी मंदिर के पुजारी विवेक शर्मा व विकास शर्मा का कहना है कि सरोवर के अस्तित्व को बचाने के लिए चुने हुए जनप्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका अदा करनी होगी अन्यथा यह पुराणिक तीर्थ स्थल एक दिन इतिहास के पन्नों में ही पढ़ा जाएगा।

बाजरे की फसल में लट का प्रकोप

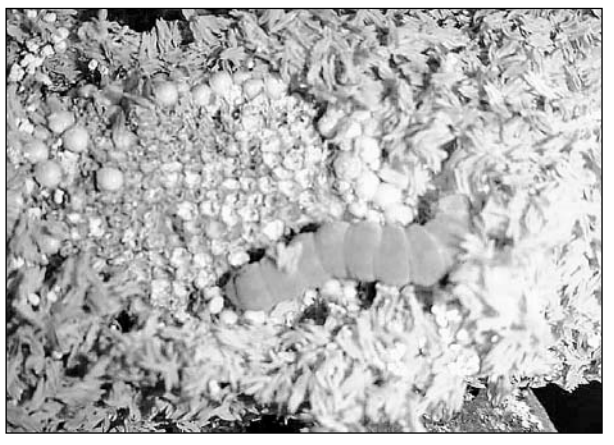

लूणवां क्षेत्र में बाजरे की फसल में लगी लट।

सांभरझील, (निसं)। लूणवां क्षेत्र के आस-पास के खेतों में इन दिनों कुदरत कहर बरफा रही है। लटों का प्रकोप बढ़ने से बाजरे की फसल खराब होने के कगार पर है।

■ 30 से 40 प्रतिशत तक फसल में नुकसान हो गया है

किसान जगदीश जाट ने बताया कि बीस बीघा खेत में बाजरे की फसल बोई हुई है। कही-कही बाजरे की फसल पर चेपा उत्पन्न होने लगा है तो कहीं काली, भूरे व हरे रंग की लटें बाजरें की बालियों को खा रही हैं। किसान भाइयों ने बताया पहले कोरोना की मार, फिर बरसात इंतजार और अब लटों के वार ने किसानों की कमर ही तोड़ दी है। ड्योढी कोढी, शेरपुरा, लूणवा सहित आसपास के समूचे क्षेत्र के खेतों में लटों का प्रकोप दिन व दिन बढ़ता जा रहा है। अब जब फसलें पकने की स्थिति में है तो कई दिनों से मौसम में नमी रहने से लटों और चेपा जैसे रोगों ने चपेट में ले लिया।

लटों का प्रकोप बढ़ने से बाजरे के एक-एक सिट्टे पर तीन से चार लटें देखते ही देखते चट कर रही हैं। जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें उभरना शुरू हो गई हैं।

किसानों की सरकार से लटों के प्रकोप से फसलों को बचाने के उपाय की मांग की है। किसानों ने कहा कि पसीना बहाने के बाद भी कुदरत रूठ रही है किसानों ने कहा कि 15 दिन पहले तक बाजरे की फसल में बंपर पैदावार होने की संभावना थी लेकिन अचानक से लट रोग के लग जाने से पूरी मेहनत पर पानी फिर गया है। जिससे 30 से 40 प्रतिशत तक फसल में नुकसान हो गया है। किसानों ने सरकार से गुहार लगाते हुए खराब हुई फसल का मुआवजा देने की तथा शेष फसल को बचाने के उपाय की मांग की है।

साक्षरता सामाजिक आर्थिक विकास का आधार

किसी देश को तरक्की और विकास के रास्ते पर ले जाने की बुनियाद है

साक्षरता और विकास का निकट का सम्बन्ध है। विश्व में साक्षरता की बात करें तो नार्वे, स्वीडन और फिनलैंड शीर्ष स्थान पर है। इन देशों का विकास भी काफी अच्छा है। 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1965 को सयुक्त राष्ट्र संघ के शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन द्वारा की गई।

अगर हम विश्व की साक्षरता की बात करें तो विश्व की साक्षरता 57 प्रतिशत के आस-पास है। विश्व में सबसे ज्यादा साक्षरता नार्वे, स्वीडन, अमेरिका जैसे देश की साक्षरता 95 से 100 प्रतिशत तक है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2022 की थीम ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेस राखी गई है।

देश की कुल आबादी का एक चौथाई तक़रीबन 30 करोड़ लोग आज भी अशिक्षित हैं। भारत की कुल साक्षरता 74.4 प्रतिशत है। जिसमें सबसे ज्यादा साक्षरता वाला राज्य केरल है जहां 93 प्रतिशत जनसंख्या साक्षर है। जिसमें पुरुष साक्षरता 96 प्रतिशत और महिला साक्षरता 92 प्रतिशत है। सबसे कम साक्षरता वाला राज्य बिहार है जिसकी साक्षरता 63.82 प्रतिशत है।

उत्तर प्रदेश भी पाँच सबसे कम राज्यों में शामिल है। इसी कारण विकास की दौड़ में ये प्रदेश अन्य राज्यों के मुकाबले पिछड़े हुए हैं। शिक्षा मानव

डॉ. मोनिका ओझा खत्री

प्रगति का आखरी रास्ता है। साक्षरता पढ़ने और लिखने के लिए भाषा का उपयोग करने की एक क्षमता है।

देश-दुनिया से गरीबी को जड़मूल से हटाने, आबादी के विस्फोट को रोकने के साथ जन जन तक लोक कल्याणकारी कार्यों को पहुँचाने के लिए यह बहुत जरूरी है की प्रत्येक व्यक्ति साक्षर हो। यह किसी देश को तरक्की और विकास के रास्ते पर ले जाने की बुनियाद है।

हम साक्षर व्यक्ति को रोजी रोटी की सुविधा सुलभ करा कर देश से निरक्षरता के अँधेरे को भगा सकते है। हालाँकि केंद्र और राज्य सरकारें विभिन्न स्तरों पर कौशल विकास के कार्यक्रम संचालित कर रही है मगर जब तक ऐसे व्यक्ति अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे तब तक साक्षरता अभियान को पूर्ण रूप से सफल नहीं माना जा सकता।

साक्षरता लोगों में उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता लाकर सामाजिक विकास का आधार बन सकती है। इसका सामाजिक एवं आर्थिक विकास से गहरा संबंध है। गरीबी उन्मूलन में इसका महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। महिलाओं एवं पुरुषों के बीच समानता के लिए जरूरी है कि महिलाएं भी साक्षर बनें। जीने के लिये खाने की तरह ही साक्षरता भी महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाने का उद्देश्य व्यक्ति, समुदाय तथा समाज के हर वर्ग को साक्षरता का महत्व बताकर उन्हें साक्षर करना है।

डॉ. मोनिका ओझा खत्री
जयपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 8 सितम्बर, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, श्रवण नक्षत्र दिन 1:46 तक, अतिगंड योग रात्रि 9:40 तक, कौलव करण दिन 10:34 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:39 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 1:46 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, गोत्रि रात्रि व्रत आरम्भ है। पंचक रात्रि 12:39 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:46 तक, लाभ-अमृत 12:25 से 3:30 तक, शुभ 5:03 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:07, सूर्यास्त 6:51

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी और व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को आज और सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले सुसंदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्य में विलम्ब होने का भय रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कुंभ
व्यक्तिगत कार्यों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार सम्पन्न हो सकते हैं।

मंदिर जीर्णोद्धार रुकवाने से आक्रोशित लोगों ने किया आवासन कार्यालय का घेराव

विधायक अशोक लाहोटी ने कमिश्नर पवन अरोड़ा को ज्ञापन सौंप जताई नाराजगी

– कार्यालय संवाददाता –

जयपुर। एसएफएस मानसरोवर में माली समाज की जमीन पर बने मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर स्थानीय लोगों और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों के बीच तनातनी का माहौल बन गया है। बुधवार को सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने मानसरोवर जोन कार्यालय पर प्रदर्शन कर हाउसिंग बोर्ड के खिलाफ आक्रोश जताया। इसके बाद आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा को ज्ञापन भी सौंपा। जिस पर अरोड़ा ने उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

- **एसएफएस मानसरोवर में माली समाज की निजी जमीन पर बने मंदिर के जीर्णोद्धार को आवासन उपायुक्त द्वारा बंद कराने को लेकर थी नाराजगी**

सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी (बीच में) के नेतृत्व में लोगों ने आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की।

विधायक अशोक लाहोटी ने बताया कि एसएफएस मानसरोवर में माली समाज का खुद की निजी जमीन पर मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर का एसएफएस विकास समिति व स्थानीय निवासियों द्वारा जीर्णोद्धार किया जा रहा था, लेकिन हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने इस मंदिर को सड़क किनारे बताकर इसका जीर्णोद्धार कार्य रुकवाकर वहां गार्ड बैठा दिया। यही नहीं स्थानीय निवासियों व समिति के पदाधिकारियों के खिलाफ थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई गई।

विधायक अशोक लाहोटी ने बताया कि बताया कि मंदिर जीर्णोद्धार कर रहे लोगों ने पहले से ही उप आवासन उपायुक्त, मानसरोवर को पुराने मंदिर के फोटोग्राफ्स भी उपलब्ध करवा दिए गए थे। इसके बावजूद भी उप आवासन उपायुक्त ने स्थानीय लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज करवा दी गई, जो कि हिन्दू समाज की आस्था पर जबरन कुठाराघात है।

विधायक अशोक लाहोटी ने बताया कि बताया कि राज्य सरकार के इशारों पर सरकारी एजेंसियों द्वारा जगह-जगह हिंदू मंदिरों के मामले में जो तुष्टिकरण का रवैया अपनाया गया है। उसको हिन्दू समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। इस दौरान नगर निगम जयपुर के चेयरमैन अभय पुरोहित, भारती लख्यानी, विकास समिति के हरीसिंह नाथावत, पूर्व चेयरमैन मुकेश लख्यानी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

मोबाइल छीनने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर,(कासं)। राजधानी की संजय सर्किल थाना पुलिस ने राहगीरों से मोबाइल छीनने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी नोर्थ परिस देशमुख ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी जासीम अंसारी उर्फ हसन बेला सीतामढ़ी बिहार हाल सुदामापुरी पेंटर कॉलोनी शास्त्री नगर और नितिन तोपखाने का रास्ता कोतवाली का रहने वाला हैं। पुलिस ने बताया कि जयपुर क्षेत्र में मोबाइल स्नेचिंग और लूट की बढ़ती वारदातों को देखते हुए एडिशनल डीसीपी उत्तर धर्मेन्द्र सिंह सागर, एसीपी सुरेश सांखला और थानाधिकारी मोहम्मद शफीक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। पुलिस ने बताया कि संजय सर्किल थाना क्षेत्र में 4 सितंबर को सब्जी मंडी पावर हाऊस के पास एक व्यक्ति से मोबाइल छीनने की वारदात हुई थी। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। पुलिस ने दो लोगों को चिन्हित कर आरोपी जासीम अंसारी और नितिन को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीस मोबाइल बरामद कर लिए। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने चांदपोल के आस-पास ही तीस से अधिक वारदातों को अंजाम दिया हैं।

सार-समाचार

धमकी देने वाले के खिलाफ एफआईआर के आदेश

जयपुर, (कासं)। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट क्रम-9 महानगर द्वितीय ने पूर्व सैनिक को जान से मारने की धमकी देने वाले शेखावाटी आईवीएफ सेंटर निवासी सर्वेश शरण जोशी के खिलाफ विद्याधर नगर पुलिस को एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश विक्रम महेन्द्र पारीक के परिवाद पर दिए। परिवाद में कहा गया कि परिवादी गत 26 जून को पारिवारिक कार्यक्रम में जाने के लिए अपनी बेटी के साथ फ्लैट से नीचे उतर रहा था। इस दौरान उसके मोबाइल पर सर्वेश शरण का फोन आया। परिवाद में कहा गया कि सर्वेश शरण ने परिवादी के साथ गाली गलौच की और जान से मारने की धमकी दी। वहीं घटना के अगले दिन परिवादी घर से बाहर निकला तो कुछ अनजान लोगों ने उसका पीछा किया। परिवाद में कहा गया कि डॉ. सर्वेश शरण रिवॉल्वर रखता है और गुंडा किस्म का व्यक्ति है। परिवादी को विश्वास है कि सर्वेश शरण उसे जान से मरवा सकता है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सर्वेश शरण के खिलाफ मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर, (कासं)। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने दो नाबालिगों का अपहरण करने और एक पीडिता के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त अमित शर्मा को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख 90 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है। सुनवाई के दौरान पीडिता अपने बयानों से पक्षद्रोही हुई हैं, लेकिन डीएनए रिपोर्ट से साबित है कि अभियुक्त ने एक पीडिता के साथ दुष्कर्म किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 4 जून 2020 को पीडित पक्ष की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

ई-मेल से नोटिस तामील के आदेश

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2021 के विवादित प्रश्नों से जुड़े मामले में कहा है कि एकलपीठ में याचिकाकर्ता रहे अभ्यर्थियों पर आरपीएससी ई-मेल के जरिए नोटिस तामील कराए। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश आरपीएससी की अपील पर दिए। सुनवाई के दौरान अदालत ने हाईकोर्ट में भर्ती से जुड़े मुकदमों की संख्या पर भी चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि विभिन्न भर्तियों से जुड़े याचिकाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए लगता है कि अब अलग से विशेष बेंच गठित करनी पडेगी।

छेड़छाड़ करने वाले पिता को सजा

जयपुर, (कासं)। जिले की पॉक्सो अदालत ने दस साल की बेटी से छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त पिता को पांच साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 53 वर्षीय इस अभियुक्त पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता की मां ने 25 मई 2019 को कोटपूतली थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

वांछित अपराधी पर इनाम की घोषणा

जयपुर। माणक चौक थाने में दर्ज धोखाधडी के मामले में वांछित चल रहे अपराधी पर तीन हजार रूपए इनाम की घोषणा की गई है। डीसीपी नॉर्थ परिस देशमुख ने बताया धोखाधडी के मामले में वांछित आरोपी पराग अग्रवाल निवासी शांति नगर वारदात के बाद से फरार चल रहा हैं। काफी प्रयासों के बावजूद भी अभी तक आरोपित नहीं मिला है। आरोपी पराग अग्रवाल की सही सूचना देने वाले किसी भी व्यक्ति को तीन हजार रूपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार वितरण के संबंध में अन्तिम निर्णय पुलिस उपायुक्त उत्तर जयपुर का होगा।

विवाहिता ने की आत्महत्या

जयपुर। राजधानी के बजाज नगर इलाके में एक विवाहिता ने आत्महत्या कर ली। मृतका के भाई ने उसके पति और जेठ पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया मृतका अंजू रेवाडिया (35) की करीब 10 साल पहले बरकत नगर निवासी डॉ. अजीत से शादी हुई थी। दोनों की सात साल की बच्ची है। 5 सितंबर की रात अंजू ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। तबियत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां कुछ घंटे बाद ही इलाज के दौरान अंजू की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया। मृतका के भाई इंद्र कुमार का आरोप है कि डॉ. अजीत के उसकी भाभी से अवैध संबंध थे, जिसकी वजह से अजीत और उसके भाई प्रह्लाद ने अंजू को प्रताड़ित किया। इससे तंग आकर अंजू ने आत्महत्या कर ली। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

बस पलटने से एक दर्जन लोग घायल

जयपुर। बस्सी थाना इलाके में सुबह सवारियों से भरी बस असंतुलित होकर पलट गई। बस में सवार 1 दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। छह गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। बस पलटने की सूचना पर खो नागोरियान थाना पुलिस, ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस और बस्सी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि लालसोट से जयपुर आ रही बस में करीब 30 से अधिक लोग सवार थे। आगरा रोड पर खानिया के पास बस डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इस दौरान बस में सवार एक दर्जन से अधिक लोगों को चोटे आई। छह घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनकी हालत खतरे से बाहर है। वहीं, छह गंभीर घायलों को 108 की मदद से एसएमएस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि खानिया के पास से बस निकल रही थी इसी दौरान एकाएक बस चालक ने बस को डिवाइडर पर चढ़ा दिया।

बिना नोटिस तोड़फोड़ मामले में कोटपुतली नगर परिषद ने जवाब पेश किया

यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में कोटपूतली शहर में सरदार विद्यालय सड़क को चौड़ा करने की आड़ में कई मकानों व दुकानों को बिना नोटिस दिये तथा बिना आपत्तियां मांगे तोड़-फोड़ करने के मामले में बुधवार को कोटपूतली नगर परिषद की ओर से जवाब पेश किया गया। इस मामले में गत महीने की 27 तारीख को अदालत ने कोटपूतली नगर परिषद से जवाब तलब किया था कि क्या उसने न्याय प्रक्रिया के अनुसार सरदार विद्यालय सड़क को चौड़ा करने से पहले वहां आसपास रह रहे दुकान मालिकों की आपत्तियां सुनकर तथा जमीन अवाप्त करने के बाद ही दुकानों व मकानों को तोड़ने की कार्रवाही को अंजाम दिया है?

- **कोटपूतली नगर परिषद की ओर से हाईकोर्ट में जवाब में कहा कि उनसे 5 जनवरी को आपत्तियां आमंत्रित की थी और अप्रेल में अतिक्रमणों को हटाने का फैसला लिया था, परंतु अपने जवाब में नोटिस और कार्यवाही करने के लिये आयोजित मीटिंग के मिनट्स तथा आदेश के दस्तावेज संलग्न नहीं किये हैं**

नगर परिषद ने अपने जवाब में कहा है कि उन्होंने 5 जनवरी को सभी जमीन मालिकों तथा दुकानदारों से आपत्तियां आमंत्रित की थी। जवाब में आगे कहा गया है कि अप्रेल महीने में नगर परिषद के अधिकारियों ने फैसला लिया था कि वह अतिक्रमणों को हटायेगी। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि नगर परिषद ने किस नोटिस के तहत आपत्तियां आमंत्रित की थी तथा इस संदर्भ में जो फैसला लिया था। उस फैसले तथा मीटिंग के दस्तावेज अपने जवाब के साथ संलग्न नहीं किया हैं।

याचिकाकर्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नगर परिषद में 22 अप्रेल को सामान्य सभा बुलाई थी, जिसमें तथाकथित रूप से नगर परिषद ने दुकानों और भूखंडों को तोड़ने का फैसला लिया था। उन्होंने आगे कहा कि इस बैठक की जानकारी किसी भी संबंधित पार्टी को दी गई थी और न ही आपत्तियां सुनी गई थीं। इसीलिये नगर परिषद ने इस बैठक के कोई दस्तावेज जवाब के साथ संलग्न नहीं किये हैं। बुधवार को इस मामले में अदालत में सुनवाई नहीं हो पाई और यह मामला 14 सितम्बर को सुनवाई के लिये सूचीबद्ध है।

अदालत के समक्ष ही बहस के दौरान यह स्पष्ट हो पायेगा कि कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप ही नगर परिषद ने सभी भू मालिकों और दुकानदारों को नोटिस दिया था और आपत्तियां भी बुलाई थी या नहीं।

नशा मुक्त राजस्थान के लिए तीन अहम निर्णय

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान को नशा मुक्त बनाने के लिए अहम निर्णय लिए हैं। उन्होंने प्रदेश में नशीली दवाओं के दुरूपयोग रोकने, नशा पीड़ितों के पुनर्वास एवं जनजागरूकता फैलाने सहित विभिन्न कार्यों के लिए 'नशा मुक्त राजस्थान निदेशालय/ आयुक्तालय', 'एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स' (एएनटीएफ) तथा 'एंटी नारकोटिक्स यूनिट' (एएनयू) के गठन हेतु प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है।

नशे की बढ़ती समस्या को खत्म करने सहित कई कार्यों के लिए नशा मुक्त राजस्थान निदेशालय /आयुक्तालय का गठन किया जा रहा है। इसमें आयुक्त पदेन शासन सचिव, गृह को नियुक्त किया गया है। इस क्षेत्र में कार्य कर रही स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि व मनोचिकित्सक, मनोविज्ञानी आदि को सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाएगा। साथ ही चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, आबकारी, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, पुलिस विभाग, राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के अधिकारी/कर्मचारी शामिल किए जाएंगे।

एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह की अध्यक्षता में किया गया है। इसमें अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एएनयू को सदस्य सचिव बनाया गया है। इस फोर्स में 10 सदस्य होंगे। वहीं मादक पदार्थों और नशीली दवाओं की रोकथाम के लिए एसओजी में महानिरीक्षक पुलिस की अध्यक्षता में एंटी नारकोटिक्स यूनिट (एएनयू) का गठन किया जा रहा है। यह मुख्यत: एंटी नारकोटिक्स एनफोर्समेंट का कार्य करेगी।

पीएन भण्डारी की पुस्तक पर चर्चा शनिवार को

जयपुर, (निसं)। हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान में 10 सितम्बर को आरएसईबी के पूर्व अध्यक्ष एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी पीएन भण्डारी द्वारा लिखित पुस्तक 'कमिटमेंट एण्ड क्रियेटिविटी' पर बुक टॉक का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम एचसीएम रीपा द्वारा आईएएस ऐसोसिएशन तथा एआईएस पेंशनर्स ऐसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का समय प्रात: 10:45 बजे रहेगा। आईएएस एसोसिएशन की साहित्यिक सचिव मुग्धा सिन्हा ने बताया कि मुख्य सचिव उषा शर्मा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगी तथा पूर्व मुख्य सचिव अरुण कुमार कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि यह बतौर आईएएस लेखक के संस्मरणों पर आधारित पुस्तक है। बुक टॉक में पुस्तक पर विशेष तौर पर सेवानिवृत आईएएस बीएल शर्मा चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आईएएस अधिकारियों के अतिरिक्त साहित्य से जुड़े गणमान्य व्यक्ति भी भाग लेंगे।

ताड़केश्वर मंदिर में पायलट के जन्मदिन पर हवन-पूजन व जलाभिषेक किया

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान सरकार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन के अवसर पर जयपुर में गुरुवार को हवन पूजन एवं जलाभिषेक किया गया।

आचार्य पं. दिनेश शर्मा के आचार्यत्व में ताड़केश्वर मंदिर में जलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर सचिन पायलट दीर्घायु, यशस्वी जीवन हो और अपने लक्ष्य में सफल हो इस कामना के साथ विधि विधान से 11 विद्वान पंडितों ने भगवान शिव का वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ पंच विधि से शिव अभिषेक किया। इसके पश्चात सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता पं. सुरेश मिश्रा ने सपत्नीक नीलम मिश्रा ने यज्ञ प्रारम्भ किया और भगवान से प्रार्थना की कि सचिन पायलट जीवन में आगे बढे।

- **सैकड़ों लोगों ने सचिन पायलट के जन्मदिन की मंगल कामना की**

सचिन पायलट के जन्मदिन पर ताड़केश्वर मंदिर में पं. सुरेश मिश्रा ने सपत्नीक यज्ञ किया।

इस अवसर पर विप्र कल्याण बोर्ड के चेयरमैन महेश शर्मा, पार्षद मुकेश शर्मा, धर्म सिंह सिंघानिया, संस्कृति युवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष गौरव धामाणी, सर्व ब्राह्मण महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव आचार्य पवन शर्मा, उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश शर्मा, जयपुर शहर युवाअध्यक्ष अविकुल शर्मा, दाधीच समाज के अध्यक्ष राघव शर्मा,विजय भास्कर, अशोक शर्मा, विक्रम स्वामी, घोड़ा निकास रोड व्यापार मण्डल के अध्यक्ष गुलाब चंद श्रीमाल, गायत्री परिवार से रामराय शर्मा, राजेन्द्र जैन, मेघराज शर्मा, दीपक धीर, दीपक गोठवाल, अशोक शर्मा, रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस.पी. कंसल सहित सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

गर्भवती महिला की संदिग्ध मौत

जयपुर। राजधानी के आदर्श नगर इलाके में एक गर्भवती महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज़ हत्या का मामला दर्ज कराया है।

पुलिस ने बताया मृतका आरती हरिजन (23) की करीब आठ माह पहले अबू कॉलोनी निवासी तरुण से शादी हुई थी। फ़िलहाल वह पांच माह की गर्भवती थी। वह ससुराल में तीसरी मंजिल स्थित कमरे में रहती थी। मंगलवार सुबह उसका शव कमरे के बाहर संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बुधवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के हवाले कर दिया। वही, मृतका के भाई महेश नगर निवासी राहुल ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज़ हत्या का मामला दर्ज कराया है।

सीनियर रेजिडेंटशिप के लिए सेवारत चिकित्सकों को क्यों माना अपात्र

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीनियर रेजीडेंटशिप के लिए सेवारत चिकित्सकों को अपात्र मानने पर प्रमुख चिकित्सा शिक्षा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक सहित अन्य से जवाब मांगा है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं के ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करने को कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल ने यह आदेश डॉ. जीवन चौधरी व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि याचिकाकर्ता सेवारत चिकित्सक हैं और असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए उनका सीनियर रेजीडेंट शिप करना जरूरी है। वहीं राज्य सरकार ने गत 12 जुलाई व बाद में जारी नोटिफिकेशन के आधार पर केवल गैर सेवारत अभ्यर्थियों को ही सीनियर रेजीडेंटशिप करने के लिए पात्र माना।

याचिका में कहा गया कि नेशनल मेडिकल कमीशन के गत 14 फरवरी के परिपत्र के तहत सेवारत चिकित्सक भी इसके लिए पात्र हैं। इसके अलावा यदि याचिकाकर्ताओं ने सीनियर रेजीडेंट शिप की योग्यता अर्जित नहीं की तो वे असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं हो सकेंगे। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के आवेदन स्वीकार करने के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, छह बाइक बरामद

जयपुर। डीएसटी और जवाहर नगर थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की छह बाइक बरामद की हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने गैस सिलेण्डर चोरी की एक दर्जन वारदात भी कबूली हैं। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर अन्य जानकारियां जुटा रही है।

- **पुलिस पूछताछ में आरोपी ने गैस सिलेण्डर चोरी की एक दर्जन वारदात भी कबूली हैं।**
- **आरोपी से पूछताछ कर अन्य जानकारियां जुटाई जा रही है।**

डीसीपी ईस्ट डॉ. राजीव पचार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शाहिद मोहम्मद उर्फ आमिर (23) रहमान कॉलोनी मानबाग जयसिंहपुरा खोर हाल खानाबदोश खानिया बंधा गोनेर रोड का रहने वाला हैं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में जवाहर नगर निवासी ब्रजेश कुमार स्वर्णकार ने थाने में मामला दर्ज करवाया था। जिसमें बताया कि 12 अगस्त को नीलकंठ महादेव में पूजा करने के लिए गया था। पीछे से उसकी बाइक चोरी हो गई। इस पर पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों और मुखबिर की सूचना पर आरोपी की पहचान कर शाहिद मोहम्मद उर्फ आमिर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 6 बाइक बरामद कर ली।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शाहिद शातिर किस्म का बदमाश है। पूछताछ में उसने बस्सी, कानोता, खोह नागोरियान, जवाहर नगर, मालवीय नगर और जयपुर शहर के अन्य विभिन्न स्थानों से करीब एक दर्जन बाइक चोरी तथा थाना खोह नागोरियान के क्षेत्र से गैस सिलेण्डर की चोरी की वारदात करना स्वीकार कर लिया। पुलिस पकडे गए आरोपी से चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही हैं।

लूट का मास्टरमाइंड मुनीम तीन दिन के रिमांड पर

जयपुर , (कासं)। राजधानी के करणी विहार इलाके में अग्रवाल वुड्स के गोदाम में टिंबर कारोबारी विवेक सरावगी के साथ 15.48 लाख की लूट की साजिश रचने वाले मुनीम को ओमप्रकाश गुर्जर को पुलिस ने बुधवार को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस गिरफ्त में आए बदमाश महेश मीणा उर्फ़ भोलू, विजय मीणा और रवि सोनी को जेल भेज दिया गया है। आज पीड़ित व्यापारी से जेल में आरोपियों की शिनाख्त करवाई जाएगी। इधर पुलिस ने वारदात में शामिल अन्य दो बदमाशों की तलाश के लिए टीमें रवाना की गई है।

सस्नेह संस्मरण

श्रीमती रति चतुर्वेदी

(12.1.67 - 6.09.2022)

पुत्री स्व. श्री वाचस्पति शर्मा एवं विमला शर्मा

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है हमारी प्रिय रति चतुर्वेदी का 6 सितम्बर 2022 को स्वर्गवास हो गया है।

वे बेहद दयालु, संवेदनशील विनम्र व्यक्तित्व की स्वामिनी थीं और खुशनुमा व स्नेह पूर्ण स्वभाव से सभी की प्रिय थीं। काल के क्रूर हाथों ने उन्हें असमय ही हम सबसे छीन लिया। उनके कोमल हृदय को हम कभी नहीं भूल पाएंगे, जिसमें सभी परिजनों के लिए भरपूर स्नेह था। हम आपको कभी नहीं भूलेंगे और आपकी यादों को संजोए रखेंगे।

विनय कृष्ण चतुर्वेदी, तुफैल (पति)
श्रीमंत चतुर्वेदी (पुत्र)

शोक संतप्त
राष्ट्रदूत परिवार

International Literacy Day

In an age of enlightenment, technology and modern living, it's amazing that it has been estimated that nearly 800 million adults worldwide lack even the most basic literacy skills. International Literacy Day aims to highlight the importance and value of literary education for individuals and groups, as well as providing benefits for the wider global culture.Head to the library, volunteer for an event, or donate books or money to help improve the world's ability to read and give people better opportunities in life.

#FOODFESTIVALS

Indulge In Culinary Delights

From the flavours of Japan to the delicacies of Punjab and Mumbai, there is a lot on offer for the foodies of Pink City this month.

Punjab Di Mehek at Holiday Inn Jaipur.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

The month of September is indeed a delicious one for the gastronomes of Pink City. A plethora of food festivals and special curations are taking place in the hotels around the city where foodies can sample both global delicacies as well as cuisines from different regions of the country. Here are some food festivals and promotions you can try to satisfy your culinary cravings:

Tonkatsu and Tempura: Comfort food of Japan

For those who love Japanese food or are looking to try out a new cuisine, House of Han at Crowne Plaza is holding a Tonkatsu and Tempura special menu for their guests. While Tonkatsu is essentially a Japanese dish that consists of a breaded, deep-fried pork cutlet, Tempura is a typical Japanese dish usually consisting of seafood, meat and vegetables that have been battered and deep fried. "Tonkatsu and Tempura is a combo meal and it is a unique concept in Jaipur. For those who love experimenting with their food and especially like Japanese, must try these delicacies. There are options for both vegetarians as well as non-vegetarians", says Chef Naresh Sharma of House of Han.

For vegetarians, there is Tofu Vegetable Katsu Curry, Kinoko Tempura (Deep fried mixed exotic mushroom) as well as the Tokyo Tempura (Kabocha, bell peppers, lotus root and sweet potato). Prawn and crab tempura is a must-try for those who love sea food. If you are a non-vegetarian like me who does not want relish pork, there is chicken katsu too. Tender and succulent chicken pieces coated in a crispy batter and served with sticky rice and a thick and rich gravy that is not heavy or spicy, makes it a bowl synonymous with comfort. What stands out about the katsu curry is that it is made in-house from scratch and is not bought off the store shelves.

Tempura.

Tonkatsu.

While you're there also try their dessert options -fried ice cream, crème brulee as well as chocolate spring rolls. The chocolate spring rolls and fried ice cream do sound absurd at first but they are worth giving a try. The crunch, warmth and sweetness are just the right amount. While the distance of the hotel from the city center may seem a bit much but the food more than compensates for the long drive.

When: September 4 - September 13, 7.30 pm to 11.30 pm
Where: House of Han, Crowne Plaza

Vada Pav: The quintessential street Food of Mumbai

Street food from Mumbai at Jaipur Marriott.

Looking at the rainy season, Hotel Jaipur Marriott decided to bring the vibe and taste of the streets of Mumbai to Jaipur. "Cutting chai, vada pav, samosa pao and dabeli are some popular street foods of Mumbai that are loved by everyone. So we decided to bring them to the Pink City as well", says Executive Chef of Jaipur Marriott, Jatinder Dhaliwal. The chai and snacks are made fresh during the evening tea hours every day. They are served with a wide assortment of chutneys and condiments. Thelas (carts) have been used to give the authentic feel in a modern coffee shop.

When: September 5 - September 30, 4 pm to 7 pm
Where: Jaipur Baking Company, Jaipur Marriott

Punjab Di Mehek

The culinary chronicles of Punjab are coming alive in the Pink City as a food festival 'Punjab Di Mehek' is currently ongoing at Hotel Holiday Inn's Monarch restaurant. From the mandatory lassi to Amritsari chole kulche, butter chicken, sarson ka saag and makke ki roti to pinnis, doda barfi and gud ki barfi for dessert, there are a wide array of Punjabi delicacies available at the festival.

"I did my course in hotel management from IHM Gurdaspur which is in Punjab. I also worked in Ludhiana for four years and I have used my experience with the food there to curate this festival and bring the delicacies of Amritsar and Ludhiana to Jaipur", says Executive Chef of Hotel Holiday Inn, Raj Kumar.

The ambience of the hotel has also been amped up with colourful pin wheels, khaats and accessories to give the vibe of the rural bylanes of Punjab.

When: 2 September to 11 September, 7 pm to 11 pm
Where: Monarch, Hotel Holiday Inn

The Baby is Coming!!

#DELIGHTS

In the present day scenario the new-born is examined with care by the paediatrician to look for any abnormalities. Some of them, like obvious limb defects, are there for all to see but jaundice, heart and spine defects have to be looked for. One cannot forget the late 1970's when a sedative (Thalidomide -now banned) prescribed to German women lead to the birth of a huge number of babies without any limbs. Often breathing problems due to poorly developed lungs and breathing passages require assistance through a ventilator to tide over the early days. Similarly it is quite frightening to suddenly realise that the defects (narrowing or abnormal connection between the trachea and the gullet) in the food passages may require urgent surgical procedures. Even a normal looking child may show changes later due to complications during the delivery. Particularly lack of oxygen may lead to brain damage and cerebral palsy. Such babies survive long and need special and expensive care. The umbilical cord around the neck of the baby has been known to be the cause of death of healthy babies too. Twin or multiple deliveries have their own issues. Diabetic mothers tend to have large babies and may need Caesarean section.

Dr Goutam Sen
*CTVS Surgeon
Traveller
Story teller*

One of the most memorable moments in a married life is when we are given the news of the impending arrival of another member in our family. After the initial shared joys a new way of living is begun. Most of our action will now become tempered with the anticipation of the baby's arrival. All those habits of going out for drinks and dinner are now measured and reduced to as infrequent as possible. A healthy life as advised by the elders becomes the norm. Even the lazy people start a regular exercise and the food too becomes different. Suddenly healthy eating and drinking becomes the rule. The husband finds himself worrying about the future. Up to now money came and went. Now the additional expenses are listed and some funds are kept aside for the future. Smoking cigarettes and drinking alcohol are an absolute 'No-No' for the mother and the husband too is encouraged to do the same.

The doctor's appointments are marked with a red pencil on the calendar and 'hubby darling' is repeatedly reminded that he too should be there. The entire doctor's advices are carefully noted. The first ultrasound of the baby is a big letter day. When you see for the first time the well-formed tiny limbs of the foetus a surge of love overflows. A coloured print is now framed and put on the bedside table as the first picture. Sometimes some unclear findings require re-examination and a special search is made for any malformations and defect. If there is a family history particular care is taken to identify these as early as possible. At times this in addition to amniotic fluid study will determine whether the pregnancy should be allowed to continue. Of course, the law does not permit a sex determination and so that remains a surprise till the end. Huge discussions take place about the colour of the baby's clothes (Pink or Blue?- a very western concept!). Not only that, the colour theme of the nursery becomes a huge part of the discussion late at night when the baby is restless and kicking around like Junior Ronaldo.

Prenatal Classes

Both parents are advised to attend prenatal classes. Breathing exercises and muscle toning takes up some time. Husbands are trained to be able to support the spouse during the delivery. There are vaccines and vitamins to be taken. The anaemia is to be regulated. The blood pressure tends to shoot up in the last semester of the pregnancy. The doctor's visits become more frequent. Lot of time is spent making lists of names from which the one chosen should be not only acceptable to the mother and father but also to the extended family. Sometimes the name chosen is unique and needs to be explained to all others -it may be another name for the sun, moon and flower. Care is taken that it should not be distorted at school and must be easy to yell from a distance.

The last few days are to be prepared for. Where the delivery is to be conducted is discussed threadbare. Will it be at the maternal home? Will it be at the hospital? Or will it be in that special luxury suite where you stay and the labour too is conducted. That costs a pretty penny but some think it is money well spent. A small suitcase is packed with all the anticipated requirements of the new arrival. It has to be taken to the hospital. There are special numbers that are put on the speed dial. The car is always fully spruced for the ride to the hospital. Even standby vehicles are kept ready. It is quite amazing how the most intelligent also become dumb and the limbs become numb when the time comes! Despite all the planning, it is quite often that in the rush to get to the hospital some important item is forgotten!

The first cry of the baby is huge moment of joy!

Modern Parents

Once the baby arrives there is always the curiosity about the sex followed by the assessment of the wellbeing of the mother and child. I can never forget the film 'Khamoshi' where both the parents are deaf mute and they are ever so afraid that their child would be the same. There is that moving scene where they tinkle a bell near the baby's ears to see the response. Their fear turns into joy when the child responds to the bell.

In the present day scenario the new-born is examined with care by the paediatrician to look for any abnormalities. Some of them, like obvious limb defects, are there for all to see but jaundice, heart and spine defects have to be looked for. One cannot forget the late 1970's when a sedative (Thalidomide -now banned) prescribed to German women lead to the birth of a huge number of babies without any limbs. Often breathing problems due to poorly developed lungs and breathing passages require assistance through a ventilator to tide over the early days. Similarly it is quite frightening to suddenly realise that the defects (narrowing or abnormal connection between the trachea and the gullet) in the food passages may require urgent surgical procedures. Even a normal looking child may show changes later due to complications during the delivery. Particularly lack of oxygen may lead to brain damage and cerebral palsy. Such babies survive long and need special and expensive care. The umbilical cord around the neck of the baby has been known to be the cause of death of healthy babies too. Twin or multiple deliveries have their own issues. Diabetic mothers tend to have large babies and may need Caesarean section.

Once the new-born has arrived there is a huge amount of adjustment that is required in the household. In the present day unit families the role of the husband in child care is much more than otherwise. In fact, from feeding and changing diapers there are many more aspects of care that will become a part of shared parental roles. Even if grandparents are there the modern parents find many of the old methods of care unsatisfactory. There is always a certain amount of disagreement between the two generations about how the baby is to be cared for. No water to be given for the first six months to a breast fed baby is so confusing to the older generation! Even the gripe water bottle is forbidden! No salt or sweets when solids are started are some of the new rules of infant care.

As the child grows there are some unusual issues that may puzzle the parents. It has been reported that when the parents have linguistic differences (eg. Mother Bengali and Father Punjabi). The baby gets confused although it fully understands what is said. This may result in delayed speech. Boys have been known to speak later than girls of the same age. There may be other causes of speech delay. Genetic predisposition is seen in a family of late talkers. Children speak earlier if the parents talk to each other more often. In children with hearing defects speech gets delayed. If there is a suspicion of hearing loss an early assessment will lead to better outcomes. Local abnormalities like a cleft lip or palate may affect the phonation of the baby. A lisp or stutter has to be corrected. An interesting cause for delayed speech is lack of motivation.

Once the new-born has arrived there is a huge amount of adjustment that is required in the household. In the present day unit families the role of the husband in child care is much more than otherwise. In fact, from feeding and changing diapers there are many more aspects of care that will become a part of shared parental roles.

Parentese

If a baby is given things even before they are asked for he will feel little need to express the desire or show anger or frustration. Such children often end up having tantrums. Too many toys or gadgets also delay the speech. The child needs real people to interact to encourage speaking. Often Alexa will confuse them. Baby talk may sound good but encourages the baby to talk in the same copycat manner. It is advisable to speak to the baby in a normal tone and pronunciation. The new term 'parentese' has been used where the baby is spoken to with various intonations. Over worked parents often speak less. A child needs to hear and be spoken to. They learn by repeating what they have heard.

Lastly if there is tension in the family the child is very perceptive and may become quiet or delay in speaking. Raised voices and angry tones discourage a baby from speaking.

For good results: Sing and talk to a child. Begin with simple words and avoid baby talk. Even while not talking directly to the baby it is often a good idea to include the baby in the conversation. Pick up a sari and say aloud - This is my sari! Look at the colour. If there is more than one language spoken in the household try and speak to the baby in one language. Reading a book and showing pictures and giving the names to the figures encourages the baby to speak and also read much earlier. Often the baby will have a pronunciation which will be different from the actual name because of the inability to speak a particular letter. Just a gentle and repeated correction helps to bring about the proper speech.

Finally it must be remembered that the in the first few years of a child's life the speed at which knowledge is gathered is much faster than later ages. Correct practices learnt in early childhood continue in later life. Children who are allowed to be disruptive or destructive will continue to be the same if their antics are not nipped in the bud. The present day practice of NOT saying 'NO' has to be tempered with much patience and proper diversion.

writetoarbit@rashtradoot.com

#MEDICATION

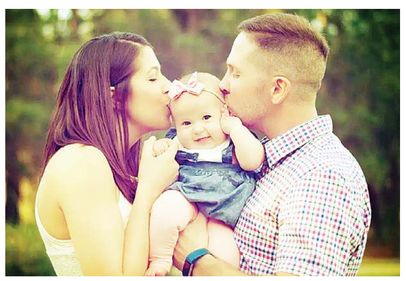

Posture Matters In How You Take Pills

If you're aiming a pill for this part of the stomach, posture is critical to play into both gravity and the natural asymmetry of the stomach.

When you have a headache and reach for the pain reliever, keep this in mind: posture can make a big difference-as much as an hour longer-in how fast your body absorbs the medicine.

The findings are based on what's thought to be the first model to simulate the mechanics of drug dissolution on a human stomach.

"We were very surprised that posture had such an immense effect on the dissolution rate of a pill," says study senior author Rajat Mittal, an engineer at Johns Hopkins University and an expert in fluid dynamics. "I never thought about whether I was doing it right or wrong but now I'll definitely think about it every time I take a pill."

In recent years models have been created to authentically represent the workings of several major organs, notably the heart. The team's new model, called StomachSim, appears to be one of the first to be able to conduct realistic simulation of the human stomach. Blending physics with biomechanics and fluid mechanics, StomachSim mimics what happening inside a stomach as it digests food, or in this case, medicine.

Most pills do not start working until the stomach ejects their contents into the intestine. So the closer a pill lands to the last part of the stomach, the antrum, the faster it starts to dissolve and empty its contents through the pylorus into the duodenum, the first part of the small intestine.

If you're aiming a pill for this part of the stomach, posture is critical to play into both gravity and the natural asymmetry of the stomach.

The team tested four postures. Taking pills while lying on the right side was by far the best, sending pills into the deepest part of the stomach to achieve a dissolution rate 2.3 times faster than even an upright posture. Lying on the left side was the worst. The team was very surprised to find that if a pill takes 10 minutes to dissolve on the right side, it could take 23 minutes to dissolve in an upright posture and over 100 minutes when laying on the left side.

"For elderly, sedentary, or bedridden people, whether they're turning to left or to the right can have a huge impact," Mittal says.

Standing upright was a decent second choice, essentially tied in effectiveness with lying straight back.

The team also considered what stomachs that aren't functioning at full strength due to gastroparesis caused by diseases such as diabetes and Parkinson's syndrome meant for pill dissolution.

Even a small change in the conditions of the stomach can lead to significant differences in the outcome of an oral drug, says lead author Jae Ho "Mike" Lee, a former postdoctoral researcher at Johns Hopkins.

The impact of stomach disease on drug dissolution was similar to that of posture-which underscores how significant a difference posture makes.

"Posture itself has such a huge impact, it's equivalent to somebody's stomach having a very significant disfunction as far as pill dissolution is concerned," Mittal says.

Future work will attempt to predict how the changes in the biomechanics of the stomach affect how the body absorbs drugs, how food is processed in the stomach and the effect of posture and gastroparesis on food digestion.

The National Science Foundation and the National Institutes of Health supported the work.

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

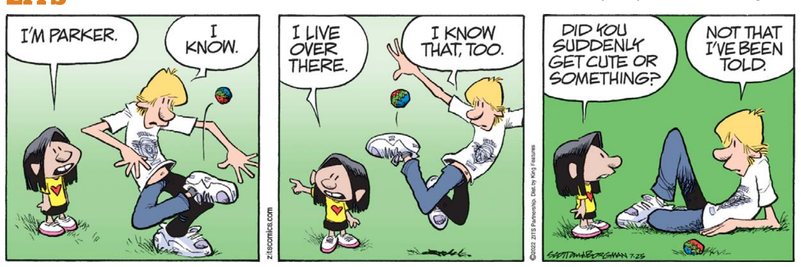

सहकारी समिति चुनाव के दो पर्चे खारिज होने के बाद मचा बवाल

देर रात को टंकी पर चढ़े ग्रामीण, सुबह 5 बजे हुआ लिखित समझौता

नोखा, (निसं)। ग्राम सेवा सहकारी समितियों के चुनाव में नामांकन दाखिल होने के साथ ही बवाल भी शुरू हो गया है। नोखा तहसील के जसरासर में 6 प्रत्याशियों के पर्चे खारिज कर दिए गए। इसे लेकर देर रात तक समर्थकों का प्रदर्शन जारी रहा। देर रात को नोखा एसडीएम स्वाति गुप्ता व सीओ भवानी सिंह मौके पर पहुंचे।

जसरासर में शाम को साढ़े पांच बजे बाद वार्ड 1 से रामेश्वरलाल जाट और वार्ड 6 से रामीदेवी का पर्चा खारिज होने के बाद यहां दोनों के समर्थकों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। रामीदेवी का पर्चा इसलिए खारिज कर दिया कि उसने अपने साथ पति की पहचान लगाई जबकि वह अपने पिता की जमीन पर रह रही है।

पर्चा रद्द होने की सूचना मिलते ही रामरतन तई के समर्थकों ने विरोध-प्रदर्शन शुरु कर दिया। इस दौरा एसडीएम नहीं आने तक लिस्ट प्रकाशन नहीं होने दिया। खारिज करने का कारण सामने आते ही ग्रामीणों ने एसडीएम के नहीं आने तक अंतिम सूची के प्रकाशन नहीं करने पर अड़ गए। नारेबाजी-प्रदर्शन का सिलसिला रात 10 बजे तक चलता रहा। रात 10 बजे एसडीएम ने जैसे ही पहले जारी सूची को सही बताया तो रामरतन तई अपने समर्थकों के साथ पानी की टंकी पर चढ़ गए। उन्होंने नारेबाजी शुरू कर दी। सुबह 5 बजे तक प्रदर्शन जारी रहा। इसके बाद प्रशासन के साथ लिखित समझौता हुआ।

- नारेबाजी प्रदर्शन का सिलसिला रात 10 बजे तक चला

जिसमें बताया कि चुनाव में निर्वाचन अधिकारी राकेश डेलू की जगह अन्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया जाएगा तथा जसरासर जीएसएस पर का चार्ज व्यवस्थापक मांगीलाल बाना के स्थान पर अन्य को दिया जाएगा। जिससे चुनाव निष्पक्ष व शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से करवाए जा सकें। इस अवसर पर नोखा तहसीलदार नरेन्द्र बापेडिया, नोखा थानाधिकारी ईश्वरप्रसाद जांगिड़, जसरासर थानाधिकारी देवीलाल जांगिड़, रिटायर्ड नायब तहसीलदार रामकिशन बिश्नोई उपस्थित रहे। जसरासर में 29 लोगों ने नामाकंन भरे, जिसमें 6 के पर्चे खारिज हो गए और 2 के अपने पर्चे उठा लिए। 21 प्रत्याशी मैदान में है जिसमें वार्ड 1 से रामेश्वरलाल जाट का पर्चा खारिज होने के बाद इस वार्ड से गन्नी खान निर्विरोध निर्वाचित हुए।

हैरोइन तस्करी का मास्टर माइंड गिरफ्तार

पंजाब का रहने वाला है आरोपी, एक महीने पहले हुए थे आठ तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीकरणपुर थाना क्षेत्र में करीब एक महीने पहले पाकिस्तान से हैरोइन की खेप लेने आए तस्करों के सरगना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस काफी समय से प्रयास कर रही थी। पुलिस तस्करों के कॉन्टेक्ट तलाश रही है। पाकिस्तान बॉर्डर से आई हैरोइन की तस्करी देश और देश के बाहर कहां तक की जाती है तथा इन्हें कौन खरीदता है, इसके बारे में पता करने का प्रयास किया जाएगा।

मामले में जांच अधिकारी पदमपुर एसएचओ रामकेश मीणा ने कार्रवाई करते हुए आरोपी नरेंद्रपाल सिंह उर्फ नब्बी को गिरफ्तार किया गया है। नब्बी श्रीकरणपुर इलाके में तस्करी के जरिए आने वाली हैरोइन की खेप लेने आए तस्करों का मुखिया है। मामले में पहले गिरफ्तार हुए आठ आरोपियों से पूछताछ के बाद से ही पुलिस नब्बी की तलाश कर रही थी। उसकी तलाश के लिए लगातार कोशिश की जा रही थी। नब्बी पंजाब के फिरोजपुर इलाके के सदर थाना क्षेत्र के गांव मदरें का रहने वाला है।

पुलिस ने चार अगस्त को श्रीकरणपुर इलाके में पाकिस्तान से आने वाली 24 किलो हैरोइन की डिलीवरी लेने आए आठ तस्करों को गिरफ्तार किया था। इन आठों तस्करों के पास एक दिल्ली नंबर की कार, मोटरसाइकिल और नौ मोबाइल फोन बरामद हुए थे। इन मोबाइल फोन में पाकिस्तान के नंबर सेव किए हुए हुए थे तथा इन नंबरों से पाकिस्तान में बात भी हुई थी। आरोपियों ने उस समय यह भी माना था कि उन्होंने करीब दो माह पहले गजसिंहपुर इलाके में तस्करी की वारदात को अंजाम दिया था। उस समय पाकिस्तान की ओर से आई दस किलो हैरोइन को वे ले गए थे। इस बार वे 24 किलो हैरोइन लेने आए और गिरफ्तार हो गए।

कोटा न्यास सचिव की गाड़ी और टेबल, कुर्सी कुर्क की

कोटा, (निसं)। भूखंड आवंटन में न्यायालय के आदेश नहीं मानने के चलते नगर विकास न्यास के सचिव की टेबल-कुर्सी और वाहन को बुधवार को कुर्क करने की कार्रवाई की गई।

जिला सत्र न्यायालय कोटा की स्पेशल सेल आमीन सविंदर कौर और अन्य कार्मिक बुधवार को नगर विकास न्यास पहुंचे। यहां सचिव राजेश जोशी की गाड़ी पर कुर्की कर नोटिस चस्पा किया । इसके साथ ही न्यायालय की टीम सचिव के चेंबर में पहुंची जहां पर कुर्सी और टेबल को भी कुर्क करना था लेकिन सचिव कुर्सी से नहीं उठे। इसके चलते न्यायालय कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मामले के अनुसार नगर विकास न्यास ने तलवंडी निवासी आनंद कुमार ने शिवपुरा स्कीम में भूखंड आवंटित किया था। जिसका कब्जा उसे नहीं मिला। इसके बाद परिवादी की मृत्यु हो गई। नगर विकास न्यास ने 20 अगस्त, 1993 को एक आदेश जारी कर आनंद कुमार के आवंटन को अवैध घोषित कर दिया। इस मामले में न्यायालय ने आनंद कुमार के परिवार को राहत देते 20 मई, 2017 को 2 माह के भीतर भूखंड की सीमा बताते हुए कब्जा देने के आदेश दिए थे। जिसमें आनंद कुमार की पत्नी हंसा, पुत्र नितिन और बेटी भावना को यह कब्जा सौंपना था।

- जिला सत्र न्यायालय कोटा की स्पेशल सेल बुधवार को नगर विकास न्यास पहुंची
- नगर विकास न्यास के सचिव की गाड़ी की कुर्की कर नोटिस चस्पा किया

साथ ही यह भी कहा था कि अगर शिवपुरा कोटा स्कीम में भूखंड उपलब्ध नहीं है तो नजदीकी अन्य स्कीम में बराबर का भूखंड उपलब्ध करवाया जाए। लेकिन नगर विकास न्यास ने इसकी पालना नहीं की। ऐसे में न्यायालय ने 27 अगस्त, 2022 को आदेश जारी करते हुए नगर विकास न्यास के सचिव राजेश जोशी के कार्यालय की टेबल-कुर्सी व सरकारी वाहन को कुर्क करने के आदेश दिए थे।

दो युवक गिरफ्तार, हथियार जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सुभाष नगर थाना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इनसे एक पिस्टल व चार कारतूस बरामद किये हैं। इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सुभाषनगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि मंगलवार को थाने पर सूचना मिली कि मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट का किसी ने वीडियो बना लिया और वे डिलीट करने की एवज में रुपए की मांग कर रहे है। इस सूचना पर पुलिस ने शिकायत कर्ताओं से बात की तो उन्होंने उक्त लोगों का हुलिया बताते हुये मामले की जानकारी दी।इसके बाद एक टीम इन लोगों की तलाश करते हुये गश्त पर निकली। आकोला रोड पर उक्त हुलिये के मुताबिक दो व्यक्ति घूमते मिले। जिन्हे पुलिस ने रोक कर पूछताछ की तो उन्होंने खुद को छापरी निवासी सांवरलाल (25) पुत्र धन्ना जाट व नंदलाल (27) पुत्र माधु तेली होना बताया। पुलिस ने संदेह के आधार पर दोनों को पकडा और तलाशी ली, जिसमे नंदलाल के पास एक पिस्टल और दो कारतूस, जबकि सांवरलाल के पास दो कारतूस मिले।

महाराणा प्रताप कृषि, प्रौद्योगिकी विवि उदयपुर और आईएमटी के मध्य करार पर हस्ताक्षर

उदयपुर, (कासं)। परम्परागत खेलो के उन्नयन हेतु महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौधोगिकी विवि उदयपुर और अन्तरराष्ट्रीय संस्था आई.एम.टी. के मध्य राज भवन में राज्यपाल के संरक्षण में करार पर हस्ताक्षर किये गए।

- परम्परागत खेलों के विकास के लिए हुए एमओयू पर हस्ताक्षर

राजभवन में राज्यपाल के संरक्षण में करार पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर करार पर हस्ताक्षर कर कुलपति प्रो. आई.वी. त्रिवेदी ने कहा कि पारम्परिक ग्रामीण खेल जीवन के अभिन्न अंग है जो कि शारिरीक गठन से चुस्त दुरस्त व्यक्तित्व का निर्माण करने में सहायक है इन्है आधुनिक खेलो में भी सम्मिलित किया जा सकता है।

इस अवसर पर राज्यपाल कलराज मिश्र ने उक्त करार को खेलो के उन्नयन का महत्वपूर्ण भाग बताया और कहाकि पारम्परिक खेल हमारी मानसिक व शारिरीक क्षमता में तो बढोतरी करतें है साथ ही सर्वागीण विकास करनें में अति महत्वपूर्ण साबित होते है इन खेलो में भाग लेकर प्रतिभागी क्रियात्मक गतिविधियों के संघर्ष को सीखता है और जीवन की अन्य गतिविधियों के दौरान आनें वाली कठिनाईयों का डटकर मुकाबला करता है अत: पारम्परिक खेल हमें जीवन जीने की कला भी सीखातें हैं।

कुलपति के साथ उपस्थित डॉ. मुरतजा अली सलोदा, अध्यक्ष विवि क्रीडा मण्डल नें आई.एम.टी. के निदेशक डॉ. विशाल तलवार खेल शोध प्रतिष्ठान के प्रभारी डॉ. कनिष्क पाण्डे के साथ पारम्परिक ग्रामीण खेल, युवा पीढी में जागरण, आधुनिक खेलो में समायोजन का प्रयास, व राज्य के अन्य खेलो को भी विकसित करनें पर चर्चा व रोड मेप को स्पष्ट किया।

डॉ. सलोदा ने कहा कि व्यक्ति का किसी भी खेल आयोजन में भागीदारी चाहे आयोजन कर्ता प्रतिभागी खिलाडी, खेल मैदान को तैयार करनें व आयोजन स्थल पर उपस्थित ही उसके संकरात्मक सोच को बढ ानें वाली होती है। उन्होने कहा कि खेलो से व्यक्ति परिस्थितियों से लडना सीखता है और उनपर विजय प्राप्त करता है।

फिर दिखी सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल

उदयपुर, (कासं)। शांति और सुंदरता की प्रतीक लेकसिटी में एक बार फिर सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। उदयपुर जिले के फतहनगर क्षेत्र में देवझूलनी एकादशी के अवसर पर भगवान श्री ठाकुर जी का विमान जब नगर के बीच से निकला तो वहां रहने वाले मुस्लिम बोहरा समुदाय के लोगों ने ढोल बजाकर, पुष्प व गुलाल वर्षा कर ठाकुर जी का स्वागत किया। समुदाय के लोगों ने अपने परंपरागत वेशभूषा में अपने समाज के बेण्ड का वादन किया। स्वर लहरियों के बीच ठाकुरजी पर पुष्पवर्षा करते देख मौजूद हिंदू समाज जनों ने भी खुशी जताई और इस परंपरागत गंगा जमुनी तहजीब को देख प्रसन्न हुए। इस दौरान दोनों समुदायों ने सौहार्द का परिचय देते हुए माहौल को खुशनुमा बना दिया। बोहरा समुदाय के इस पहल की चहुंओर सराहना की गई।

- फतहनगर में ठाकुरजी के विमान पर बोहरा समुदाय ने बैण्ड वादन के साथ बरसाएं फूल

उदयपुर जिले के फतहनगर क्षेत्र में देवझूलनी एकादशी के अवसर पर भगवान श्री ठाकुर जी के विमान का स्वागत करते मुस्लिम बोहरा समुदाय के लोग।

गौरतलब है कि जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा के प्रयासों से उदयपुर जिले में विभिन्न धर्मों के त्यौहार शांति व सौहार्द की भावना से मनाए जा रहे हैं और इन त्योहारों में आपसी प्रेम भाईचारा और सांप्रदायिक सद्भाव के यह उदाहरण उदयपुर की खुशहाली का प्रतीक है।

नदी में नहाते समय 4 बालक डूबे, एक की मौत

छबड़ा, (निसं)। खोपर गांव में बुधवार को नदी में नहाते समय 4 बालक नदी में डूब गए। नदी पर नहा रही महिला ने तत्परता दिखाते हुए तीन को बचा लिया, लेकिन एक बालक डूब गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बालक को नदी से बाहर निकाल छबड़ा चिकित्सालय में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मध्यप्रदेश के बावडीखेडा गांव निवासी लल्लूराम लोधा खोपर गांव में रहकर मजदूरी का कार्य करता है। उसका पुत्र अंकित लोधा (9) बुधवार को नदी पर नहाने गया हुआ था। यहां वह दीपक पांचाल, पवन नागर व मोनू नागर के साथ नहा रहा था। इसी बीच 4 बालक नदी में डूबने लगे तो नदी में नहा रही महिला कन्या बैरवा ने दौड़ कर 3 बालकों को सकुशल नदी से बाहर निकाल लिया। लेकिन अंकित नदी में डूब गया। इस पर महिला ने शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया, जिसके बाद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद बालक को नदी से बाहर निकाला तथा छबड़ा चिकित्सालय में भर्ती कराया।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना आज अजमेर में

अजमेर, (कासं)। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना गुरूवार को अजमेर आएंगी। वे यहां सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत करेंगी। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने बुधवार को रिहर्सल कर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना गुरूवार को जयपुर से अजमेर आएंगी। वे दोपहर में यहां सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत कर अकीदत के फूल पेश करेंगी। यहां जिला प्रशासन, दरगाह कमेटी और अंजुमन की ओर से उनका स्वागत किया जाएगा।

जिला कलैक्टर अंशदीप ने बताया कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की अजमेर यात्रा गुरूवार को प्रस्तावित है। इस यात्रा की व्यवस्थाओं की बुधवार को समीक्षा की गई। साथ ही सुरक्षा के सम्बन्ध में बांग्लादेश के सुरक्षा दल के साथ पूर्वाभ्यास किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार काफिला जयपुर से अजमेर पहुंचा। यहां सर्किट हाउस से काफिला दरगाह के लिए रवाना हुआ। व्यवस्था के तौर पर दरगाह बाजार पूरी तरह से बन्द रहा। यातायात भी रोका गया। उन्होंने बताया कि दरगाह में पूरे क्षेत्र का अवलोकन कर दल द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिए कहा गया। आस्ताना शरीफ में हसीना द्वारा चादर चढ़ाई जाएगी। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास किया गया। सुरक्षा व्यवस्थाओं को चुस्त दुरूस्त रखने के लिए कहा गया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट, अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव किशोर कुमार सहित दरगाह दीवान के प्रतिनिधि एवं दरगाह से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

- ख्वाजा साहब की दरगाह में पेश करेंगी अकीदत के फूल
- बुधवार को प्रशासन व पुलिस ने किया यात्रा का रिहर्सल

नशीला पदार्थ जब्त

डग, (निसं.)। डग पुलिस को धतुरिया के जंगल में सर्च ऑपरेशन चला कर जंगल से एक ट्रक के अन्दर रखे 10 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 162 किलो 200 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ अफीम का डोडा चुरा मय ट्रक के बरामद करने में सफलता प्राप्त की हैं।

डीएसपी प्रेमकुमार ने बताया कि पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा अवैध नशीला पदार्थ व अवैध हथियार की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत सभी थानाधिकारीयों को अभियान में कार्यवाही करने के निर्देश दियें गये है।

प्रेम कुमार वृत्ताधिकारी वृत्त गंगधार के निकटतम सुपरविजन में पुलिस थाना डग द्वारा थानाधिकारी अमरनाथ जोगी के नेतृत्व में टीम ने आज देर रात्रि कार्यवाही करते हुए गांव धतुरिया के जंगल में सघन सर्च ऑपरेशन चला कर एक लावारिस ट्रक के अन्दर रखे 10 प्लास्टिक के कट्टों मे कुल 162 किलो 200 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम का डोडा चूरा व परिवहन के काम में लिया गया एक बिना नम्बरी ट्रक को जप्त किया है जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान रामनारायण भंवरिया थानाधिकारी थाना गंगधार कर रहे है।

राष्ट्रदूत के डीटीपी प्रभारी सत्यनारायण औदिच्य का निधन

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रदूत के उदयपुर संस्करण में डीटीपी प्रभारी के रूप में लगभग 28 वर्षों तक सेवाएं देने वाले सत्यनारायण औदिच्य का बुधवार को निधन हो गया। वे 52 वर्ष के थे। राष्ट्रदूत के उदयपुर संस्करण के आरंभ होते ही सत्यनारायण औदिच्य इस अखबार से जुड़े और जीवन के अंत तक इसी से जुड़े रहे।

डीटीपी प्रभारी के रूप में उन्होंने संस्थान को अपनी समर्पित सेवाए दी। वे लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। शुगर से पीड़ित होने के बाद उन्हें कई अन्य बीमारियों ने भी घेर लिया था। बुधवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार सुनकर उदयपुर का मीडिया जगत स्तब्ध रह गया। प्रात: 10 बजे उनकी अंतिम यात्रा उनके बेदला स्थित निवास से शुरू हुई। 10.30 बजे बड़गांव स्थित मोक्षधाम पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम यात्रा में कई वरिष्ठ पत्रकार, राजनेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। उनके चार पुत्रियां है। पुत्रियों ने ही अर्थी को कन्धा व मुखाग्नि दी। यह दृश्य देख कर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आँखे नम हो गई। उनके परिवार में उनकी माता, पत्नी, चार पुत्रियां शामिल है। दो पुत्रियां विवाहित है।

करौली को जोड़ने वाली रेल अब महाप्रबंधक जयपुर के हवाले

करौली, (नि.स.)। पूर्वी राजस्थान के विकास से जुड़ी धौलपुर- गंगापुर सिटी रेल परियोजना के द्वितीय चरण के निर्माण कार्य की स्वीकृति रेलवे बोर्ड ने अब उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक प्रयागराज से उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर को स्थानांतरित कर दी है यह भी बताया गया है कि धौलपुर सरमथुरा आमान परिवर्तन का कार्य प्रगति पर है यह जानकारी रेल विकास समिति करौली के महासचिव वेणुगोपाल शर्मा को प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रस्तुत परिवेदना के समाधान के बाद रेलवे बोर्ड द्वारा दी गई है।

रेल विकास समिति करौली के महासचिव ने अपनी परिवेदना में धौलपुर गंगापुर सिटी रेल परियोजना की निराशाजनक प्रगति से प्रधान मंत्री को अवगत कराते हुए बताया था कि पिछडे क्षेत्र के विकास के लिए स्वीकृत- धौलपुर-गंगापुर सिटी परियोजना अधिकारियों की उदासीनता के कारण रेंग रही है। धौलपुर सरमथुरा आमान परिवर्तन के लिए स्वीकृति बजट का उपयोग समय पर नहीं हो रहा है दूसरी ओर गंगापुर सिटी सरमथुरा के बीच 76 किमी ब्राड गेज के लिए भूमि अधिग्रहण तथा संशोधित तकमीना स्वीकृति नहीं होने से कार्य की गति मंद है। लगभग पूरी होने जा रही दौसा गंगापुर रेल परियोजना का गंगापुर सिटी से धौलपुर तक विस्तार होने पर ही भारत की पश्चिमी सीमा से पूर्व का कॉरिडोर पूरा होगा। समय रहते धौलपुर-गंगापुर सिटी परियोजना पूरी नहीं होने से दौसा गंगापुर सिटी परियोजना का कोई भविष्य नहीं है । एक ओर अधिक समय लगने से लागत बढ रही है दूसरी ओर क्षेत्र का विकास अवरुद्ध है । शर्मा ने प्रधान मंत्री को लिखे पत्र में बताया कि 12 वर्ष से रेंग रही धौलपुर गंगापुर सिटी परियोजना को शीघ्र पूरा करके दौसा गंगापुर सिटी लाईन से जोड़ने पर ही भारत की पश्चिमी सीमा से पूर्व का कॉरीडोर पूरा होगा जो रेलवे को भी लाभदायक सिद्ध होगा ।

प्रधानमंत्री कार्यालय से रेलवे बोर्ड को प्रभावी कार्यवाही के लिए लिखे जाने के बाद लिए गए निर्णय से अब लगभग पूरी होने वाली दौसा-गंगापुर सिटी ब्राड गेज रेल लाईन का विस्तार वाया करौली से सरमथुरा तक किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। उल्लेखनीय है कि जयपुर सांसद रामचरण बोहरा,टोंक सवाई माधोपुर सांसद सुखवीर सिंह जौनपुरिया एवम दौसा सांसद जसकौर मीना ने दौसा-गंगापुर सिटी रेल लाईन का विस्तार वाया करौली सरमथुरा तक करने की मांग करते हुए रेल मंत्री को पत्र लिखे थे। दूसरी ओर रेल विकास समिति गंगापुर सिटी के प्रहलाद गुप्ता एवम ईश्वर लाल शर्मा भी सतत प्रयत्नशील थे।

नकली खाद के कट्टों से भरी पिकअप जब्त

हिण्डौन सिटी, (निसं)। महवा रोड पर कस्बा महू इब्राहिमपुर के पास अवैध खाद के कट्टो से भरी हुई एक पिक अप को नई मंडी थाना पुलिस और कृषि विभाग के टीम ने दबिश देकर कार्यवाही करते हुए पकड़ लिया। पुलिस ने पिकअप को जप्त कर लिया है तो वही कृषि विभाग के अधिकारियों ने मामले में रिपोर्ट पेश कर दी है। उपखंड अधिकारी अनूप सिंह को सूचना मिली कि अवैध नकली खाद से भरी हुई एक पिक अप हिंडौन से महवा की ओर जा रही है।

इस मामले में उपखंड अधिकारी सिंह ने तत्काल प्रभाव से नई मंडी थाना पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। जिस पर नई मंडी थाना पुलिस ने शहर के चारों तरफ नाकाबंदी कर दी। वहीं कृषि विभाग के अधिकारी भी हरकत में आ गए । नई मंडी थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार महू इब्राहिमपुर पुलिस चौकी के समीप नाकाबंदी के दौरान अवैध नकली खाद से भरी एक पिक अप को पकड लिया। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंच कर पिकअप चालक के बयान दर्ज किए और खाद की जांच की । इस मामले में कृषि विभाग के अधिकारी यतीश शर्मा की ओर से नई मंडी थाने में प्राथमिकी पेश कर दी गई है। पुलिस ने पिकअप को चट कर मामले में कार्यवाही शुरू कर दी है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ आज खाटूश्यामजी आएंगे, आईजी ने निरीक्षण किया

धनखड़ दोपहर 1.15 बजे सालासर से हेलीकॉप्टर द्वारा खाटूश्याम पहुंचेंगे

सीकर, (निसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरूवार को खाटूश्यामजी आएंगे। जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने बताया कि उपराष्ट्रपति धनखड़ दोपहर 1.15 बजे सालासर से हेलीकॉप्टर द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे खाटूश्यामजी में हेलीपेड पर पहुंचेंगे तथा अधिकारियों से परिचय लेंगे। 2 बजकर 5 मिनट पर खाटूश्यामजी में हेलीपेड से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर 2 बजकर 10 मिनट पर खाटूश्यामजी मंदिर में पहुंचेंगे तथा पूजा -दर्शन करेंगे, दोपहर 2.40 बजे खाटूश्यामजी मंदिर से प्रस्थान कर 2.45 बजे हेलीपेड पहुंचेंगे तथा दोपहर 2.50 बजे खाटूश्यामजी से हेलीकॉप्टर से जयपुर एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान कर जाएंगे। जिला कलेक्टर यादव ने बताया कि समस्त यात्रा कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी, लाईजनिंग अधिकारी अनिल कुमार महला अति. जिला कलेक्टर नीमकाथाना को नियुक्त किया गया है।

उपराष्ट्रपति दौरे को लेकर रैंज आईजी ने किया निरीक्षण: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड के दौरे को लेकर जयपुर रेंज आईजी उमेश चंद्र दत्ता ने खाटूश्यामजी पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आईजी उमेश चंद्र दत्ता ने सरकारी पार्किंग में बनी हेलीपैड, अल्प विश्राम के दौरान ठहरने वाले स्थल श्याम वाटिका का निरीक्षण कर मंदिर मार्ग, मंदिर परिसर, सेफ हाउस, कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एएसपी रतनलाल भार्गव, एडीएम अनिल कुमार महला, कार्यवाहक एसडीएम अर्चना चौधरी, रींगस डीवाईएसपी कन्हैया लाल, नीमकाथाना डीवाईएसपी गिरधारी लाल शर्मा सहित पुलिस के आला अधिकारी मौजूद रहे। सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अलका मील को शेष रहा कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद आईजी झुंझुनू के लिए रवाना हो गए।

जयपुर रेंज आईजी उमेश चंद्र दत्ता ने अधिकारियों की मौजूदगी में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

शिक्षा विभाग में पहले ट्रांसफर, अब संशोधन

जिन प्रिंसिपल और लेक्चरर को दूरस्थ गांवों में भेजा, वो फिर शहर और आस-पास के गांवों में पदस्थापित

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा सत्र शुरू हुए तीसरा महीना शुरू हो गया लेकिन शिक्षा विभाग है कि अब तक प्रिंसिपल और लेक्चरर के ट्रांसफर और संशोधन में ही व्यस्त है। पिछले दिनों जिन प्रिंसिपल और लेक्चरर के ट्रांसफर किए गए थे, उनमें सौ से ज्यादा के तबादले या तो निरस्त हो गए, या फिर शहर के निकटस्थ स्कूलों में लगा दिया गया। मजे की बात है कि इनमें अधिकांश संशोधन खुद शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के गृह जिले में किए गए हैं, जबकि इक्का दुक्का अन्य जिलों के हैं।

प्रारम्भिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालय से जिन अधिकारियों को लंबे जमाव के बाद अन्यत्र स्कूलों में स्थानान्तरित किया गया था, उनमें अधिकांश के ट्रांसफर वापस हो गए हैं। इनमें शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक रहे अजय गोदारा, डॉ. जगदीश प्रसाद, डॉ. राकेश कुमार, मनीष कस्वां, मृदुला चौधरी, रामचंद्र घिंटाला का ट्रांसफर ग्रामीण विद्यालयों में किया गया था। इनमें रामचंद्र घिंटाला जहां वापस शिक्षा निदेशालय में स्थानान्तरित हो गए हैं, वहीं शेष को बीकानेर शहर के नजदीकी उदयरामसर, गीगासर, नापासर, बदरासर, सेरुणा में पदस्थापित कर दिए गए हैं। वहीं घिंटाला को प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय में पदस्थापित किया गया है। वहीं लेक्चरर में भी भंवर लाल को निदेशालय से रणजीतपुरा भेजा गया था, जिनका तबादला अब सवीदय बस्ती हो गया है। यहां पहले से कार्यरत जगदीश चंद्र टाक का तबादला जालवाली किया गया है। सतपाल गोदारा को स्पोर्ट्स स्कूल से लूणकरनसर भेजा गया, उनका तबादला अब देशनोक हो गया। दुर्गाराम को निदेशालय से कोलायत स्थानान्तरित किया गया। इनका तबादला भी अब नागौर कर दिया गया है। देवीकुंड सागर में कार्यरत लेक्चरर जैसाराम का ट्रांसफर निरस्त हो गया है। इसी तरह प्रियंका का ट्रांसफर देवीकुंड सागर किया था, उन्हें उदासर भेज दिया है।

चौपड़ा स्कूल से लक्ष्मीनारायण का ट्रांसफर कोलायत किया गया था, जिन्हें अब गजनेर भेजा गया है। वहीं ओमप्रकाश सारण का ट्रांसफर भी निरस्त कर दिया है। यहां से शिव कुमार कुम्हार को अब श्रीरामसर स्कूल भेजा गया है। सुजानदेसर से स्थानान्तरित रामकुमार को अब चानी के बजाय पवनपुरी कॉलोनी में स्थानान्तरित किया है। बीकानेर में पिछले एक सप्ताह में आधा दर्जन स्कूल्स में तालेबंदी हो चुकी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्कूल्स में विरोध हो रहा है। यहां से लेक्चरर व टीचर्स के ट्रांसफर शहरी क्षेत्रों में हो गए, उनकी जगह जिनको लगाया गया, वो अब तक आए नहीं है। नतीजतन दो महीने बाद भी पढ़ाई नहीं हो रही है।

नकली नोट छपाई के तार पंजाब के लुधियाना से जुड़े

लुधियाना से दूसरा युवक भी गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। जिले में नकली नोट छापने और छपाई के लिए सामग्री तैयार करने के मामले में बीकानेर पुलिस ने पंजाब के लुधियाना से भी एक युवक को गिरफ्तार किया है। दरअसल, छपाई के लिए हाई प्रोफाइल कागज व प्रिंटिंग सामग्री लुधियाना से ही बीकानेर भेजी जा रही थी। पुलिस को उम्मीद है कि नकली नोट छपाई मामले में कुछ और युवकों की भूमिका है। दो महीने में ही ये दूसरा अवसर है जब बीकानेर में बड़ी मात्रा में नकली नोट छापने का खुलासा हुआ है।

जयनारायण व्यास कॉलोनी पुलिस ने बज्जू खालसा के मनोज बिश्नोई को गिरफ्तार किया था। मनोज से 29 हजार 600 रुपए के नकली नोट बरामद किए गए। उससे सख्त पूछताछ के दौरान पता चला कि नोट छापने के लिए हाई प्रोफाइल कागज, सिक्योरिटी थ्रेड की

■ **थ्रेड भी असली नोट जैसा ही है**

सप्लाई उसे पंजाब के लुधियाना से हो रही है। जिस समय मनोज को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही थी, उसी वक्त लुधियाना के कुलदीप का नाम सामने आया था। स्पेशल टीम के सदस्य मनोज शर्मा सहित कुछ पुलिस कर्मियों ने लुधियाना पहुंचकर कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया। अब उसके ठिकानों की छानबीन की जा रही है।

इन नकली नोटों में एक सिक्योरिटी थ्रेड भी लगाया जाता है। इसे देखकर भी बीकानेर पुलिस दंग है। दरअसल, ये थ्रेड भी असली नोट जैसा ही है। आरबीआई की ओर से छपने वाले नोट्स में जो थ्रेड लगती है, ये फर्जी थ्रेड भी कमोबेश एक जैसी है। बताया जा रहा है कि ये थ्रेड भी लुधियाना से ही तैयार होकर आई है। ये भी सामने आया है कि नोट एक साथ छापने के बजाय अलग -अलग जगह छप रहे हैं। कहीं कागज पर महात्मा गांधी का वाटरमार्क लगाया जा रहा है, तो कहीं पर सिक्योरिटी थ्रेड लगाया जा रहा है। इस तरह का कागज उपयोग में लिया जा रहा है कि एक कागज पर चार नोट प्रिंट हो सकें। इन कागजों पर दो सौ और पांच सौ रुपए के नकली नोट छापे जा रहे हैं।

इससे पहले बीकानेर के वृंदावन एनक्लेव और नोखा के गांव में नकली नोट छापने का गिरोह पकड़ा गया था। तब कलर प्रिंट के माध्यम से नोट छापने का पता चला था। तब भी दो सौ और पांच रुपए के नोट ही बरामद किए गए थे। ये राशि करीब 15 लाख रुपए के आसपास थी। अब करीब तीस हजार रुपए के फर्जी नोट मिले हैं जबकि बड़ी संख्या में कागज मिले हैं, जिन पर नोट छपने थे।

40 सालों से घर बनाकर रह रहे 50 नट परिवारों को घर छोड़ने का फरमान

घर खाली नहीं करने पर मकान तोड़ने की धमकी, विरोध में उतरे लोग

अलवर, (निसं)। किशनगढ़बास के बंबोरा गांव में करीब 40 साल से रह रहे 50 परिवारों को अचानक सरकारी जमीन पर बने उनके घर खाली करने के फरमान मिलने के बाद उनके सामने मुश्किल आ गई है। इसके विरोध में बुधवार को ब्रजभूमि कल्याण परिषद और घुमंतू विभाग की ओर से आशियाना बचाने और जमीन प्लॉट आवंटित कर मुआवजा देने की मांग को लेकर विवेकानंद चौक से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाल ज्ञापन दिया।

ब्रजभूमि कल्याण परिषद जिला अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने कहा कि यह सही है कि जिस जमीन पर नट परिवार बसें है वह सरकारी है लेकिन 40 सालों से घर बनाकर रह रहे हैं, वहां पर मंदिर भी बना हुआ है। बोरिंग व सरकारी नल

■ **सरकारी नल, बिजली कनेक्शन हैं व राशन कार्ड मौजूद**

है। बिजली कनेक्शन व राशन कार्ड बने हैं। पिछले दिनों वहां तारबंदी कर दी गई, कह दिया कि जगह खाली करें, अब यहां स्टेडियम बनेगा। सरकारी कर्मचारी व अधिकारी आकर नट परिवारों को धमकाने में लगे हैं। इन घुमंतू व नट समाज के लोगों को इस तरह बेघर नहीं किया जा सकता। सरकार को पहले इनके रहने का इंतजाम करना होगा। मुआवजा व पट्टा दिया जाए। इनको 57 गज जमीन पाने का हक है।

डॉ. गुप्ता ने अधिकारियों को ज्ञापन देते हुए कहा कि घुमंतू परिवार के लोगों को बसाना पड़ेगा। ये लोग यूं ही सड़कों पर कब तक परेशान रहेंगे। जब एक जगह कई दशक से रह रहे हैं तो इनको वहीं पर प्लाट आवंटित कर देने चाहिए। ताकि ये अपना गुजारा कर सकें।

अब इन परिवारों के घरों को तोड़ने की बराबर धमकी मिलने लगी है। कुछ लोगों से खाली पन्नों पर साइन करवा लिए गए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी जावली और ब्रजभूमि कल्याण परिषद के डॉक्टर पंकज गुप्ता ने मामले को संज्ञान में लिया और वहां रह रहे वासियों को विश्वास दिलाया कि क्षेत्र में उन्हें कोई भी दरबदर नहीं कर पाएगा। सरकार ने कोई एक्शन लिया तो बडा आंदोलन करेंगे । इस दौरान लखमीचंद, रुस्तम सिंह, लाखन सिंह, आजाद सिंह, मदन सिंह, बाबूलाल, सतीश आदि उपस्थित थे।

सहायक आचार्य हिंदी साक्षात्कार तिथि जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को सहायक आचार्य हिंदी (कॉलेज शिक्षा विभाग) 2020 के पदों की साक्षात्कार तिथि जारी की गई। निर्धारित कार्यक्रमानुसार 19 सितंबर से 30 सितंबर तक साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

आयोग सचिव अटल ने कहा कि जिन अभ्यथिर्यों ने विस्तृत आवेदन-पत्र आयोग को प्रस्तुत नहीं किए हैं, वे अभ्यर्थी विस्तृत आवेदन-पत्र साक्षात्कार के समय दो प्रतियों में मय समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों सहित आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें। विस्तृत आवेदन-पत्र को आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। साक्षात्कार में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थी अपने समस्त मूल-प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति अवश्य साथ लाएं। इनके अभाव में अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा जारी कोरोना गाइडलाइन की पालना भी करनी होगी।

पुलिस ने दो जगह पर अवैध रेता के खिलाफ की कार्रवाई

धौलपुर, (निस)। धौलपुर शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने मोरोली मोड़ के पास 2 जगह पर अवैध बजरी का स्टॉक जब्त किया है। दोनों जगह पर मिले अवैध चंबल बजरी के स्टॉक को पुलिस ने ट्रॉली में भरवाकर वन विभाग को सौंप दिया है।

कोतवाली, निहालगंज और सदर थाना के साथ ट्रैफिक पुलिस ने मोरोली मोड पर पुराने पीएनसी ऑफिस के पास 2 अलग-अलग जगह संयुक्त कार्रवाई की। यहां बजरी का स्टॉक मिलने पर वन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया। पुलिस की टीम बजरी के स्टॉक को जब्त कर माफिया को चिह्नित करने में जुट गई है।

कोतवाली थाना प्रभारी अध्यात्म गौतम ने बताया कि एसपी के निर्देश पर सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा और निहालगंज पुलिस की टीम के साथ ट्रैफिक पुलिस को लेकर अवैध बजरी के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान

धौलपुर शहर पुलिस ने मोरोली मोड़ के पास से अवैध बजरी स्टॉक को भरकर वन विभाग को सौंपा।

एक जगह पर पुलिस को 10 ट्रॉली अवैध चंबल बजरी मिली तो दूसरी जगह पर 70 से अधिक ट्रॉली बजरी का स्टॉक मिला। ऐसे में पुलिस ने दोनों जगह पर वन विभाग की टीम को बुला लिया। वहीं बजरी का स्टॉक करने वाले माफिया को चिह्नित किया जा रहा है, जिनके खिलाफ थाने में नामजद मामला दर्ज किया जाएगा।

चार हजार से अधिक गिद्धों का आश्रय स्थल है गिद्ध संरक्षण क्षेत्र जोहड़बीड

बीकानेर, (कासं)। जोहड़ बीड़ राजस्थान का प्रसिद्ध गिद्ध संरक्षण क्षेत्र है। जहां देशी जाति के साथ-साथ विदेशी प्रजातियों के गिद्ध बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं । करीब लगभग 226 हैक्टेयर क्षेत्र में फैला यह संरक्षण क्षेत्र गिद्धों का प्राकृतिक आवास है। प्रशासन द्वारा सम्पूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा के लिए चारदिवारी एवं चेनलिंक फेसिंग की गई है ।

पिछले लगभग 50 वर्षों से यहां पर निगम ठेकेदार द्वारा मृत पशु खुले में डाले जाते हैं। ठेकेदार मृत पशु की चमड़ी, आंते, चर्बी एवं हड्डियों को निकाल कर सूखने के लिये छोड़ देता है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में समय लगता है। आयुक्त नगर निगम बीकानेर के अनुसार लम्पी से मृत पशुओं को सुजानदेसर, करमीसर एवं नाल क्षेत्र में समुचित दफनाया जा रहा है।

■ **यहां पर 8 प्रजाति के गिद्ध रिर्पोटेड हैं तथा कुछ गिद्ध यहां के अब रेजिडेंट हो गये हैं**

जोहड़बीड़ में गैर लम्पी मृत पशु डाले जा रहे हैं। जहां यह एक माह तक खुले में रहते हैं ताकि इनके अवशेषों को गिद्ध व रेप्टर्स खा सकें और हड्डियां सूख कर उपयोग में लेने लायक हो सके। इस क्षेत्र में काफी संख्या में कुत्ते भी मौजूद हैं। ये भी इन मृत पशुओं को खाते हैं। यहां पर 8 प्रजाति के गिद्ध रिर्पोटेड हैं तथा कुछ गिद्ध यहां के अब रेजिडेंट हो गये हैं। वर्तमान में यहा पर लगभग 4000 गिद्ध सम्पूर्ण क्षेत्र में मौजूद है। गिद्धों प्रकृति का सफाई कर्मी माना गया हैं।

टायर फटा, टैम्पो पलटने से आठ घायल

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ-सालासर सडक मार्ग पर मींगणा के पास टायर फटने से लोडिंग टैम्पो पलट गया, जिससे उसमें सवार दो बच्चों सहित आठ जने घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार रूणिचा लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शन कर

■ **सुजानगढ-सालासर सडक मार्ग पर मींगणा के पास घटी घटना, हादसे में दो बच्चे भी घायल हो गए**

हिसार लौटते समय हादसा होने से हिसार के नंगथला निवासी राजबाला पत्नी रामसिंह, संतोष पत्नी खेताराम, बाला पत्नी गुलाब, सुमन पत्नी कालूराम, महेंद्रा देवी पत्नी महावीर, कमल पुत्र ओमप्रकाश, हर्ष पुत्र खेताराम, कृष्ण पुत्र रामावतार सभी जाति सुथार घायल हो गए। जिन्हे टीम हारे का सहारा के संयोजक श्याम स्वर्णकार ने राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल पंहूचाया। जहां पर चिकित्सकों ने घायलों का उपचार किया।

नावां में भाजपा नेता व व्यवसायी जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन

प्रदर्शन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुए

जयपुर, (कासं)। नागौर के नावां में भाजपा नेता व व्यवसायी जयपाल पूनिया हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर धरना-प्रदर्शन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुये । डॉ. पूनियां ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि, राजस्थान में रोज औसतन 07 हत्या होती हैं, 18 दुष्कर्म, अब तक 7 लाख मुकदमे राजस्थान की धरती पर दर्ज हो गए। जब तक जमीन में गर्मी पैदा नहीं करोगे तक तक जयपाल पूनिया जैसे लोगों को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि कई बार राख जब चिंगारी बनती है तो उसमें सत्ता का तानाशाही सिंहासन भी जल कर राख हो जाता है।

पूनिया ने कहा कि मैं आपको भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हरीश का पसीना इस सरकार के ताबूत में अंतिम कील साबित होगा, इस शुरूआत में आगाज का अंजाम भाजपा का कार्यकर्ता लिखेगा । पूनिया ने कहा कि पूछता हूँ कि कि राजस्थान का गृहमंत्री मौन क्यों है, मौन इसलिए है वो जयपाल सरीखे कितने ही लोगों की हत्या का जिम्मेदार है, जन सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल हैं। जिन किसानों की कर्जामाफी का वादा किया था, ऐसे 60 लाख किसान, 1 लाख 20 हजार करोड का कर्जामाफी का इंतजार कर रहे हैं। जयपाल को तो बदमाशों ने मारा लेकिन श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर में ठाकरी गांव का सोहनलाल कडेल जिसने आत्महत्या करते हुए लाइव वीडियो जारी कर कहा कांग्रेस सरकार के छलावे के कारण आत्महत्या कर रहा हूं, जिसके जिम्मेदार राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं।

राजस्थान के 9 हजार किसान जिनकी जमीनें नीलाम हो गई, दर्जनों किसानों ने आत्महत्या कर ली। एम्बुलेंस के बाहर एक पीड़िता रोटी मांग रही थी, रोटी नहीं मिली और उसकी अस्मत लूट ली गई। नावां के जयपाल की दिनदहाडे हत्य साबित करती है कि अपराधियों को पूरा भरोसा है और आम जनता इतनी भयभीत है कि किसी पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए घर से बाहर निकलने में भी डर है। करौली से लेकर जोधपुर तक लगातार एक सिलसिला है, जिसमें वोट बैंक की, तुष्टिकरण की राजनीति के नाम पर इस प्रदेश के बहुसंख्यकों के हितों की अनदेखी व उन पर चोट करने की अनदेखी हुई है। नावां की इस घटना के बारे में पहला फोन पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी ने मुझे किया, विधायक नारायण बेनीवाल व भाजपा के सभी

■ **'जब तक जमीन में गर्मी पैदा नहीं करोगे तक तक जयपाल पूनिया जैसे लोगों को न्याय नहीं मिलेगा'**

■ **राजस्थान के गृहमंत्री मौन, वे जयपाल सरीखे कितने ही लोगों की हत्या के जिम्मेदार : डॉ. पूनियां**

कार्यकर्ता जनता की आवाज बनकर यहां मौजूद है।

जनता के हक की लड़ाई एक विचार के लोग जब धरातल पर मजबूती से लड़ते हैं तो सत्ता के पाये हिलते हैं। विधायक रूपाराम, मानसिंह व गजेन्द्र सहित तमाम लोग मजबूती से बैठे हैं। भाई जयपाल को न्याय दिलाने का संकल्प है और अगर 24 घंटे में अपराधी नहीं पकड़े गए तो नावां से तो आगाज हुआ है, राजस्थान की जनता इसको अंजाम में बदलेगी और इस अन्याय का बदला लेगी। पूनिया ने कहा कि राजस्थान में अस्पताल बीमार हो गए , स्कूल लाचार हो गए।

पिछले तीन साल में राजस्थान की जनता के साथ बड़ा अन्याय हुआ है। झालावाड़ का कृष्णा बाल्मीकि भी न्याय मांगता है, अलवर का हरीश जाटव भी न्याय मांगता है, एक लंबी फेहरिस्त है जिनको भीड़ में मार दिया, जो बदमाशों की गोलियों का शिकार हो गए ।। एक विधायक के पुत्र पर जब गैंगरेप का आरोप लगता है तो सरकार की नीयत देखो उस विधायक के दबाव में मुख्यमंत्री के इशारे पर 300 साल पुराना भगवान शिव मंदिर तोड़ दिया जाता है। पूनिया ने कहा कि मैं 90 से राजनीति में हूं, राजस्थान में इस तरह की अराजक, भ्रष्ट, नकारा, निक्कमी सरकार नहीं देखी। जिस प्रकार रीट में चीट हुई, इनके मंत्री व नेता एक्सपोज हो गए जनता की अदालत में । कैसे पर्चा लीक हुआ, 1 हजार करोड़ से भी ज्यादा का लेन देन हुआ, रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच हो जाए तो सरकार में बैठे बड़े लोग भी जेल जाएंगे।

जब किसान व नौजवान उठ खड़ा होगा, उस दिन इस कांग्रेस सरकार का वो आखिरी दिन होगा और वह आखिरी दिन 2023 में होगा। भाजपा जयपाल के परिवार को न्याय दिलाने के लिए पूरी मजबूती के साथ खड़ी है, अंतिम घड़ी तक साथ है।

जनता सेना नेता ताहेरअली का निधन

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर नगर पालिका के पूर्व पार्षद एवं जनता सेना के वरिष्ठ नेता ताहेरअली बोहरा का बुधवार को बीमारी के चलते अहमदाबाद के निजी चिकित्सालय में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सूनने के बाद जनता सेना, बोहरा समाज सहित पूरे नगर में शोक की लहर छा गई। बोहरा के निधन पर जनता सेना संरक्षक व पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर ने भी उनके साथ जुडी यादों को साझा करते हुए शोक व्यक्त किया।

भीण्डर निवासी ताहेरअली बोहरा कुछ समय पहले बीमार हो गये थे, जिस पर इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया गया। वहां पिछले 28 दिनों से एक निजी चिकित्सालय में इलाज जारी था लेकिन कोई सुधार नहीं हो रहा था। बुधवार रात्रि को तबीयत ज्यादा खराब हुई और निधन हो गया। जिसके बाद परिजन उनका शव लेकर भीण्डर पहुंचे और बुधवार सुबह भीण्डर में बोहरा समाज के कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। ताहेरअली अपने पीछे परिवार में पत्नी, दो पुत्र, एक पुत्री को छोड करके गये। रणधीरसिंह भीण्डर, पूर्व विधायक वल्लभनगर ने शोक जताते हुए कहा कि मुझे और मेरे परिवार को उनकी मौत का बहुत दुख है।

खैरथल में पहाड़ी वाले हनुमान जी के मेले में डेढ़ सौ कुश्तियां हुई

प्रमुख कामड़ा कुश्ती 31 हजार रूपये की हुई

खैरथल, (निसं)। पहाड़ी पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में वार्षिक मेले में आस्था का जनसैलाब उमड़ा । मेले में मल्लयुद्ध में राजस्थान सहित हरियाणा और यूपी दिल्ली के जाने-माने अखाड़ों से पहलवानों ने ज़ोर आजमाइश की।

मेले में क्षेत्रीय विधायक दीपचंद खैरिया मुख्य अतिथि रहे। मेला कमेटी अध्यक्ष लालचंद रोघा ने बताया कि हनुमान मंदिर के महंत भजंगिरी, दिगम्बर किशनगिरि, महंत केशवगिरी एवं संत रामदास पुजारी के सानिध्य में पूजा अर्चना, भजन कीर्तन एवं कुश्ती दंगल हुए । प्रात: 9 बजे हवन यज्ञ में आहुतियों के साथ शुरू हुआ मेला देर रात तक पूरी रंगत में रहा । थानाधिकारी भगवान सहाय शर्मा के नेतृत्व में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

मेला कमेटी अध्यक्ष लालचंद रोघा ने बताया कि कुश्ती दंगल में छोटी - बड़ी कुल 151 कुश्तियों का अयोजन किया गया। जिसमें मुख्य कामडा कुश्ती 31 हजार रुपये का थी। अतिथि विधायक दीपचंद खेरिया, पूज्य सिन्धी पंचायत अलवर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश रोघा, डीसीसी उपाध्यक्ष गिरीश डाटा, आदि ने व्यवस्थओं को बनाये रखा। इस मौके पर खैरथल कस्बे सहित आस-पास के सैकड़ों लोगों ने मेले में सैकड़ों की संख्या में दुकानें भी लगी।

कुश्ती दंगल में पहलवानों के हाथ मिलवाकर शुभारंभ करते विधायक दीपचंद खैरिया एवं अतिथि।

कार की चपेट से दो युवकों की मौत

नदबई, (निस)। आगरा जयपुर हाईवे पर देर रात विनऊआ मोड़ समीप कार की चपेट से सड़क किनारें खड़े दो युवक की मौत हो गई। जबकि, तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर लखनपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जबकि, मृतक युवकों के शव को जिला चिकित्सालय के मुर्द्घाघर में रखवाया।

बाद में बुधवार सुबह पुलिस ने दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस सूत्रों के अनुसार गांधी नगर जिला सादरा दिल्ली निवासी वीरेन्द्र महतो पुत्र भोला अपने साथियों के साथ निजी गाडी में बालाजी से दर्शन कर लौट रहा था । देर रात कार चालक को यात्रा से थकान होने पर युवक राष्ट्रीय राजमार्ग पर विनऊआ मोड के समीप कार से उतरकर सड़क के किनारे खड़े होकर आराम करने लगे। इसी दौरान तेज गति से दूसरी कार ने सड़क किनारे खड़े युवकों में टक्कर मार दी। जिसके चलते वीरेन्द्र महतो व सुनील कुमार पुत्र किसून सूरी की मौके पर मौत हो गई। जबकि, संजय मेहता पुत्र शिवाजी मेहता, राजेश कुमार पुत्र रवि माथुर व रणधीर महासेठ पुत्र किशोरी महासेठ गंभीर रूप से घायल हो गए।

धनखड़ के फार्म हाऊस के पास लगाया बड़ा पांडाल

चिड़ावा, (निसं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पद संभालने के बाद पहली बार अपने गांव किठाना आ रहे हैं। इसे लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। गांव में धनखड के फ़ार्म हाऊस में जहां प्रत्येक व्यवस्था की जानकारी जगदीप धनखड के भाई रणदीप ले रहे हैं। उन्होंने एडीएम जगदीश प्रसाद गौड़ को फ़ार्म हाऊस पर वी आई पी मूवमेंट की जानकारी दी। वहीं फ़ार्म हाऊस के बिल्कुल पास ही बड़ा पांडाल लगाया गया है। जिसमें करीब 500 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। यहीं पर धनखड का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा और धनखड़ यहां लोगों को सम्बोधित भी करेंगे। धनखड़ का दोपहर का भोजन भी फ़ार्म हाऊस पर ही होगा। बिना पास किसी भी कार्यक्रम में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.

क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/3568-69 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-06.09.2022

श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री महावीर प्रसाद कुमावत निवासी वार्ड नम्बर 24 मोचियों का मोहल्ला, सरकारी अस्पताल के पास श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये हैं।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पड़ौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.24 मोचियो का मोहल्ला, सरकारी अस्पताल के पास, श्रीमाधोपुर	चर्तु सीमाऐ निम्न प्रकार से है- पूर्व दिशा मे बद्री मोची के परिवार के मकान, पश्चिम दिशा मे त्रिलोक मोची का मकान, उत्तर दिशा मे त्रिलोक मोची का मकान, दक्षिण दिशा मे आम रास्ता अवस्थित है।	मकान आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब से पश्चिम उत्तरी भुजा 12 फुट 9 इंच, दक्षिण भुजा 12 फुट 10.5, उत्तर से दक्षिणी 23 फुट 1 इंच कुल क्षेत्रफल 35.05 वर्गगज या 29.30 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 06.09.2022 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

अगर आप औपचारिक खिताब चाहते हैं तो यह 2025 तक संभव है। कोई भी सरल रास्ता नहीं है जो हमें तैयार होने के लिए पर्याप्त समय दे। इससे कई चीजें जुड़ी होती हैं।

- विश्वनाथन आनंद

पूर्व शतरंज चैम्पियन, भारत के विश्व शतरंज चैम्पियन बनने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्या रहाणे

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी की डगर आसान नहीं है लेकिन गुरुवार से शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी में वह पूर्वोत्तर क्षेत्र की टीम के खिलाफ जब अनुभवी खिलाड़ियों से सजी पश्चिम क्षेत्र की टीम की अगुवाई करेंगे तो उनका ध्यान अपनी 'प्रक्रिया (खेल का तरीका)' पर बने रहने पर होगा। भारतीय घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत दलीप ट्रॉफी के साथ हो रही है जिसे पहले की तरह क्षेत्रीय प्रारूप में खेला जायेगा। खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा और अनुभव को देखें तो दोनों टीम के बीच कोई मेल नहीं है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट मैच में लगातार पगबाधा आउट होने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के डब्लू वाटसन के नाम है। वाटसन सात पारियों में लगातार पगबाधा आउट हुए थे।

भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से रौंद कर सैफ चैम्पियनशिप में किया शानदार आगाज

नयी दिल्ली, 7 सितंबर। गत चैम्पियन भारत ने काठमांडू के दशरथ स्टेडियम में सैफ (दक्षिण एशिया फुटबॉल महासंघ) महिला चैम्पियनशिप मेंबुधवार कोपाकिस्तान को 3-0 से हराकर अपने अभियान की विजयी शुरुआत की। इस जीत के साथ ही चैंपियनशिप में भारत के अजेय क्रम का सिलसिला 27वें मैच में भी जारी रहा। प्रतिद्वंद्वी कप्तान मारिया जमील खान के आत्मघाती गोल के बाद डेंगमेई ग्रेस के शानदार गोल से भारत ने मध्यांतर से पहले ही 2-0 की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। आखिरी क्षणों में सौम्या गगुलोथ के गोल से भारत ने जीत के अंतर को 3-0 कर दिया। भारतीय टीम ने मैच में शुरुआत से ही दबदबा बना लिया था लेकिन टीम के गोल का खाता किस्मत के सहारे खुला। पाकिस्तान की कप्तान मारिया जमील खान ने 15वें मिनट में आत्मघाती गोल कर अपनी टीम पर दबाव और बढ़ा दिया।

राज्य स्तरीय सीनियर वुमेन टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता आज

जयपुर, 7 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2022-23 के विभिन्न आयु वर्ग की क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लेने वालीं राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु राज्य के विभिन्न जिला क्रिकेट केंद्रों पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर रहा है। आरसीए सचिव महेंद्र शर्मा के अनुसार आरसीए 8 सितंबर से जयपुर, भीलवाड़ा व झुंझुनूं जिलों में विभिन्न मैदान पर राज्य सीनियर महिला 20 क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें प्रतिदिन 12 मैच खेले जाएंगे। शर्मा के अनुसार आरसीए 8 सितंबर से जयपुर के साथ उदयपुर, बांसवाड़ा, हनुमानगढ़ जिला केंद्रों पर राज्य स्तरीय सीनियर कोल्वीन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें प्रतिदिन 16 मैचों का आयोजन किया जाएगा।

हॉकी राजस्थान के चुनाव आज

जयपुर, 7 सितम्बर। हॉकी राजस्थान की साधारण सभा की बैठक 8 सितम्बर को करौली मे होगी। जिसमें हॉकी राजस्थान के चुनाव होंगे। बैठक हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष अरुण कुमार सारस्वत की अध्यक्षता मे एवं निर्वाचन अधिकारी ओम प्रकाश शर्मा की देखरेख मे आयोजित होगी। बैठक मे हॉकी इंडिया के पर्यवेक्षक राजेश चौधरी, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के पर्यवेक्षक डॉ. दिनेश चौधरी एवं राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक डॉ. रमेश इंदौलिया की उपस्थिति मे आयोजित बैठक मे आगामी 4 बर्षो 2022 से 2026 के लिए नई कार्यकारिणी के चुनाव होंगे।

एशिया कप : अफगानिस्तान के खिलाफ कमियां दूर करने उतरेगा भारत

दुबई, 7 सितंबर। फाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप सुपर चार में गुरुवार को यहां अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में टी20 विश्वकप से पहले अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम सुपर चार चरण में अभी तक अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ लगातार हार के लिए संसाधनों की कमी और खराब टीम चयन को भी दोषी ठहराया जा सकता है।

वर्तमान भारतीय टीम की रणनीति में लचीलापन का अभाव दिखता है और ऐसे में कोच राहुल द्रविड़ की नीतियों पर भी उंगलियां उठना लाजमी है। ऐसा लगता है कि द्रविड़ टीम चयन के मामले में कुछ कड़े फैसले लेने के लिए आतुर हैं क्योंकि टीम के पास किसी भी रणनीति के लिए दूसरी योजना नजर नहीं आती है।

ऐसी परिस्थितियों में उसे उस अफगानिस्तान का सामना करना है जिसके पास राशिद खान, मुजीब जादरान, मोहम्मद नबी, हजरतुल्लाह ज़ज़ई और रहमानुल्ला गुरबाज जैसे टी-20 के दमदार खिलाड़ी हैं। यह एक ऐसी टीम है जो कि अपने 'पावर हिटर' के दम पर 170 रन के लक्ष्य को भी हासिल कर सकती है और राशिद जैसे गेंदबाज की अगुवाई में विपक्षी टीम को कम स्कोर पर भी रोक सकती है। इस टीम के खिलाफ एक ही बात जाती है कि उसे लगातार बड़ी टीमों का सामना करने का मौका नहीं मिलता है। उसके पास अनुभव की कमी है। लेकिन टी-20 ऐसा प्रारूप है जिसमें एक खिलाड़ी मैच का परिदृश्य बदल सकता है। अफगानिस्तान के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो अकेले दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं।

जहां तक भारत का सवाल है तो मुख्य कोच द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने और अन्य विकल्पों को आजमाने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है। यह देखना दिलचस्प होगा कि दिनेश कार्तिक को ऋषभ पंत या दीपक हुड्डा की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। हुड्डा को श्रीलंका के खिलाफ सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और बाद में उन्हें गेंदबाजी भी नहीं सौंपी गई। ऐसे में हुड्डा को टीम में शामिल करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए। इसके अलावा श्रीलंका के खिलाफ मैच से यह भी साबित हो गया कि भारत पांचवें विशेषज्ञ गेंदबाज के रूप में हार्दिक पंड्या पर ही निर्भर नहीं रह सकता है जिन पर ऑलराउंडर की अपनी भूमिका निभाने के लिए काफी दबाव है।

बल्लेबाजों में रोहित ने पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ सकारात्मक रवैया अपनाकर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन कप्तान से शीर्ष तीन में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। भारत का पिछले दो मैचों में हार का कारण अनुभवी भुवनेश्वर कुमार की डेथ ओवरों की खराब गेंदबाजी रही। उन्होंने दोनों मैचों में 19वें ओवर में काफी रन लुटाए जिसके कारण दोनों मैच में युवा अर्शदीप सिंह को आखिरी ओवर में सात रन बचाने की मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ा।

करीबी मैच में अफगानिस्तान की पाकिस्तान से हार के साथ भारत एशिया कप से बाहर

शारजाह, 7 सितंबर। पाकिस्तान ने नसीम शाह (14 नादाब) के आखिरी दो गेंदों पर दो छक्कों की बदौलत अफगानिस्तान को एशिया कप के करीबी मैच में बुधवार को एक विकेट से हराया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 130 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने नौ विकेट गंवाकर 19.2 ओवर में हासिल कर लिया

पाकिस्तान को आखिरी तीन ओवर में 25 रन चाहिये थे, लेकिन 18वें ओवर में मोहम्मद नवाज़ और खुशदिल शाह का विकेट गिरने के बाद मैच अफगानिस्तान की झोली में आ गया। 19वें ओवर में हारिस रउफ और आसिफ अली के आउट होने पर पाकिस्तान नौ विकेट गंवा चुका था, जबकि उसे छह गेंदों में 11 रनों की दरकार थी। 10वें नंबर के बल्लेबाज नसीम शाह ने यहां 20वें ओवर की पहली दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर पाकिस्तान को जीत दिलायी। एशिया कप के फाइनल में पहुंचने के लिये भारत की उम्मीदें अफगानिस्तान पर निर्भर थीं, और उसकी हार के साथ भारत का एशिया कप अभियान भी समाप्त हो गया।

अफगानिस्तान ने दूसरी पारी के पहले ओवर में ही कप्तान बाबर आजम का विकेट लेने के साथ पाकिस्तान पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। बाबर एशिया कप में पहली गेंद पर आउट होने वाले पहले पाकिस्तानी कप्तान बने। फखर जमान (05) नजीबुल्लाह जादरान के शानदार थ्रो की बदौलत रन आउट हो गये।

मोहम्मद रिजवान (20) का विकेट गिरने के बाद इफ्तिखार अहमद और शादाब खान ने पाकिस्तान की पारी को पटरी पर लाते हुए चौथे विकेट के लिये 42 रन की साझेदारी की। इफ्तिखार ने 33 गेंदों पर 30 रन बनाये और पारी की रफ्तार बढ़ाने के प्रयास में कैच आउट हो गये। अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने 17वां ओवर राशिद खान को सौंपा जिन्होंने 26 गेंदों पर 36 रन बनाने वाले शादाब का बहुमूल्य विकेट निकाला। इसके बाद पाकिस्तान ने त्विरत अंतराल पर विकेट गंवाये। 18वें ओवर में फारूकी ने मोहम्मद नवाज (04) और खुशदिल शाह (एक) को आउट किया जबकि 19वें ओवर में फरीद अहमद ने हारिस रउफ और आसिफ अली (16) को पवेलियन लौटाया।

लगातार 13वीं जीत के साथ सेमीफाइनल में गार्सिया

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। फ्रांस की कैरोलीन गार्सिया ने अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। गार्सिया ने मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में गॉफ को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में हराकर लगातार 13वीं जीत दर्ज की। यह किसी बड़े आयोजन में गार्सिया का पहला सेमीफाइनल है, जहां वह ट्यूनीशिया की ऑन्स जब्योर का सामना करेंगी।

2017 के बाद अपना पहला बड़ा क्वार्टरफाइनल खेलते हुए गार्सिया ओपन एरा में यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली तीसरी फ्रांसीसी महिला बन गयीं। इनसे पहले फ्रांस की अमेली मॉरेस्मो (2002, 2006) और मैरी पीयर्स (2005) ऐसा कर चुकी हैं। गार्सिया मंगलवार रात गॉफ के खिलाफ तीसरे मुकाबले में अपनी पहली जीत तलाश रही थीं। इससे पहले दोनों खिलाड़ी दोहा में आमने-सामने आयी थीं जहां गॉफ ने बाजी मारी थी।

गार्सिया ने जीत के बाद कहा, "यह बहुत ही करीबी मैच था। हर पॉइंट, हर गेम बहुत मुश्किल था। आज मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं कि मैं मुकाबले में अपनी भावनाओं को काबू में रख पाई।" गॉफ भी शानदार फॉर्म में चल रही थीं और उन्होंने क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये चीन की झांग शुआई को हराया था, लेकिन वह गार्सिया की बाधा को पार नहीं कर सकीं। दिन के दूसरे क्वार्टरफाइनल में ट्यूनीशिया की ऑन्स जब्योर ने ऑस्ट्रेलिया की अजला टॉमलानोविक को 6-4, 7-6 (4) से मात दी।

खचानोव ने किर्गियोस को हराकर सेमीफाइनल में कदम रखा

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। रूस के कारेन खचानोव ने करीबी मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस को हराकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनायी। 27वीं सीड खचानोव ने तीन घंटे 39 मिनट चले क्वार्टरफाइनल में किर्गियोस को 7-5, 4-6, 7-5 6-7(3) 6-4 से हराया। रूसी खिलाड़ी ने जीत के बाद कहा, शुरू से अंत तक यह एक शानदार प्रदर्शन था। मैं वहां अंत तक रहा और अपने मौकों का इंतजार किया। मैंने कुछ मौके बनाये भी। मैं बेहद खुशी, बेहद गौरवान्वित हूं कि मैं मैच को समाप्त कर पाया। मैच पॉइंट के लिये सर्विस करना कभी आसान नहीं होता है। मैं खुश हूं कि मैं ऐसा करके अपने पहले सेमीफाइनल में जगह बना पाया। छब्बीस वर्षीय खचानोव साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत एटीपी लाइव रैंकिंग में 13 पायदान की छलांग लगाकर 18वें स्थान पर आ गये हैं। अगर वह टूर्नामेंट जीतते हैं तो शीर्ष-10 में भी पहुंच सकते हैं। दूसरी ओर, किर्गियोस ने भी ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले एलेक्स डी मिनौर को पछाड़ कर 19वां स्थान हासिल कर लिया है। किर्गियोस ने हार के बाद कहा, बेशक, मैं निराश हूं लेकिन सारा श्रेय कारेन को जाता है। वह एक योद्धा हैं। मेरे अनुसार उन्होंने आज बहुत अच्छी सर्विस की। सच कहूं तो मैंने इस टूर्नामेंट में जिन खिलाड़ियों का सामना किया उनमें शायद यह सर्वश्रेष्ठ सर्विस वाले हैं। खचानोव का सामना सेमीफाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड से होगा, जो गत चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के बाहर होने के बाद एटीपी की शीर्ष रैंकिंग बनने के प्रयास में हैं। रूड ने दिन के पहले क्वार्टरफाइनल में इटली के मैटियो बेरेटेनी को 6-1, 6-4, 7-6(4) से हराया।

लेनी होगी जिम्मेदारी : रोहित

दुबई, 7 सितम्बर। श्रीलंका के हाथों सुपर फोर चरण के मैच में छह विकेट से मिली हार के बाद एशिया कप से बाहर होने की कगार पर खड़ी गत चैम्पियन भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम 10 . 15 रन पीछे रह गई । जीत के लिये 174 रन का लक्ष्य श्रीलंका ने एक गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया । भारत के लिये रोहित (41 गेंद में 72 रन) को छोड़कर कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका । रोहित ने मैच के बाद कहा ," हमें 10 . 15 रन और बनाने चाहिये थे । बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से खेलना होगा और शॉट्स चयन में सतर्क रहना होगा ।" उन्होंने कहा ," यह टीम लंबे समय से अच्छा खेल रही थी । इस तरह की हार से एक टीम के रूप में सीखने को मिलेगा ।" उन्होंने अपने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा ," जिस तरह की शुरूआत श्रीलंका ने की थी , हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया । स्पिनरों ने काफी आक्रामक गेंदबाजी की लेकिन श्रीलंका ने दबाव का बखूबी सामना किया ।" श्रीलंका के कप्तान और 'प्लेयर आफ द मैच' दासुन शनाका ने कहा ," ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास जबर्दस्त है । दिलशान और तीक्षणा ने बेहतरीन गेंदबाजी की । पहले मैच के बाद अपनी गलतियों से सबक लेकर खेला ।" उन्होंने कहा ," पाथुम और कुसल ने टीम को अच्छी शुरूआत की जिसे मैने और राजपक्षा ने आगे बढ़ाया ।

राजधानी

गहलोत, आचार्य प्रमोद व संयम लोढ़ा ने जन्मदिन पर सचिन पायलट को बधाई दी

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन से 1 दिन पूर्व जहां जयपुर में पूरे राजस्थान से आए उनके समर्थकों का जमावड़ा रहा और उन्होंने अपने नेता को जन्मदिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी। वहीं जन्मदिन 7 सितंबर बुधवार को बड़ी संख्या में पक्ष- विपक्ष के नेताओं की ओर से बधाइयों का सिलसिला जारी रहा। इस सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया के भारत में हाई कमिश्नर बैरी ओ फॉरेल से लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और हमेशा कटाक्ष की भाषा बोलने वाले मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने बधाइयां दी। प्रियंका गांधी के नजदीकी और हमेशा ही सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी करने वाले आचार्य प्रमोद कृष्णन ने लिखा है कि "भावी मुख्यमंत्री को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें..... जय श्री कल्कि, जय जय परशुराम।"

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट को बधाई देते हुए लिखा "मैं आपके सुखी और लंबे स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।" राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी अजय माकन ने लिखा "सचिन पायलट को जन्मदिन के अवसर पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। आपके सफल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं।"

विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने पायलट को बधाई देते हुए लिखा "टोंक विधायक व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।" राज्य के पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा ने लिखा "पूर्व उप-मुख्यमंत्री, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं टोंक विधायक सचिन पायलट को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।" खेल और युवा मामलों के मंत्री अशोक चांदना ने बधाई में कहा "राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं। बाबा भोलेनाथ से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।" वहीं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने लिखा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और राजस्थान के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिन के अवसर पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना करता हूँ।

■ **आचार्य प्रमोद कृष्णन ने लिखा "भावी मुख्यमंत्री को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें...जय श्री कल्कि, जय जय परशुराम"**

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने लिखा कि राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। मुख्यमंत्री के सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने सचिन पायलट को जन्मदिन पर बधाई देते हुए लिखा "आप हमेशा यूं ही मुस्कुराते रहें।"

राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बधाई देते हुए लिखा "पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान कांग्रेस, सचिन पायलट को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।"

इनके अलावा शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, कांग्रेस के पूर्व सांसद नवीन जिंदल, राजस्थान भाजपा विधायक दल के उप नेता राजेंद्र राठौड़, विधायक रामलाल शर्मा सहित राजस्थान के अनेक विधायकों, बोर्ड निगमों के अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं ने भी सचिन पायलट जन्मदिन पर बधाइयां दी है।

पायलट के जन्मदिन पर प्रदेश भर में हुए कई कार्यक्रम

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन के मौके पर बुधवार को भी राजस्थान भर में अनेक स्थानों पर वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर और गरीबों को भोजन कराने के कार्यक्रम आयोजित किए गए। पायलट के जन्मदिन के मौके पर 45 पेड़ लगाए गए। अग्रवाल महासभा की चेयरपर्सन शशि गुप्ता की ओर से विद्याधर नगर के विभिन्न पार्कों में रखे गए वृक्षारोपण कार्यक्रम में अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, जिला अध्यक्ष किशन अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, बेबीजी, दया देवी, सविता देवी, प्रेमदेवी ने मिलकर 45 पेड़ लगाए। पायलट के जन्मदिन के मौके पर जयपुर के राजा पार्क स्थित पंचवटी सर्किल के पास सचिन पायलट समर्थकों की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान किया। जयपुर में ही प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव सुरेश मिश्रा की ओर से जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सचिन पायलट के जन्मदिन के मौके पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।

■ **जयपुर, जालौर, धौलपुर, हनुमानगढ़ सहित कई विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे दिन भी हुए पायलट के जन्मदिन के कार्यक्रम**

जालोर शहर में पायलट के 45वें जन्मदिवस पर पायलट के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना के साथ कार्यकर्ताओं ने केक काटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। नगर परिषद पार्षद बसंत सुथारने बताया कि आज जालोर में युवाओ के प्रेरणास्त्रोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिवस के अवसर पर तीन इंदिरा रसोई में जनता के लिए विशेष मैन उसके साथ में निशुल्क भोजन की व्यवस्था रखी गई जिसमें सैकड़ों लोगों ने भोजन किया। वहीं पायलट का 45 वां जन्मदिवस 7 सितंबर बुधवार को धौलपुर में भी मनाया गया। जहां पर कार्यकर्ताओं के निजी पार्कों में धौलपुर जिला महिला कांग्रेस, सेवादल, युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने वृक्षारोपण किया।

अन्याय के खिलाफ किसान आवाज उठायें : चन्द्रशेखर

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय, जयपुर में प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ एवं प्रदेश स्तरीय बैठक में मोर्चे के प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलाध्यक्ष, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी, सोशल मीडिया प्रदेश टीम एवं सोशल मीडिया जिला प्रभारी उपस्थित रहें।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने मोर्चे के प्रत्येक पदाधिकारियों से आ ान किया कि वह अपने-अपने ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ, किसान विरोधी इस कांठोस सरकार में किसानों के साथ हो रहे अन्याय एवं अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठायें। मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में कांठोस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जमाफी का इंतजार कर रहा है। काग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी। साथ ही बिजली कटौती करके किसानों के साथ में धोखा किया। ऐसी निकम्मी सरकार को आने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश का किसान सबक सिखाएगा।

■ **कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जिसका किसान आज भी कर रहा इंतजारः हरिराम रणवां**

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मोर्चा प्रदेश प्रभारी नारायण सिंह देवल ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया एवं उन्होंने कहा कि कांठोस सरकार के समय कृषि बजट 25 हजार करोड़ का था, जिसे केन्द्र की मोदी सरकार ने 1 लाख करोड़ का बढ़ाया दिया, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया।

भगवान भरोसे प्रदेश का गोवंश : डॉ. पूनियां

जयपुर। राजस्थान प्रदेश के जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जालोर, सिरोही सहित समस्त जिलों में लम्पी संक्रमण गायों व अन्य पशुओं में तेजी से फैल रहा है, जिससे लाखों गायों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक गोवंश संक्रमित है, ऐसे में राज्य सरकार के स्तर पर लम्पी संक्रमण को रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना की जरूरत है, लेकिन सरकार ने गायों को भगवान भरोसे छोड़ रखा है। लम्पी संक्रमण से गायों को बचाने के लिए राज्य सरकार के स्तर पर ना तो उचित उपचार की सुविधा है और ना ही राज्य सरकार गायों के वैक्सीनेशन पर ध्यान दे रही है, ऐसे में लाखों गाय काल कवलित हो चुकी है, जिनके शवों के निस्तारण के लिए गहलोत सरकार जमीन भी उपलब्ध नहीं करा पा रही है।

खुले में मृत गायों से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में संक्रमण फैलने के गम्भीर हालात हैं, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश के गोवंश को बचाने के लिए दवाई, वैक्सीनेशन और ईलाज उपलब्ध कराने के प्रति संवेदनहीन बने हुए हैं।

प्रदेश में 193 नए करोना संक्रमित मिले बुधवार को

पिछले चौबीस घंटों में सबसे ज्यादा 34 नए संक्रमित अलवर में मिले, जबकि जयपुर में 31 रोगी पाए गए हैं

जयपुर। प्रदेश में थोड़े बहुत उतार-चढ़ाव के बीच बुधवार को 193 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इस बीच राज्य में नए मरीजों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर साढ़े सत्रह सौ के करीब आ गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को थोड़ी वृद्धि के बाद 193 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 111 मरीज पाए गए थे। इधर राज्य में सबसे ज्यादा 34 नए मरीज अलवर जिले में मिले हैं। वहीं राजधानी जयपुर में 31 संक्रमित सामने आए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 25, राजसमंद में 23, चित्तौड़गढ़ में 14, सीकर व दौसा में 9-9, कोटा में 8, सवाई माधोपुर व उदयपुर में 7-7, नागौर में 5, जैसलमेर में 4, भरतपुर, प्रतापगढ़ व झालावाड़ में 3-3, अजमेर, बीकानेर व हनुमानगढ़ में 2-2 तथा बारां और पाली में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच जांच के लिए 16 हजार 544 सैम्पल लिए गए।

■ **राज्य में लगातार रिकवरी बेहतर होने से एक्टिव केस घटकर साढ़े सत्रह सौ के करीब आ गए हैं।**

प्रदेश में बुधवार को 227 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 1755 रह गए हैं। जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 47 मरीजों के रिकवर होने से 505 एक्टिव केस रह गए हैं। इसके अलावा जोधपुर में 169 और अलवर में 146 लोगों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक इस बीमारी से 9628 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में 18 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 नए संक्रमित जगतपुरा में मिले हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 3, गांधी नगर, मानसरोवर व सांगानेर में 2-2 तथा अजमेर रोड, दूदू, दुर्गापुरा, जामडोली, जवाहर नगर, झोटवाड़ा,कोटपूतली, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, सोड़ाला और विद्याधर नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 4 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

जलापूर्ति के लिए 52.30 करोड़ की स्वीकृति

जयपुर, (कासं)। बांसवाड़ा के बागीदौरा विधानसभा स्थित जनजाति क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले 7000 से अधिक निवासियों को अब आसानी से पेयजल उपलब्ध होगा। यहां की कृषि योग्य लगभग 1410.63 हैक्टेयर भूमि पर फव्वारा पद्धति से सिंचाई करना भी आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सिंचाई व पेयजल जलापूर्ति के लिए जलदा माईनर लिफ्ट योजना हेतु 52.30 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है।

गहलोत की इस वित्तीय स्वीकृति से बोडीगामा, पाटन, जलदा, पटेलिया एवं हमीरपुरा गांवों के निवासी लाभान्वित होंगे। योजना के लिए अरथूना वितरिका के आरडी 1.92 कि.मी. से पानी लिया जाएगा। इसमें जलदा की 415.88 हैक्टेयर, बोडीगामा की 365.63 हैक्टेयर, हमीरपुरा की 259.21 हैक्टेयर, पाटन की 169.85 हैक्टेयर, पटेलिया की 200.06 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा।

'पूर्व सरपंच के हत्यारों को गिरफ्तार नहीं किया तो जनआंदोलन किया जाएगा'

टोंक/निवाई, (निसं)। पूर्व सरपंच हनुमान मीणा के हत्यारों को गिरफ्तार नहीं करने पर आक्रोशित सर्व समाज की आमसभा का आयोजन हुआ। बुधवार को पहाड़ी तिराहे पर आयोजित सर्व समाज की आमसभा में सांसद डॉ. करोडीलाल मीणा ने शिरकत की।

इस अवसर पर मीणा ने कहा कि पूर्व सरपंच हनुमान मीणा की एफएसएल की रिपोर्ट आने पर जानकारी मिली कि उसकी मौत जहर के कारण हुई है। पुलिस हत्यारों को नहीं पकड़ रही है जिससे पुलिस की कार्यशैली पर संदेह है। सांसद मीणा ने कहा कि पुलिस हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करती है तो एक विशाल जन आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में राज्य में कानून व्यवस्था पूरी चौपट हो चुकी है। आये दिन लूट, डकैती, बलात्कार और हत्याएं की घटनाएं हो रहीं हैं। लेकिन राज्य सरकार आरोपियों को पकड़ने में विफल रही है। सांसद मीणा ने कहा कि पूर्व सरपंच हनुमान के हत्यारों को पकड़ने के लिए सर्व समाज लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगा। हत्यारों को सजा दिलवाकर परिजनों को न्याय दिलवाया जाएगा।

■ पहाड़ी तिराहे हुई सर्व समाज की आमसभा में राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी मीणा ने की घोषणा

सर्वसमाज की आम सभा को राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने संबोधित किया।

आम सभा के बाद सांसद डॉ.मीणा सैंकडों लोगों के साथ टोंक के लिए रवाना हो गए। जहां मीणा के नेतृत्व में सर्व समाज के लोगों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर करीब एक घंटे तक नारे लगाए और प्रदर्शन किया। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी को ज्ञापन देकर हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर टोंक में 10 अक्टूबर को जनआंदोलन करने की चेतावनी दी गई।

इस मौके पर पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, पूर्व विधायक कमल बैरवा, प्रधान रामवतार लांगडी, पूर्व प्रधान चन्द्रकला गुर्जर, भाजपा नेता सतीश चंदेल, पूर्व प्रधान खेमराज मीणा, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, भाजयुमो जिलाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा जयसिंहपुरा, छोटू महाराज झिलाय, दीपक संगत, पूर्व प्रधान शीला मीणा, सहित हनुमान हनोतिया के परिवारजन व सैकडो निवाई क्षेत्र के लोग चौपहिया व दुपहिया वाहनों पर सवार होकर नारेबाजी करते हुए निवाई से टोंक में रैली के रुप में प्रदर्शन करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे।

यादव समाज की 195 प्रतिभाएं सम्मानित

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के भगतपुरा मौहल्ले में स्थित राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण में बुधवार को यादव उत्थान समिति द्वारा वाल क्षेत्र यादव समाज का 5वां प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि युवा प्रान्तीय यादव महासभा अध्यक्ष महेंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि में डॉ.इन्द्रदेव यादव, रामनिवास यादव, सरपंच संघ अध्यक्ष रामेश्वरदयाल यादव, सरपंच अमिता यादव आदि अतिथियों का समिति की ओर से स्मृति चिन्ह देकर एवं साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि महेंद्र यादव ने समाज के लोगों व प्रतिभाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है। ऐसे सम्मान समारोह के आयोजनों से समाज की प्रतिभाओं को आगे बढने का मौका मिलता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समिति अध्यक्ष अर्जुनलाल यादव ने कार्यक्रम में आये समाज के प्रबुद्धजन एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर समाज के कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये । सम्मान समारोह में समिति द्वारा समाज के नवनियुक्त सरकारी कर्मचारी, कक्षा 10, 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक व स्नातक, बीएड, नेट सलेक्ट, बीटेक आदि में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली समाज की 195 प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

पायलट के जन्मदिन पर 1100 पौधे लगाये

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट के जन्मदिन पर पौधारोपण किया।

टोंक, (निसं)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, उज्जवल भविष्य की मनोकामनाओं के साथ उनके 45वें जन्मदिन के अवसर पर राजीव गांधी विधि महाविद्यालय टोंक, यशमोहन महाविद्यालय सोहेला, बरोनी पंचायत में लगभग 1100 पौधों का रोपण कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी टोंक के निवर्तमान जिलाध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता के नेतृत्व में किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता जर्रार खांन ने बताया कि इस अवसर पर शिवजी राम मीणा, देहात ब्लॉक अध्यक्ष रामसिंह मुकुल, जहूरूद्दीन टोडा, हंसराज चौधरी गाता, शंकर दादिया, मोहन मीणा, दामोदर चांवला, शाकिर खांन, प्रमोद, मोहन मीणा, भरत अवाना, रामनिवास दायल, रामप्रसाद, अजमल देवपुरा, देवनारायण गुर्जर के अलावा बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकत्ता द्वारा अलग-अलग क्षेत्र वृक्षारोपण के कार्यक्रम में पौधारोपण किया। वहीं रेल लाओ संघर्ष समिति अध्यक्ष अकबर खान ने रात्रि 12.1 मिनट पर बस स्टैंड पर भव्य आतिशबाजी कर लोगों का मुंह मीठा कराया। इस मौके प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद खांन, पटेल भोजा राम गुर्जर, खुर्शीद खान, अजीज उल्लाह शिरानी, अबरार अहमद, उपाध्यक्ष आसिफ खान, आशीष, रामस्वरूप चौधरी, रामधन गुर्जर आदि मौजूद थे।

नेत्र रोगियों का उपचार किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के आर्थिक सहयोग से नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर सनराइज के सौजन्य से बुधवार को भामाशाह ठेकेदार प्रभुदयाल कुमावत के आर्थिक सहयोग से स्व. चौधरी नाथु राम भामू रोटरी भवन में किया गया। शिविर में आखों की मोतियाबिंद की 74 मरीजों की जांच करते हुए 28 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन के लिए का चयन किया गया। ऑपरेशन के लिए चयनित लाभार्थियो का ऑपरेशन जयपुर स्थित शंकरा आई हॉस्पिटल में नि:शुल्क किया जाएगा जांच तथा मोतियाबिंद के लेंस प्रत्यारोपण एवं जयपुर आने और आने से सम्बंधित सभी सुविधाएं नि:शुल्क दी जाएगी।

आम सूचना मेरे मुवक्किल श्री मोहम्मद अकरम पुत्र श्री अब्दुल हफीज आयु 47 वर्ष जाति मुसलमान निवासी मकान नम्बर 829 मौहल्ला इमाम चौक, बांस बदनपुरा जयपुर के पुत्र मोहम्मद अमान उर्फ शब्बू जो कि अपनी मर्जी मुताबिक अपनी जिन्दगी बसर कर रहा है तथा वह मेरे मुवक्किल के कहने में नहीं रहता है तथा अपनी ही मर्जी के सारे काम करता है इसलिये मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। सभी को आम सूचना दी जाती है कि कोई भी मेरे पुत्र से कोई सव्यवहार करेगा तो उसके लिये मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
जयपुर/दिनांक रिजवान खान (एडवोकेट) मो.9929935527

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हम अशोक कुमार जौहरी पुत्र श्री रामवतार जौहरी, उम्र 62 साल एवं शकुन्तला जौहरी पत्नी अशोक कुमार जौहरी उम्र 60 साल निवासीयान डी-6 लाल बहादुर नगर केसर मार्ग मालवीय नगर जयपुर दोनों वरिष्ठ नागरिक वृद्ध है तथा हमारे तीन पुत्र 1. मनमोहन जोहरी, 2. सोहन जोहरी, 3. नवरतन जोहरी एवं एक पुत्री हंसा बामलवा है पुत्री की शादी होने के बाद अपनी ससुराल में रहती है। तथा हमारे उक्त तीनों पुत्र उक्त मकान में जो अपनी अपनी मंजिल में अलग अलग रहते है तथा अपने परिवार को पालते है तथा हमने तीनों पुत्रों को अपनी सहमति से अलग किया है हमने इस संबंध में दिनांक 9.3.21 की पारिवारिक समझोता भी लिखा है। जिसमें सभी शर्ते लिखी है। अतः अगर इन तीनों में ही कोई भी पुत्र पुत्रवधु कोई आपराधिक घटना घटित करते है तो उसमें हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है।
अशोक कुमार जौहरी व श्रीमती शकुन्तला जौहरी मो. नंबर-9828113656

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजीव कुमार पुत्र श्री राम लाल, निवासी लेगों का बास, ग्राम उंचाएडा खुर्द, तहसील मेडतासिटी, जिला नागौर राजस्थान राज्य ने प्लाट नम्बर 78, कनक वृन्दावन, ग्राम दहमी कलां, तहसील सांगानेर जिला जयपुर, क्षेत्रफल 130.20 वर्गगज को खरीद कर लिया है एवं उक्त प्लाट के मूल दस्तावेजात की श्रृंखला में से दिनांक 16.02.2009 का विक्रय पत्र लिखा हुआ, जिसका पंजीयन क्रमांक 2009399000584 व दिनांक 16/2/2009 का विक्रय पत्र लिखा हुआ, जिसका पंजीयन क्रमांक 2013399003032 है, कहीं गुम हो गई है, यदि किसी व्यक्ति का उक्त सम्पत्ति में उत्तराधिकार, विक्रय, रहन, लीज, दान व अन्य किसी प्रकार से अधिकार या हक हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष सात दिवस में अपना अधिकार या हक मय दस्तावेज प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त सम्पत्ति पर रहन कर लिया जायेगा एवं उसके पश्चात किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा तथा ना ही मेरे मुवक्किल AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED पर बाध्यकारी होगा। भुवनेश जैन, एडवोकेट, मो. 9828025372

पौधारोपण किया

कोटपूतली, (निसं)। एलबीएस पीजी महाविद्यालय में छात्रसंघ अध्यक्ष अतुल खारडिया द्वारा अपने जन्मदिन पर पौधारोपण किया गया। इस दौरान प्रो. सुरेश यादव, अशोक कुमार चौहान, राजपाल सिरोहीवाल आदि मौजूद रहे।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

विधायक ने सड़कों का शिलान्यास किया

विधायक इंद्राज गुर्जर व चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल ने 8 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया।

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक इंद्राज गुर्जर के मुख्य आतिथ्य व पावटा प्रागपुरा नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल की अध्यक्षता में फीता काट कर 8 करोड की लागत से बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ लोगों की सेवा करना ही मेरी पहली प्राथमिकता है। विधानसभा क्षेत्र के सभी जर्जर एवं कच्ची सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा। मेरा प्रयास है कि मैं विराटनगर के प्रत्येक ग्राम पंचायत के साथ-साथ गांव व ढाणियों को आपस में सड़कों के माध्यम से जोड सकूं। सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों के लोगों तक पहुंचे। इसके लिए लोगों की मदद करता रहता हूं।

इस मौके पर पूर्व जिला पार्षद जगदीश मीणा, एम एम ग्रुप निदेशक मनोज मित्तल, कांग्रेस नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल पंसारी, कांग्रेस ब्लॉक उपाध्यक्ष अजय सैनी, बीएल आर्य, विनोद यादव, पप्पू स्वामी, राजेश यादव, शिभूदयाल हाडिया, चौबा ला सरपंच प्रतिनिधि राजू धनकड, मेड सरपंच प्रतिनिधि मनोज रातावाल, मनोज अग्रवाल सहित कांग्रेस जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

निष्पक्ष जांच की मांग

दौसा, (निसं)। गत 30 जुलाई को खान भांकरी की पहाड़ी की तलहटी में एक युवक के क्षत विक्षिप्त शव मिलने के बाद गुस्साये परिजनों ने बुधवार को जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया तथा पुलिस ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये न्याय की गुहार लगाई।

■ भांकरी की पहाड़ी की तलहटी में क्षत विक्षिप्त शव मिलने का मामला

करौली जिले के लादया की ढाणी लालसर निवासी मृतक के भाई सुभाष गुर्जर ने अज्ञात लोगों पर हत्या का अंदेशा जताते हुए कहा उसका भाई करतार सिंह दौसा के गणेश नगर में रहता था। वह हर शनिवार को खान भांकरी की पहाड़ी पर स्थित बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए जाता था। 30 जुलाई को सुबह 11 बजे बाइक लेकर बालाजी के दर्शनों को निकला था। घर से निकलने के 10 घंटे बाद युवक का शव बालाजी की पहाड़ी की तलहटी में लहूलुहान हालत में मिला। पहाड़ी की तलहटी में शव पडें होने की सूचना पर सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी। इस संबंध में परिजनों ने हत्या का अंदेशा जताते हुए सदर थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था।

एक दिवसीय शूटिंग वॉलीबाल प्रतियोगिता

पावटा, (निसं)। पावटा प्रधान पूजा चौधरी के एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा के खेल मैदान में ग्राम पंचायत सरपंचों व पंचायत समिति सदस्यों व जिला पार्षदों के संयुक्त तत्वावधान में चल रही एक दिवसीय सद्भावना शूटिंग वॉलीबाल प्रतियोगिता का विधिवत रूप से समापन पावटा प्रधान पूजा चौधरी व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी की अध्यक्षता व पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक शाहपुरा राव राजेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

■ भांकरी, चौबाला, खेलना, जोधपुरा टीम विजय रही

पावटा प्रधान पूजा चौधरी व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, मुख्य अतिथि राव राजेंद्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक डॉ. फूलचंद भिंडा, पावटा सरपंच संघ अध्यक्ष प्रह्लाद माठ, नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला अग्रवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, पावटा पूर्व सरपंच व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, सरपंच मदन यादव, सरपंच श्रवन सिंह, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष मेहरसिंह धनकड, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कैलाश ताखर, राजस्थान ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, पावटा ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश शर्मा, महामंत्री चंद्र प्रकाश गौड, दिनेश शर्मा, एसटी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष कन्हैयालाल मीणा, एससी मोर्चा जिला महामंत्री बद्री प्रसाद चौहान, कोटपुतली पूर्व कृषि मंडी चेयरमैन सुरेश गिठाला, शिवपाल राठी, सरपंच कैलाश स्वामी, महेश लंबोरा, काशीराम लंबोरा, जीएल यादव, पार्षद विजय गुप्ता, पार्षद मोठु गढवाल, जिला पार्षद तेजपाल धनवाडिया, महामंत्री मुखराम धनकड, पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल, रोहिताश ताखर, कृष्ण ओला, मंडल अध्यक्ष जयराम सिंह, प्रकाश राठी, विरेंद्र राठी, हिमांशु गौड, राजस्थान ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, पावटा ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष सुरेश शर्मा, महामंत्री चंद्र प्रकाश गौड ने विजेता टीम के सभी खिलाडियों को माला पहनाकर स्वागत किया। पावटा प्रधान पूजा चौधरी द्वारा आयोजित शूटिंग वॉलीबॉल प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पर भांकरी टीम, द्वितीय स्थान पर चौबाला की टीम, तृतीय स्थान पर खेलना टीम, चतुर्थ स्थान पर जोधपुरा टीम को घोषित नकद इनाम व स्मृति चिन्ह के रूप में ट्रॉफी देकर समानित किया गया।

सीवरेज के लिए स्वीकृति जारी

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे में जल्द ही सीवरेज लाइन निर्माण का कार्य शुरू हो जायेगा। इसके लिए राज्य सरकार ने बुधवार को कोटपूतली शहर में सीवरेज लाइन निर्माण हेतु 196 करोड़ 14 लाख रूपयों की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी की है।

इस राशि से जयपुर दिल्ली हाइवे के पूर्व दिशा में स्थित पुराने शहर में सीवरेज लाइन बिछाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि शहर में जल भराव की समस्या को लेकर 27 साल पहले वर्ष 1996 में नगर पालिका प्रशासन ने पहली बार सीवरेज के लिए प्रस्ताव लिया था। क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा एवं गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की अनुशंषा पर प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 21 मार्च 2022 के बजट भाषण में कोटपूतली शहर में सीवरेज लाईन डलवाने की घोषणा की थी। जिसकी अनुपालना में स्वायत्त शासन विभाग ने शहर में बनने वाली सीवरेज लाईन के लिए प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी की है।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rrajasthan.gov.in
Phone No. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/1595 दिनांक-07.09.2022
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा फ्लैट संख्या डीडब्ल्यूआर/ए-303 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 40.480 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्रीमती परमेश्वरी पत्नी श्री हिशमत रॉय को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5355 दिनांक 22.03.2019 को जारी किया गया। इसके पश्चात श्रीमती परमेश्वरी द्वारा श्री राजेश जैन पुत्र श्री नेमीचन्द जैन को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त कर दिया गया। मुख्त्यारनामा आम धारक द्वारा उक्त फ्लैट का भौतिक कब्जा दिनांक 08.05.2019 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 718 दिनांक 07.11.2019 को श्री नेमीचन्द जैन पुत्र श्री भागीरथ जैन के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 05.12.2019 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री नेमी चन्द जैन की मृत्यु दिनांक 14.06.2021 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती बुलबुल कँवर जैन पत्नी स्व. श्री नेमी चन्द जैन ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। श्रीमती बुलबुल कँवर जैन पत्नी स्व. श्री नेमी चन्द जैन के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त फ्लैट का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती बुलबुल कँवर जैन पत्नी स्व. श्री नेमी चन्द जैन के पक्ष में उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीया माताजी **श्रीमती प्रेम देवी जांगिड** (सामरिया) धर्मपत्नी स्व. श्री भंवर लाल शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 06.09.2022 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 08.09.2022 को सांय 4:00 से 5:00 बजे तक श्री चित्रगुप्त ट्रस्ट, जयपुर, पंचायती बगीची, माथुर कायस्थान, कल्याण जी का रास्ता इंदिरा बाजार, जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- राजेश, राकेश, श्याम सुंदर (पुत्र), प्रथम (पौत्र), प्रमोद, अशोक, महेश, अजय (जेढूता) एवं समस्त सामरिया परिवार।
मो.नं.9928157811, 9414390287

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है मेरी प्यारी बहू **नैना देवी** (पत्नी श्री हीरानंद करमचंदानी) का स्वर्गवास हो गया। तीये की बैठक 8.9.2022 गुरुवार को सायं 5.00 बजे (जनाना मर्दाना) झूलेलाल मंदिर कंवर नगर जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- जेठीबाई धर्मपत्नी (स्व. श्री खेमचंद) (सास), अर्जुनदास, जवाहरलाल, सुखदेव, प्रहलादराय, (जेठ), सविता (पुत्री), नीलम- हेमन्त भाला, (पुत्री- दामाद), अमृतलाल, श्यामलाल, धर्मेंद्र, राम, सागर, आकाश (भतीजे) समस्त करमचंदानी परिवार। फर्मः- सुख सागर, सहेली, सचिन टैक्स, लॉर्ड्स, सुरेश एल.आई.सी. ऐजेंट, सहेली डिजाइनर, सहेली क्रिएशन 9829179784

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी प्यारी बहू **नैना देवी** (पत्नी श्री हीरानंद करमचंदानी) का स्वर्गवास 6.9.2022 को हो गया। तीये की बैठक 8.9.2022 गुरुवार को सायं 5.00 बजे (जनाना मर्दाना) झूलेलाल मंदिर कंवर नगर जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- जेठीबाई धर्मपत्नी (स्वर्गीय श्री खेमचंद) (सास), हीरानंद (पति), मोहनदास, नोतनदास, किशोरकुमार, बूलचंद, हरिराम (जेठ), नंदलाल, गोपालदास (देवर) समस्त करमचंदानी परिवार। फर्मः- मोहन सिल्क स्टोर, पिंकी प्रिंट, कृष्णा स्टोर, कुंदोमल खानचंद, न्यू बाम्बे टैक्सटाइल, ओम श्री ट्रेडर्स, के.के. सन्स, कृष्णा प्रिंट्स, तरंग 9829179784

टीसी दिलाने की गुहार

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। बहरोड़ तहसील में निजी स्कूल संचालक विद्यार्थियों के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। उपखण्ड अधिकारी से टीसी दिलाने की गुहार लगाते संदीप कुमार निवासी तलवाड़ ने बताया कि पुत्र धर्मेंद्र यादव पिछले साल से यूनिक स्कूल बहरोड़ में पढ़ रहा था। 12वीं कक्षा में अन्य स्कूल में प्रवेश दिलाने के लिए स्कूल प्रबंधक से टीसी काटने की कही गई तो स्कूल प्रबंधक ने टीसी देने से मना कर दिया।

अभिभावक संदीप यादव ने बताया कि स्कूल के संचालक द्वारा टीसी नहीं देने के बाद ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बहरोड शशि कपूर के पास लिखित में शिकायत दी थी जिस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

हार थक कर वह 7 सितंबर को बहरोड उपखंड अधिकारी सचिन यादव के कार्यालय में पहुंचा तथा उपखंड अधिकारी बहरोड़ से उक्त संगीन मामले में अपने बच्चे के शिक्षा से वंचित रह जाने के मामले में कक्षा 12 के बोर्ड प्रवेश फार्म की अंतिम तिथि होने के वजह से टीसी दिलाने की गुहार लगाई। जिसको उपखंड अधिकारी बहरोड कार्यालय से अगले दिन संबंधित मामले की छानबीन कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। प्रार्थी ने बताया कि गरीब आदमी है मजदूरी का कार्य करता है अपनी खेती बाड़ी से काम चलाता है। यूनिक स्कूल संचालक सुमित द्वारा टीसी नहीं देने से अभिभावक के बच्चे का साल खराब हो जाएगा।

कलेक्टर को दवाई भेंट की

टोंक, (निसं)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मोहम्मद विकार खान द्वारा राजस्थान में गायों में फैल रही लंपी बीमारी से बचाव के लिए की 27000 गोलियां जिला कलेक्टर टोंक को जिला पशु विभाग में वितरण हेतु निशुल्क भेंट की गई।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मोहम्मद विकार खान बताया कि दवाइयां राजकीय पशु चिकित्सालय जिला टोंक में 10000 गोलियां, गांधी गौशाला टोंक में 13500 गोलियां, आजाद गोशाला छान में 5000 गोलियां, निवाई की गोशालाओं में वितरण हेतु भाजपा जिला महामंत्री प्रभु बाडोलिया को 11000 गोलियां एवं विभिन्न गौशालाओं हेतु 3500 गोलियां निशुल्क भेंट की जा चुकी हैं।

अब तक कुल 70000 गोलियां नि:शुल्क वितरित की जा चुकी है। कार्यालय जिला कलेक्टर में दवाई भेंट करने में साथ में शहर अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अब्दुल रज्जाक, आई टी संयोजक शहर मंडल दानिश अहमद, अरशद खान व मेहर अली मौजूद रहे ।

आम सूचना मेरी अभिभाष्या श्रीमती मधुदेवी पत्नि रंजीत सिंह 2, भुवनेश्वरी वाटिका ने महावीर स्वामी गृह नि.सह. स. द्वारा रमेश चन्द नरेडी को आवंटित प्लाट सं. 7 लक्ष्मी विहार-ए, मीनावाला जयपुर को क्रय करने का करार रमेश चन्द नरेडी से किया है। यदि इस संव्यवहार से किसी दीगर व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो सूचना की तिथि से 7 दिवस के भीतर आपत्ति प्रस्तुत करें। (शशांक मधुर)
दिनाक-8.9.2022 एडवोकेट, मो.9828334959

आम सूचना हर आम को सूचित किया जाता है कि भूमि खसरा नं.-1811, 1823, 1825, 1977, 2004/4552 रकबा 2.02 हैक्टेयर स्थित ग्राम खोनागोरियान तहसील सांगानेर, जिला जयपुर मेरे अभिभाष्य अब्दुल रसीद, अब्दुल मजीद, अब्दुल वहीद, अब्दुल सत्तार, जाकिर खान, शाकिर खान, गुलाब मोहम्मद, नवाब अली, मोहम्मद शरीफ, सलीमुद्दीन, शहजाद खान की शामलाती खातेदारी भूमि है, जिसे मेरे अभिभाष्यगण ने किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार से हस्तान्तरित नहीं किया है, कुछ लोग फर्जी बेचाननामा बताकर फर्जी आवंटन पत्र के जरिये प्लॉट विक्रय कर रहे है। अतः जो कोई भी उक्त भूमि में प्लाट क्रय करेगा वह व्यक्तिशः उत्तरदायी होगा। सूचित रहे।
जयपुर (हनुमान सहाय शर्मा) एडवोकेट
दिनांक-7.9.22 मो.नं. 9460146450

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि प्लाट नम्बर 16, जयसिंह नगर दिल्ली बाईपास जयपुर कुल क्षेत्रफल 216.66 वर्गगज का एक मात्र मालिक मोहम्मद अकील पुत्र मोहम्मद वजीर है। प्लाट के समस्त मूल दस्तावेजात भी मोहम्मद अकील के कब्जे में है। किसी अन्य से कोई भी उक्त प्लाट नहीं खरीदे। मोहम्मद अकील स्वयं उक्त प्लाट विक्रय कर रहा है, किसी को आपत्ती हो तो तीन दिन में बतायें। अन्यथा आपत्ती मान्य नहीं होगी।
जयपुर (फैजान हुसैन) एडवोकेट
दिनांक मो. 8824515124

न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश महोदय क्रम सं. 1 हिण्डौन सिटी पीठासीन अधिकारी श्री सीताराम मीना आर.एच.जे.एस. DP 638/25.7.22
राजेश कुमार 17/22 बनाम हरखास आम वगै.
प्रार्थना-पत्र बावत उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र
नोटिस हरखास आम
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेश कुमार पुत्र स्व. हरिचरण आयु 40 साल, जाति महाजन, निवासी प्रधान डाकघर के पास, हिण्डौन सिटी जिला करौली (राज.) ने इस न्यायालय में उपस्थित होकर मृतक पिता श्री हरिचरण, जाति महाजन, निवासी केशवपुरा, हिण्डौन सिटी के यूको बैंक शाखा हिण्डौन सिटी में कुबेर योजना जमा स्कीम के तहत चार सावधि जमा खाते क्रमशः 26020310008799 राशि 1,00,000/- खाता सं. 26020310008805 राशि 34,500/-, खाता सं. 26020310008812 राशि 1,38,000/- एवं खाता सं. 26020310015575 राशि 17,713/- तथा करंट खाता संख्या में जमा राशि 9,70,920.61/- कुल राशि 12,61,133.61/- को प्राप्त करने हेतु माननीय न्यायालय में प्रार्थनापत्र बावत उत्तराधिकार प्रमाणपत्र प्राप्त करने प्रार्थनापत्र पेश किया है। लिहाजा जिस किसी व्यक्ति को उक्त प्रार्थनापत्र को स्वीकार किये जाने में आपत्ति हो तो वह अपनी उपस्थिति इस न्यायालय में दिनांक 23.9.22 को समय 10 ए.एम. को असालतन या वकालतन उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे, वरना गुजरने उक्त दिनांक कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं प्रार्थना-पत्र एकतरफा में सुनकर फैसला कर दिया जावेगा। मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 25.7.22 को जारी किया गया।
(मुहर) सीनियर रीडर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-1 हिण्डौन सिटी जिला करौली

कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की अस्थि कलश यात्रा मालपुरा पहुंची

मालपुरा, (निसं)। गुर्जर आरक्षण आंदोलन के संरक्षक व एमबीसी समाज के मसीहा स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की प्रदेशभर में निकाली जा रही अस्थि कलश यात्रा का काफिला बुधवार को मालपुरा पहुंचा। दूदू से मालपुरा पहुंचे अस्थि कलश व उनके काफिले का दूदू रोड बहरिया बालाजी के पास मालपुरा विधानसभा क्षेत्र के गुर्जर समाज सहित सर्व समाज के लोगों ने जोरदार स्वागत कर कर्नल बैंसला को नमन किया।

■ सर्व समाज के हजारों महिला-पुरूषों ने किया नमन

कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की अस्थि कलश यात्रा का मालपुरा में सर्व समाज के लोगों ने स्वागत कर श्रद्धांजली दी।

हजारों लोगों की भीड़ के साथ अस्थि कलश यात्रा शहर के डेयरी चौराहा, व्यास सर्किल, नवीन मंडी, सुभार्ष सर्किल, बस स्टैण्ड से होते हुए अजमेर रोड गुर्जर छात्रावास पहुंच विशाल श्रद्धांजली सभा में तब्दील हुई। अस्थि कलश का शहर में पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी, विप्र फाउण्डेशन तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल शर्मा, प्रवक्ता मणिशंकर सहित सर्व समाज के महिला-पुरूषों ने पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया।

गुर्जर समाज की हजारों महिलाएं सिर पर कलश धारण कर राजस्थानी गीतों की डीजे की धुनों पर नाचत-गाते तो युवाओं ने भी जमकर आतिशबाजी करते हुए बैंसला अमर रहे के जयघोष लगाये। छात्रावास मे आयोजित श्रद्धांजली सभा में स्व. बैंसला के पुत्र व अस्थि कलश यात्रा संयोजक विजय बैंसला ने मौजूद गुर्जर समाज के महिला-पुरूषों से समाज में शिक्षा की अलख जगाने व सामाजिक कुरीतियों को त्याग शिक्षा के साथ-साथ खेल व राजनैतिक क्षेत्र मे भी स्व. बैंसला द्वारा समाज को दिलाये गये आरक्षण का पुरजोर लाभ लेने की अपील की। आरक्षण समिति के जिलाध्यक्ष बच्छराज गुर्जर, डुंगरी सरपंच शंकर भडाना, डीआर छोगालाल गुर्जर, नन्दलाल डोई, गोपाल गुर्जर सहित हजारों की संख्या में मौजूद गुर्जर सरदारों ने कर्नल बैंसला को गुर्जर समाज का मसीहा बता इनके बताये मार्ग एवं समाज में जगाई शिक्षा की अलख को गति देने की अपील की।

चिकित्सा मंत्री से प्रतिनिधिमंडल मिला

लालसोट, (निसं)। क्षेत्र में लंपी महामारी के गौवंश में व्यापक रूप से फैलने से चिन्तित होकर एक प्रतिनिधि मंडल गौशाला सेवा समिति सवासा के मंत्री एडवोकेट सुरेश चन्द्र शर्मा के नेतृत्व में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा से उनके जयपुर आवास पर मिला।

गौ सेवा समिति सवासा के मंत्री सुरेश चन्द्र शर्मा ने बताया ग्राम पंचायत सवासा सहित लालसोट क्षेत्र में इस बीमारी का भारी प्रकोप है और प्रशासन व पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार प्रयास करने के बाद भी उक्त बीमारी मे रुकावट नहीं आ रही है। मंत्री मीणा को दिए ज्ञापन में अवगत कराते हुए बताया कि पशुओं को देने के लिए दवाओं की किल्लत बनी हुयी है। यदि इस बीमारी पर शीघ्र काबू इस नहीं किया गया तो सड़कों पर घूमने वाली गायों की भारी संख्या में मृत्यु हो सकती है।

पर्यूषण पर्व जारी

फुलेरा, (निसं)। श्री आदिनाथ जिनालय परिसर में लगातार जारी पर्यूषण महापर्व के पावन अवसर पर ब्रह्मचारिणी मधु दीदी के सानिध्य में धर्मसभा कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। वहीं अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजा, श्री दशलक्षण मण्डल विधान की पूजा बड़े धूमधाम से की जा रही है।

खोया पाया
मेरा फाईल फोल्डर जिसमें Suncity Project Pvt. Ltd. की एक असल रसीद नं. 0217, 26.05.2012, 1,56,000/- की खो गई है। कृपया किसी को मिले तो संपर्क करें- दीप्ति शेखर-9414071350

मेरे भूखण्ड संख्या-8 सुन्दर विहार बदनपुरा (फकीरों की डूंगरी) गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर का साइट प्लान कहीं खो गया है मिलने पर संपर्क करें-विजय लक्ष्मी शर्मा मो.8385966499

नाम परिवर्तन
मैं SUB हनुमान सिंह तंवर TJ006189Y निवासी ए-75, गणेश नगर-8 विस्तार निवारू झोटवाडा, मैंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती आशा तंवर की जन्म दिनांक 1.1.1977 सभी आर्मी रिकार्ड में दर्ज करवाई है अतः भविष्य में यह जानी जाये।

मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश Purwa Choudhary दर्ज हो गया। जबकि सही नाम Purva Choudhary है। भविष्य में नाम से जाना जावें। आर्मी नं. 15667473P रैंक-हवलदार रामेश्वर लाल पूनिया पुत्र मेघा राम, यूनिट 3COSR C/o 99 APO पता-गांव श्यामपुरा, पो.अ. बालसमन्द तहसील लाडनुं, नागौर (राज.)

विवादकों का स्थिरीकरण के लिए सम्मन
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी श्रीमाधोपुर सीकर
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
मुरली वगै. बनाम रामेश्वर वगै.
वादपत्र अन्तर्गत आदेश 07 नियम 1 सी.पी.सी.
दावा बाबत उद्घोषणा बंटवारा स्थाई निषेधाज्ञा एवं रिकॉर्ड दुरूस्ती
वाद पत्र सं. 137/2020
बनाम 1. रामेश्वर 2. सागर 3. शैतान पुत्रगण श्री जीवनराम 4. माली देवी बेवा जीवनराम 5. राजू देवी पुत्री जीवनराम 6. नोलाराम 7. बनवारी 8. बंशी 9. बिरबल 10. रामचन्द्र 11. रामुराम पुत्रगण श्री चीमाराम 12. मंगली बेवा श्री चीमाराम 13. रिछपाल पुत्र श्री बल्लूराम समस्त जाति जाट निवासीगण ग्राम रतनपुरा तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राज0 14. मैनेजर बैंक बडौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्राममीण बैंक शाखा नाथूसर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान 15. पटवारी पटवार हल्का नाथूसर तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान 16. तहसीलदार श्रीमाधोपुर जिला सीकर (राज0) 17. उपपंजीयक श्रीधोपुर जिला सीकर राजस्थान
वादीगण ने आपके विरूद्ध वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 12 माह 09 सन् 2022 को दिन में 10.00 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 24 माह 08 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मोहर) उपखण्ड अधिकारी, श्रीमाधोपुर

गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की फैक्ट्री पर आयकर विभाग की रेड

कोटपूतली के पाथरेड़ी स्थित राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकिंग लिमिटेड फैक्ट्री का मामला

जयपुर, 7 सितम्बर (का.प्र.)। बुधवार सुबह आयकर विभाग की कई टीमों ने देश के चार राज्यों में एक साथ छापेमारी की कार्यवाही को अंजाम दिया और यह कार्यवाही देर शाम तक जारी थी। आयकर विभाग की टीमों ने राजस्थान दिल्ली, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में एक साथ छापेमारी की कार्यवाही की है। इस कार्यवाही के तहत राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव के कई ठिकानों पर भी आयकर विभाग की टीमों ने एक साथ रेड की। बताया जाता है कि यह छापेमारी मिड-डे मील की सप्लाई में गड़बडी को लेकर हुई है।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव सहित उनके कई रिश्तेदारों के यहां आयकर विभाग की कार्यवाही एक साथ शुरू हुई। मंत्री के जयपुर स्थित, सिविल लाइन्स के सरकारी आवास, मालवीय नगर स्थित निजी आवास और उनके रिश्तेदारों के यहां सुबह से ही टीमें सर्च में जुट गईं। हालांकि आयकर विभाग की इस कार्यवाही को लेकर मंत्री राजेंद्र यादव का कहना है कि, हमारा मिड डे मील से कोई लेना देना नहीं है।

आयकर विभाग की यह कार्यवाही मंत्री और उनके रिश्तेदारों की कोटपूतली स्थित कंपनी, राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकिंग फैक्ट्री सहित अन्य ठिकानों पर हुई है। गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव इस कंपनी के डायरेक्टर हैं, तो उनका बड़ा बेटा मधुर यादव प्रबंधक है।

बुधवार को सुबह 5.30 बजे मंत्री राजेंद्र यादव और उनके रिश्तेदारों के जयपुर और कोटपूतली स्थित 50 से ज्यादा ठिकानों पर विभाग के अधिकारी पहुंचे उनके साथ बड़ी संख्या में सी.आर.पी.एफ. के जवान थे। यादव कोटपूतली से दूसरी बार कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने हैं। कोटपूतली में उनके रिश्तेदारों की एक फैक्ट्री पर भी छापा मारा गया है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में मिड-डे मील सप्लाई के लिए कट्टे बनाए जाते हैं। आयकर विभाग की ओर कार्रवाई में लगभग 100 वाहनों का भी इस्तेमाल किया गया है। आयकर विभाग की टीमों ने जयपुर में मंत्री के बेटों के घर सहित उनके उत्तराखंड, गुड़गांव स्थित व्यवसायिक और आवासीय ठिकानों पर छापा मारा।

जयपुर में राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव के सिविल लाइंस स्थित सरकारी आवास और बनीपार्क के निजी आवास सहित मालवीय नगर के ऑफिस में भी इनकम टैक्स के अधिकारी पहुंचे। सूत्रों ने बताया है कि मिड-डे मिल और पौष्टिक आहार बनाने वाले निर्माता, सप्लाई करने वालों, उनके सहयोगियों और परिचितों के यहां रेड की जा रही है।

कोटपूतली के पाथरेड़ी स्थित राजस्थान फ्लेक्सिबल पैकिंग लिमिटेड फैक्ट्री पर भी आयकर विभाग के करीब 10 से 15 अधिकारियों व सीआरपीएफ के जवानों की टीम ने सुबह करीब 8 बजे पहुंच कर रेड की कार्यवाही शुरु की।

जहां कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री में बाहरी लोगों सहित मीडिया का प्रवेश भी बंद कर दिया गया। कार्वाही के बाद प्रदेश में सियासी हलचल भी बढ़ गई है और अफवाहों का बाजार गर्म है।

गृह राज्यमंत्री यादव ने मीडिया से हुई बातचीत में कहा कि वे राजनीति में आने से पूर्व से व्यापार कर रहे हैं। करीब 50 सालों से उनका परिवार कारोबार से जुड़ा हुआ है। आईटी की कार्यवाही को लेकर उन्होंने कहा कि आयकर विभाग का हम पूरा सहयोग करेंगे। यदि आईटी टीम को जांच के दौरान कोई गलत चीज लगती है तो हम उसका जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जांच के बाद दूध का दूध पानी का पानी हो जायेगा। यादव ने आरोप लगाया कि राजनीतिक द्वेष से प्रेरित होकर यह कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि पाथरेड़ी स्थित उक्त फैक्ट्री में केवल प्लास्टिक के कट्टे बनाए जाते हैं जो विभिन्न पैकिंग से जुड़ी फर्मों को सप्लाई किए जाते हैं।

यादव ने कहा कि इनकम टैक्स जांच करे, इसमें मुझे कोई आपत्ति नहीं है। कभी कोई गलत काम नहीं किया, हमने साफ सुथरा काम किया है। इसी के साथ यादव ने कहा कि आयकर की कारवाई में कोई राजनीतिक दुर्भावना होगी, तो वह भी सामने आ जाएगी। आयकर विभाग की कार्यवाही को पॉलिटिकल फंडिंग से जोड़ने पर यादव ने कहा कि पॉलिटिकल फंडिंग से नाम जोड़ना गलत है। हमारा पैकेजिंग का काम है। मिड डे मील से हमारा कोई संबंध नहीं है। हम कट्टे और पैकेजिंग समान बनाते हैं। यहां से कट्टे जाने के बाद उसमें कोई क्या भरता है, इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं।

आयकर विभाग ने कोटपूतली में गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव की फैक्ट्री पर छापा मारा।

- **आई.टी. विभाग की टीम सुबह करीब 8 बजे फैक्ट्री पहुंची और दस्तावेज खंगालने में जुटी।**
- **इस कार्रवाई के बाद प्रदेश में सियासी हलचल बढ़ गई।**
- **गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि, करीब 50 सालों से उनका परिवार कारोबार से जुड़ा है, उन्होंने कार्रवाई को राजनीति द्वेष से प्रेरित बताया।**

यूनिवर्सिटी के प्रथम वी.सी. की नियुक्ति पर रोचक बहस हुई हाई कोर्ट में

- **अम्बेडकर लॉ युनिवर्सिटी के वी.सी. की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रथम वी.सी. की नियुक्ति पर कोई स्पष्ट कानून नहीं है।**
- **उन्होंने अदालत को बताया कि वी.सी. की नियुक्ति के लिए सलैक्शन बोर्ड का गठन करना होता है, जिनमें युनिवर्सिटी के मैनेजमैंट के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। परन्तु अगर वी.सी. ही नियुक्त नहीं किया गया हो तो बोर्ड का गठन कैसे होगा। इसलिए किसी भी युनिवर्सिटी के प्रथम वी.सी. की नियुक्ति ''ट्रांज़िशनल'' यानि अवस्थांतर प्रक्रिया है जब तक युनिवर्सिटी का आधारभूत ढांचा नहीं बना लिया जाये और यू.जी.सी. मान्यता प्राप्त नहीं कर ली जाती।**
- **वहीं याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही आदेश में पारित कर चुका है कि कॉलेज के प्रिंसिपल की शैक्षणिक योग्यता कॉलेज में पढाए जा रहे विषयों में होनी चाहिए और क्योंकि वी.सी. प्रिंसीपल से ऊंचे पद पर भी होता है, अदालत को यही मापदंड उसकी नियुक्ति पर लागू करना चाहिये।**

जयपुर, 7 सितम्बर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी के वी.सी. की नियुक्ति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान अदालत ने गुरूवार को भी सुनवाई जारी रखने के आदेश दिये।

सुनवाई के दौरान वी.सी. देव स्वरूप की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कमलाकर शर्मा ने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार के किसी भी कानून में किसी भी विश्वविद्यालय के प्रथम वी.सी. की नियुक्ति के संबंध में कोई स्पष्ट दिशा निर्देश नहीं है। उन्होंने बताया कि वी.सी. की नियुक्ति के लिये आमतौर पर एक सलेक्शन बोर्ड का गठन किया जाता है, जिसमें पूर्व वी.सी. भी शामिल होते हैं। परंतु जब वी.सी. ही नहीं हो तो बोर्ड का गठन कैसे किया जा सकता है? उन्होंने आगे कहा कि वी.सी. के कार्यक्षेत्र में कॉलेज के बच्चों को पढ़ाना शामिल नहीं होता।

इसीलिये किसी भी वी.सी. के पास उसी क्षेत्र में अकादमिक योग्यता होना आवश्यक नहीं हैं, जिस क्षेत्र में उस कॉलेज के छात्र पढ़ने आये हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र या राज्य सरकार के किसी भी कानून में यह वर्णित नहीं है कि वी.सी. की शैक्षणिक योग्यता क्या हो?

उन्होंने आगे कहा कि प्रथम वी.सी. की नियुक्ति ''ट्राज़िशनल'', यानी अवस्थान्तर, प्रक्रिया है। जब तक कि यूनिवर्सिटी का आधारभूत ढांचा नहीं बना लिया जाता तथा यू.जी.सी. से आवश्यक मान्यता नहीं प्राप्त कर ली जाती।

याचिकाकर्ता के.बी अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता सुनील समदड़िया ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही फैसला दे चुका है कि यूनिवर्सिटी के प्रिंसिपल केवल वही उम्मीदवार हो सकते हैं जिन्होंने उन्हीं विषयों में शैक्षणिक योग्यता प्राप्त की हो जिन विषयों से संबंधित शिक्षा कॉलेज में दी जा रही है। याचिकाकर्ता का यह भी कहना है कि क्योंकि वी.सी. प्रिंसीपल से भी उँचे पद पर होता है इसीलिये अदालत को कानून को ऐसे ही पढ़ना चाहिये कि वी.सी की योग्यता कॉलेज में पढ़ाये जा रहे विषयों से ही संबंधित हो।

अदालत में इस मुद्दे पर गुरूवार को भी बहस जारी रहेगी।

'मक्खन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और देश को संगठित रख सकते हैं।

कांग्रेस में यह मज़ाक चल रहा है कि कन्याकुमारी तथा आस-पास के इलाकों में अमूल बटर खत्म हो गया है क्योंकि उन्होंने राहुल गांधी पर भर-भर कर मक्खन लगा दिया है।

गहलोत का एजेण्डा साफ और सीधा है। अगर राहुल कांग्रेस अध्यक्ष बन जाते हैं तो गहलोत के लिये अच्छा रहेगा क्योंकि वे राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। और अगर गहलोत पार्टी अध्यक्ष बना दिये जाते हैं तो भी वे राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रहना चाहेंगे। यह उनकी पहली एवं अंतिम प्राथमिकता है और इसे हासिल करने के लिये, राहुल गांधी को अमूल मक्खन लगाया जा रहा है।

यह ड्रामा सोनिया गांधी के वापस आ जाने के बाद शुरू होगा, तथा जब जो कुछ गहलोत चाहते हैं, उसे पाने के लिये वे संभवत: एडी-चोटी का जोर लगा देंगे तथा अपने मन्तव्य एवं एजेण्डा को आगे बढ़ाने के लिये गांधी परिवार के प्रति अपनी नज़दीकी का लाभ लेना चाहेंगे।

जो भी है, वे यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि सचिन पायलट मुख्यमंत्री की कुर्सी प्राप्त नहीं कर सकें।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि राहुल ने इस बिन्दु पर बड़ा सख्त रूख इख्तियार कर लिया है कि उनके परिवार का कोई भी व्यक्ति कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेगा तथा माँ सोनिया को भी यह बात माननी ही होगी।

अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये राहुल गांधी की पसंद हैं और वे ऐसा होते हुआ देखने के लिये वे जी-जान से लगे हुये हैं।

राहुल गांधी चाहते हैं कि गांधी परिवार पार्टी नेतृत्व से अवकाश ले, तथा इस प्रक्रिया में वे अशोक गहलोत की राजस्थान से विदाई का उपयोग सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाने के लिये कर सकें, और गहलोत राहुल की इस योजना को पूरा न होने देने में बुरी तरह जुटे हुये हैं।

राजस्थान सरकार से नैशनल ग्रीन ट्रिब्युनल सैन्ट्रल जोन भोपाल ने जवाब मांगा

- **ट्रिब्युनल ने रामदास बनाम राजस्थान सरकार के मामले में आदेश पारित कर राज्य के मुख्य सचिव और संबंधित बोर्ड और विभागों से पूछा है कि, क्यों ना पूरे प्रदेश में ईंट-भट्टे केवल जनवरी से जून तक ही संचालित किए जाएं।**
- **साथ ही पूछा कि, क्यों न ईंट-भट्टों के लिए कम प्रदूषण वाली नई टैक्नॉलजी ''ज़िग-जैग'' को अनिवार्य कर दिया जाए।**

जयपुर, 7 सितम्बर। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेंट्रल जोन भोपाल ने राजस्थान सरकार, राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, मिनिस्ट्री ऑफ एनवायरमेंट फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज गवर्मेंट ऑफ इंडिया एवं सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड मिनिस्ट्री ऑफ़ एनवायनमेंट से जवाब तलब किया है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेंट्रल जोन भोपाल ने रामदास बनाम राजस्थान सरकार के मामले में मंगलवार को आदेश पारित किया। इस दौरान ट्रिब्यूनल ने राजस्थान के मुख्य सचिव, और संबंधित बोर्ड और विभागों से पूछा है कि क्यों ना संपूर्ण राजस्थान में ईट भट्टों का संचालन पूरे वर्ष में केवल जनवरी से जून तक ही सीमित कर दिया जाए। वहीं सभी ईट भट्टों में कम प्रदूषण वाली नई टैक्नॉलजी ज़िग-ज़ैग अनिवार्य रुप से अपनाई जाए।

प्रार्थी की अधिवक्ता हरिंदर नील ने बताया कि 2017 में पूरे राजस्थान में 90 हजार और 2019 में 13 लाख लोगों की मृत्यु वायु प्रदूषण की वजह से हुई थी। 2019 में कुल 21.2 प्रतिशत मृत्यु वायु प्रदूषण से हुई थी। यह आंकड़ा राष्ट्रीय स्तर के 18 प्रतिशत से काफी अधिक है। अभी कुछ दिनों पहले ही 2021 की रिपोर्ट में राजस्थान के भिवाड़ी को दुनिया की सबसे प्रदूषित तहसील माना गया था। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने भी 124 जिलों में से जयपुर, जोधपुर, कोटा, अलवर और उदयपुर को सबसे अधिक प्रदूषित माना है। यह जिले प्रदूषण मापदंडों को पूरा नहीं करते हैं।

इस आदेश से सबसे ज्यादा ईट भट्टे वाले जिले जयपुर, भरतपुर, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर प्रभावित होंगे। संपूर्ण राजस्थान में कोयले और पेट कोक का ईंट भट्टों में उपयोग होता है, और जिससे सर्वाधिक वायु प्रदूषण होता है। प्रार्थी ने अपना पक्ष रखते हुए यह भी कहा कि, दिल्ली और पंजाब की तरह राजस्थान में ईट भट्टे में कम प्रदूषण फैलाने वाली ''ज़िग ज़ैग'' टैक्नॉलजी उपयोग में ली जानी चाहिए। इसकी कॉस्ट एफिशिएंसी भी बहुत कम है। अच्छी सांस लेना भी मानवाधिकार अधिकारों में आता है। ईंट भट्टों पर काम करने वाले लोगों को रोका नहीं गया अथवा इनको नई टैक्नॉलजी के अनुरुप नहीं ढाला गया तो राजस्थान भी दिल्ली की तरह प्रदूषित हो जाएगा।

गौरतलब है कि एनजीटी दिल्ली ने पहले ही एनसीआर रीजन के लिए ईट भट्टों का उपयोग केवल मार्च से जून तक कर रहा कर रखा है। यहां वहीं ईट भट्टे ही काम कर सकते हैं जिन्होंने ज़िग-ज़ैग टैक्नॉलजी अपना रखी है। पंजाब सरकार ने भी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का आदेश माना है।

यहां ईट भट्टों का उपयोग केवल जनवरी से जून तक ही किया जा सकता है। इनमें वे ही भट्टे संचालित हो सकते है जो ज़िग-ज़ैग टैक्नॉलजी का उपयोग करते हैं।

सैन्ट्रल विस्टा एवं कर्तव्य पथ का उद्घाटन आज

नयी दिल्ली, 7 सितंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को राजधानी में सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत शाम सात बजे आयोजित कार्यक्रम में कर्तव्य पथ का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की बुधवार को जारी एक विज्ञिप्त में कहा गया है कि सत्ता के प्रतीक तत्कालीन राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना जन प्रभुत्व और सशक्तीकरण का एक उदाहरण है। इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रतिष्ठित राजपथ को अब कर्तव्य पथ के नाम से जाना जाएगा। नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की बैठक में बुधवार को इससे संबधित प्रस्ताव पर मुहर लगायी गयी। यह निर्णय आज परिषद की एक विशेष बैठक में लिया गया।

- **प्र.मंत्री मोदी इस मौके पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का अनावरण भी करेंगे।**

रेलवे अब अपनी जमीन केन्द्र सरकार के अन्य विभागों को लीज़ पर देगा

- **जमीन प्राप्त करने वाले विभागों को इसके बदले मात्र 1.5 प्रतिशत सालाना वार्षिक शुल्क रेलवे को देना होगा।**

नयी दिल्ली, 7 सितंबर (वार्ता)। सरकार ने पीएम गति शक्ति अवसंरचना के निर्माण को सुलभ करने के लिए रेलवे की खाली भूमि के उपयोग को लेकर पुरानी नीति को आज बदल दिया जिसके तहत आवंटी को अब भूमि के बाज़ार मूल्य के छह प्रतिशत सालाना की बजाय एक चौथाई यानी डेढ़ प्रतिशत वार्षिक शुल्क देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आज यहां हुई बैठक में कार्गो संबंधी गतिविधियों, जन उपयोगिताओं और रेलवे के विशेष इस्तेमाल हेतु रेलवे की भूमि नीति को संशोधित करने के रेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की। रेलवे के पास करीब 0.62 लाख हेक्टेयर भूमि उपलब्ध है जिसमें कंटेनर निगम लिमिटेड के पास 26 शहरों में 250 हेक्टेयर भूमि शामिल है।

सरकार का मानना है कि इससे रेलवे को और ज्यादा कार्गो आकर्षित करने में मदद मिलेगी, माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी एवं राजस्व में वृद्धि होगी और इससे इस उद्योग की लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी।

रेलवे की भूमि नीति में बदलाव से सभी पक्षकारों के लिए ज्यादा कार्गो संबंधी सुविधाएं स्थापित करने के रास्ते खुलेंगे और रेलवे के लिए अतिरिक्त कार्गो यातायात एवं माल ढुलाई राजस्व पैदा करने में उनकी भागीदारी की राह भी बनेगी। पीएम गति शक्ति कार्यक्रम में जन उपयोगिताओं के सरल एवं एकीकृत तरीके से विकास में मदद मिलेगी।

नीतीश एवं शरद पवार

नयी दिल्ली, 7 सितम्बर (वार्ता)। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यू) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार ने राजधानी के अपने प्रवास के दौरान विपक्षी नेताओं के संपर्क अभियान के क्रम में बुधवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता शरद पवार से मुलाकात की और अगले आम चुनाव से पहले विपक्ष की एकजुटता की संभावनाओं पर चर्चा की।

कुमार दिल्ली में पवार के निवास पर गये और वहां करीब 45 मिनट रहे। बैठक के बाद कुमार ने कहा कि विपक्ष मिलकर चुनाव लड़ेगा तो देश के लिए अच्छा रहेगा।

भाजपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कमल के खिलने की कोई खास गुंजाइश दिखाई नहीं दे रही। इन विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा हिन्दुत्व से जुड़े मुद्दे जितना ज्यादा जोर-शोर से उठायेगी, उसके लिये मतदाताओं को बड़ी संख्या में प्रभावित करने की गुंजाइश उतनी ही कम होती जायेगी, क्योंकि तमिलनाडु के मतदाता जातिगत सोच एवं लिहाज तथा पार्टी के साथ मजबूत जुड़ावों से ज्यादा प्रभावित होते रहे हैं। यह बात सही हो या गलत, लेकिन भाजपा को एक ऐसी पार्टी के रूप में देखा जाता है जो ब्राह्मण एजेण्डा को आगे बढ़ाती है तथा यह चीज अन्य जातियों के लोगों को उससे दूर कर देती है। इसके अलावा, द्रविड-दल भाजपा पर ''उत्तर भारत की हिन्दी एक ऐसी पार्टी'' तथा एक बाहरी पार्टी होने का ठप्पा लगाने में कामयाब रहे हैं, जो हिन्दी थोपना तथा राज्य को अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। द्रविड़ दलों ने तमिलनाडु की जनता के मन में यह चीज पूरी तरह बसा दी है।

तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्ना मलाई की दृढ़ मान्यता है कि हिन्दी के इस भूत के दिन जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पारिवारिक सरोकर, जिसे डी.एम.के. कहा जाता है, के दिन भी लद चुके हैं। लोग परिवर्तन की तलाश में है।

बंधुआ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोर देकर कहा कि देश में बंधुआ मजदूर के बहाने एक रैकिट चल रहा है। बैंच ने कई पहलुओं पर सरकार की विस्तृत प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि ''सरकार जरूरी होने पर कानून के अंतर्गत उपचारात्मक कदम उठाएगी।''

जस्टिस गुप्ता ने बड़ी रूखाई से कहा कि कथित बंधुआ मजदूर वास्तव में बंधुआ नहीं हैं, वे काम के बदले धन लेते हैं लेकिन उसे बीच में छोड़ देते हैं।

उन्होंने टिप्पणी की ''उन्हें ईंट भट्टे वाले काम पर रखते हैं। ये लोग पिछड़े क्षेत्रों के हैं। वे पैसा लेकर खा जाते हैं और काम बीच में छोड़ देते हैं। यह एक रैकिट है। ये मजदूर बंधुआ मजदूरों के नाम पर लाभ उठाते हैं।''

'प्राइस कैपिंग की तो गैस व ऑयल सप्लाई पूरी तरह से बंद कर दूंगा'

मॉस्को, 7 सितम्बर। यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ने वाले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अब उन देशों को चेतावनी दी है जो उसके तेल की मूल्य सीमा (प्राइस कैपिंग) करने की तैयारी कर रहे हैं। पुतिन ने कहा है कि जो देश इस योजना में शामिल होंगे उनको रूस की ओर से तेल और गैस की सप्लाई बंद कर दी जाएगी। उन्होंने कहा, ऐस करना बिल्कुल मूर्खतापूर्ण फैसला होगा।

पुतिन ने प्रशांत बंदरगाह शहर व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम को बताया कि तेल की कीमतों को सीमित करना, जैसा कुछ पश्चिमी देश विचार कर रहे हैं, बिल्कुल मूर्खतापूर्ण निर्णय होगा। उन्होंने कहा, अगर यह हमारे हितों के विपरीत है, तो हम अपने आर्थिक हितों को देखते हुए किसी भी चीज की सप्लाई नहीं करेंगे। कोई गैस नहीं, कोई तेल नहीं, कोई कोयला नहीं, कोई ईंधन तेल नहीं, कुछ भी नहीं। दरअसल, जी7 औद्योगिक शक्तियों ने शुक्रवार को यूक्रेन में मास्को की सैन्य कार्रवाई के लिए धन के एक प्रमुख स्त्रोत को रोकने के लिए, रूसी तेल आयात पर मूल्य कैप को लागू करने की दिशा में तत्काल कदम उठाने का आ ान किया। पुतिन ने कहा, रूस अपने एग्रीमेंट संबंधी दायित्वों को सम्मान करेगा और उम्मीद है कि अन्य देश भी ऐसा ही करेंगे। सर्दियों से पहले यूरोप में बढ़ती ऊर्जा की कीमतों की ओर से इशारा करते हुए, पुतिन ने कहा कि रूस मौजूदा एग्रीमेंटों के अलावा कुछ भी आपूर्ति नहीं करेगा।

अखिलेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केशव प्रसाद मौर्य को मुख्यमंत्री बनाये जाने की अविश्वसनीय पेशकश कर दी है।

विपक्ष को एकजुट करने के अपने मिशन को जारी रखते हुये, बिहार के मुख्यमंत्री ने आज एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार तथा शरद यादव के साथ भी मीटिंग कीं।

इसके अलावा, उन्होंने इस समय अस्वस्थ चल रहे सपा-संस्थापक मुलायम सिंह यादव से भी भेंट की।

अखिलेश यादव ने मंगलवार को यह पेशकश कर दी कि अगर केशव प्रसाद मौर्य 100 विधायकों को साथ लेकर भाजपा से संबंध-विच्छेद कर लें तो वे मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी के लिये मौर्य का समर्थन कर देंगे। यह प्रस्ताव रखते हुये, अखिलेश उत्तर प्रदेश भाजपा में अंदरूनी लड़ाई की स्थिति पैदा करने की रूपरेखा बना रहे हैं, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि मौर्य को शाह का आशीर्वाद प्राप्त है तथा उनकी गिनती योगी आदित्यनाथ के पसंदीदा लोगों में नहीं होती है।

रूस/चीन व अमेरिका के तनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुखपत्र बन गया है जो कि यूक्रेन वॉर पर पुतिन का पक्ष ही प्रस्तुत करता है।

बीजिंग विंटर ओलम्पिक्स से पहले और पुतिन द्वारा यूक्रेन में रुस की सैन्य घुसपैठ की अनुमति से पूर्व शी एवं पुतिन बीजिंग में मिले थे तथा दोनों ने दोनों देशों के बीच ''लिमिटलैस'' (असीमित) दोस्ती की घोषणा की गई थी।

भारत इन दोनों मित्रों के बीच फंस गया है बिल्कुल ''एलिस इन वंडरलैंड'' की तरह भारत को भी रुस और पश्चिम के साथ संबंधों में संतुलन बनाना है, चीन के साथ बढ़ते टकराव के संदर्भ में।

जहां भारत के रुस के साथ अच्छे सम्बंध हैं लेकिन चीन भारत से लगती सीमा पर समस्याएं खड़ी करता रहता है। ऐसे ही एक सैन्य टकराव में भारत के 21 जवान शहीद हो गए थे।

दोनों निरंकुश तंत्र रुस और चीन एक साथ आ गए हैं और दोनों के हित एक जैसे हैं क्योंकि दोनों ही स्थापित कूटनीतिक प्रक्रिया को दरकिनार कर रहे हैं और सैन्य हस्तक्षेप से समस्याएं सुलझाना चाहते हैं।

जहां रुस ने यूक्रेन में घुसपैठ की है वहीं चीन भी ताईवान को ताकत के बल पर कब्जा करने की धमकी दे रहा है।

इसके अलावा चीन दक्षिण चीन सागर के बड़े हिस्से पर भी दावा कर रहा है और इस क्षेत्र को अन्तर्राष्ट्रीय शिपिंग चैनल के रुप में प्रयुक्त करने से रोक रहा है, जहां से वैश्विक व्यापार होता है।

इससे भी बुरी बात है कि चीन सीमा पर भी तनाव पैदा कर रहा है और सीमा पर स्थित कई क्षेत्रों को अपना बता रहा है। चीन हिंद महासागर में अपने बेस बनाकर भारत को घेर रहा है। इसने हॉर्न ऑफ अफ्रीका में नौसैनिक बेस बनाया है। जहां से यह हिंद महासागर में शक्ति प्रदर्शन कर सकता है।

इसके अलावा चीन ने श्रीलंका में भी एक प्रमुख बंदरगाह ''हम्बनटोटा'' पर कब्जा कर लिया है, जहां हाल ही में इसने कथित तौर पर एक रिसर्च नौका भेजी थी जो भारतीय सैटेलाइट को ट्रैक कर सकती है।

चीन के साथ इस टकराव पूर्ण रिश्ते में भारत ने अमेरिका से काफी सहयोग व समर्थन लिया है इसने भारत तो उसके पारम्परिक मित्र रूस से दूर कर दिया है।

रूस और अमेरिका के बढ़ते टकराव के बाद भी भारत ने दोनों देशों के बीच चतुराई से संतुलन बनाया है। भारत ने पश्चिम के प्रतिबंधों को ठुकरा कर रूस से तेल खरीदना जारी रखा साथ ही चीन के साथ लगती सीमा पर तैनात करने के लिए अमेरिका से हथियार खरीदे।

इसके अलावा भारत चीन के आक्रामक इरादों को रोकने के लिए बने उदार लोकतांत्रिक देशों के गठबंधन का भी महत्वपूर्ण भाग है। इण्डो पैसेफिक क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में नौसैनिक युद्ध व क्षमता महत्वपूर्ण भार के रूप में उभरी है और एशिया में चीन के खिलाफ अमेरिका ने भारत को समर्थन देना शुरू कर दिया है।

- **अब तक तो भारत चीन/रूस व अमेरिका के तनावों के बीच बहुत चतुराई से अपना काम चलाता रहा है, पर चीन/रूस और आक्रामक हुए, तो यह संतुलन बिठाना और कठिन हो जायेगा।**

आयकर विभाग ने गैर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावी पैनल ने यह भी घोषणा की थी कि वह 21 सौ से अधिक ऐसी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, जिन्हें धन के अंशदानों की प्रतिष्ठियां करने सहित चुनाव के नियम-कायदों का उल्लंघन करने के कारण पंजीकृत किन्तु गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन संस्थाओं ने अपने कार्यालयों के पते और पदाधिकारियों के नाम तक अपडेट नहीं किए हैं। उसने कहा था कि इनमें से कुछ पार्टियां ''गंभीर'' वित्तीय अनियमितताओं में संलग्न हैं।

चुनावी पैनल के अनुसार उसने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की। इन अधिकारियों ने रिपोर्ट दी थी कि सत्यापन के दौरान इन पार्टियों को या तो अस्तित्वहीन पाया गया था जब उनके पते और संवाद के विवरणों के सत्यापन के लिए संबंधित प्राधिकरण द्वारा उन्हें पत्र भेजे गए तो वे पुनः लौट आए। डाक विभाग ने भी इन पत्रों को अनडिलीवर्ड माना है। चुनाव आयोग ने इसके बाद इन पार्टियों को सिम्बल्स ऑर्डर (1968) के अन्तर्गत मिले कई लाभों को वापस लेने का निर्णय लिया। इन लाभों में कॉमन इलैकशन सिम्बल का आवंटन भी शामिल है। गत जून माह में जारी एक बयान में चुनावी पैनल ने कहा था कि निर्णय से व्यथित कोईभी रजिस्टर्ड अनरिकग्नाईज़ड पॉलीटिकल पार्टी (आर.यू.पी.पी.) 30 दिनों के भीतर संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो सकती है, लेकिन उसे अपने साथ अपने अस्तित्व के सभी प्रमाण, वार्षिक ऑडिट अकाउन्ट्स, अंशदान एवं व्यय रिपोर्ट और पदाधिकारियों की अपडेट लिस्ट लानी होगी।

चुनावी पैनल के सूत्रों ने कहा था कि ऐसी पार्टियों के विक्षेप विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं जिन्होंने फण्ड्स और डोनेशन्स का खुलासा करने में नियम कानूनों का उल्लंघन किया है।

चुनाव आयोग ने गंभीर वित्तीय अनियमितताओं में शामिल ऐसी तीन पार्टियों के विरूद्ध आवश्यक कानूनी व आपराधिक कार्रवाही करने के लिए बाद में राजस्व विभाग को एक रेफरेंस भेजा। राजस्व विभाग केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन कार्यरत हैं।

राजस्व विभाग ने बाद में इस रिपोर्ट को कर विभाग की प्रशासनिक इकाई सैन्ट्रल बोर्ड ऑफ डायरैक्टर टैक्सेस (सी.बी.डी.टी.) को भेजा। बुधवार की कार्रवाई में आयकर विभाग की विभिन्न जांच इकाईयों ने भाग लिया।

अधिकारिक डेटा के अनुसार भारत में करीब 2 हजार 8 सौ पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियां है। चुनावी पैनल सरकार पर दबाव बनाता रहा है कि उसे इन राजनीतिक पार्टियों का पंजीकरण रद्द करने की अनुमति दी जाए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908